सेंसेक्स	~	80,364.94
निफ्टी	~	24,634.90
सोना	~	1,16,400
चांदी	~	1,50,000
डॉलर	~	88.68

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
मंगलवार 30 सितम्बर 2025
आश्विन शुक्ल 09 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 10
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

कनाडा सरकार ने लॉरेंस गैंग को आतंकी संगठन घोषित किया

नई दिल्ली। कनाडा सरकार ने लॉरेंस गैंग को आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। यह गैंग सिर्फ भारत में ही नहीं, कनाडा में भी क्राइम कर रहा है। कनाडा के पब्लिक सिक्योरिटी मिनिस्टर गैरी अनंदसंगरी ने कहा कि हिंसा और आतंक का कनाडा में कोई स्थान नहीं है, विशेष रूप से वे जो किसी विशेष समुदाय को डर के माहौल में रखने के उद्देश्य से किए जाते हैं। इसके चलते लॉरेंस गैंग को कनाडा के क्रिमिनल कोड के तहत आतंकवादी संगठन करार दिया जाता है। कनाडा सरकार के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई गैंग एक इंटरनेशनल क्रिमिनल संगठन है, जो मुख्य तौर पर भारत में एक्टिव है। संगठन की मौजूदगी कनाडा में भी है। खास तौर पर उन क्षेत्रों में, जहां प्रवासी समुदाय बड़ी संख्या में रहते हैं। यह गैंग हत्या, गोलीबारी, आगजनी जैसे क्राइम करने के साथ धमकी व जबरन वसूली के माध्यम से आतंक फैलाता है।

मेघालय में 2.5 करोड़ की हेरोइन जब्त

शिलांग। मेघालय के वेस्ट जयंतिया हिल्स जिले में मणिपुर के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 2.5 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त की गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार लोगों के पास से भारत, दक्षिण कोरिया, कजाकिस्तान और म्यांमार सहित कई देशों के नोट और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। वेस्ट जयंतिया हिल्स के एसपी गिरि प्रसाद ने बताया कि जिला पुलिस और स्टेट एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स की एक जॉइंट टीम ने रविवार देर रात फ्रामर मेर पुलिस ट्रैफिक सेल के पास एक गाड़ी को रोका। गाड़ी खलीहरियात से जोवाई जा रही थी। गाड़ी की तलाशी ली गई और 512.63 ग्राम हेरोइन से भरे 50 साबुन के डिब्बे जब्त किए गए। इसके बाद गाड़ी में सवार दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।

मूडीज रेटिंग्स ने भारत की बीएए3 रेटिंग को बरकरार रखा

नई दिल्ली। मूडीज रेटिंग्स ने सोमवार को भारत की लॉन्ग-टर्म लोकल और फॉरेन-करेंसी इश्यूअर रेटिंग्स और लोकल-करेंसी सीनियर अनसिक्योर्ड रेटिंग को बीएए3 पर बरकरार रखा है। साथ ही ग्लोबल रेटिंग्स एजेंसी ने देश के लिए आउटलुक को स्थिर रखा है। मूडीज ने कहा कि बीएए3 रेटिंग का स्थिर आउटलुक भारत की मौजूदा ऋण क्षमता के कायम रहने का संकेत है। मूडीज ने अपने नोट में कहा कि रेटिंग का स्थिर आउटलुक के साथ बीएए3 पर बरकरार रहना हमारे इस दृष्टिकोण को दिखाता हैं कि भारत की मौजूदा ऋण क्षमताएं कायम रहेंगी, जिसमें इसकी बड़ी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, मजबूत बाहरी स्थिति और चालू राजकोषीय घाटे के लिए स्थिर मजबूत घरेलू फंडिंग शामिल है।

कुछ ना कहना

सुप्रीम कोर्ट बोला-

अदालतें पीड़ितों की तकलीफ को अनदेखा न करें

पटना हाईकोर्ट ने शिकायतकर्ता को सुना ही नहीं, जल्दबाजी में अग्रिम जमानत दे दी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हत्या के आरोपियों को अग्रिम जमानत देने के फैसले पर पटना हाईकोर्ट को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करना जरूरी है, लेकिन अदालतें पीड़ितों की तकलीफ को नजरअंदाज नहीं कर सकतीं। सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी पटना हाईकोर्ट के मार्च 2024 के उस आदेश को रद्द करते हुए की, जिसमें एक महिला की हत्या के दो आरोपियों को अग्रिम जमानत दी गई थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा- हाईकोर्ट ने यह फैसला बहुत जल्दबाजी में किया और शिकायत करने वाले व्यक्ति को सुने बिना ही जमानत दे दी। कोर्ट ने इसे सही नहीं माना। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि आरोपी चार हफ्ते के भीतर सरेंडर करें। इसके बाद चाहें तो नियमित जमानत के लिए अर्जी लगा सकते हैं।

SC बोला- हाईकोर्ट ने मर्डर जैसे क्राइम को हल्के में लिया

सुप्रीम कोर्ट ने माना कि इस मामले में हाईकोर्ट ने मर्डर जैसे गंभीर अपराध को हल्के में लिया और बिना ठीक से वजह बताए जमानत दे दी। यह जमानत बिल्कुल भी सही नहीं थी, क्योंकि पीड़ित की पत्नी की हत्या दिनदहाड़े हुई थी। कोर्ट ने कहा- व्यक्तिगत आजादी की सुरक्षा जरूरी है, लेकिन अदालतों को यह भी देखना होगा कि पीड़ित को न्याय और सुरक्षा मिले। दोनों के बीच संतुलन बनाना जरूरी है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने भी मर्डर केस के आरोप की जमानत दी

सुप्रीम कोर्ट ने 24 जुलाई को कर्नाटक हाईकोर्ट को कन्नड़ एक्टर दर्शन थुगुदीपा को जमानत देने के फैसले पर भी फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था कि हाईकोर्ट ने रेणुका स्वामी मर्डर केस में ज्यूडिशियल पावर का गलत इस्तेमाल किया है। दर्शन को रेणुका स्वामी मर्डर केस में 13 दिसंबर 2024 को हाईकोर्ट से जमानत मिली थी, जिसके बाद वो जेल से रिहा हुए थे। इसी के खिलाफ कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को मार्च में सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। 17 जुलाई को भी सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से एक्टर दर्शन को मिली जमानत पर सवाल उठाए थे। कोर्ट ने कहा था कि लगता है हाईकोर्ट ने अपने विवेक का सही इस्तेमाल नहीं किया। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने एक्टर की जमानत रद्द करने का फैसला सुरक्षित रखा है।

6 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, आरोपी दंपति की जमानत रद्द -दो निचली अदालत के जजों को ट्रेंनिंग के आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने 6 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी दंपत्ति को मिली जमानत को रद्द करते हुए निचली अदालतों की कार्यवाही पर कड़ी आपत्ति जताई है। अदालत ने कहा कि निचली अदालतें तय प्रक्रिया का पालन करने में नाकाम रहीं और आरोपियों के आचरण को नजरअंदाज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अहसनुद्दीन अमानुल्ला और जस्टिस एसवीएन भारती की बेंच ने आदेश दिया कि कड़कड़डूमा कोर्ट के एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मैजिस्ट्रेट (एसीएमएम) और सेशन जज, दोनों को दिल्ली जुडिशल एकेडमी में कम से कम सात दिनों की ट्रेनिंग लेनी होगी। साथ ही, आरोपी दंपत्ति को दो हफ्तों के भीतर सरेंडर करने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस केस में दिल्ली पुलिस की लापरवाही पर भी सवाल उठाए हैं। अदालत ने कहा कि जांच अधिकारी (आईओ) की भूमिका संदिग्ध है और उसका रुख बहुत कुछ कहता है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिया है कि आईओ की भूमिका की निजी जांच की जाए और विभागीय कार्रवाई शुरू की जाए।

रंगोली से सडक़ पर आई लव मोहम्मद लिखने से तनाव

अहिल्यानगर में बवाल, हाईवे जाम, पथराव, पुलिस का लाठीचार्ज

अहिल्यानगर। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में सोमवार को सडक़ पर रंगोली से आई लव मोहम्मद लिखने को लेकर बवाल हो गया। मुस्लिम समुदाय ने प्रदर्शन करते हुए पुणे-छत्रपति संभाजीनगर हाईवे जाम कर दिया। पुलिस जाम खुलवाने पहुंची तो प्रदर्शनकारियों ने पथराव शुरू कर दिया। इस पर पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को सडक़ से हटाया। फिलहाल इलाके में पुलिस बल तैनात है। पुलिस ने रंगोली बनाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है।

अहिल्यानगर के पास कोटला गांव में सोमवार सुबह सडक़ पर रंगोली से आई लव मोहम्मद लिख दिया गया। इस सडक़ पर हिंदूवादी संगठन 'हिंदुस्तान शिव प्रतिष्ठान' ने दुर्गा माता दौड़ का आयोजन रखा था। सुबह करीब 7 बजे जानकारी मिलते ही शहर के मुस्लिम समुदाय के लोग सडक़ों पर उतर आए और नारेबाजी करते हुए पुणे-छत्रपति संभाजी नगर हाईवे जाम कर दिया। इससे गांव के दोनों ओर सैकड़ों वाहन जमा हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची और जाम खत्म कराने लगी तो भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया। इस पर पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को हटा दिया। एसपी सोनाथ घर्गे ने बताया कि पुलिस ने पथराव करने वाले करीब 30 लोगों को हिरासत में लिया है।

फडणवीस बोले- ये साजिश

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने अहिल्यानगर की घटना पर कहा- ऐसा लगता है की ये साजिश है। राज्य में तनाव पैदा कर शांति भंग करने की कोशिश हो रही है इस मामले में जांच की जाएगी दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मोबाइल नंबर की तरह गैस कंपनी भी बदल सकेंगे

- सिलेंडर मिलने में देरी जैसी समस्या दूर होगी

नई दिल्ली। जल्द ही आप मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी की तरह अपना गैस कनेक्शन भी किसी भी कंपनी में बदल सकेंगे। पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस रेगुलेटरी बोर्ड ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इससे कंज्यूमर्स को ज्यादा चॉइस मिलेगी और सर्विस बेहतर होगी। यूपीए सरकार ने अक्टूबर 2013 में 13 राज्यों के 24 जिलों में एलपीजी कनेक्शन की पोर्टेबिलिटी की पायलट योजना शुरू की थी। जनवरी 2014 में इसे 480 जिलों तक विस्तारित किया। लेकिन उसमें आप उसी कंपनी के अंदर डीलर बदल सकते थे। मसलन, अगर आप इंडेन गैस के कस्टमर हैं, तो अन्य कंपनी में जाना मुमकिन नहीं था। ऐसा इसलिए था क्योंकि नियमों के मुताबिक सिलेंडर सिर्फ उसी कंपनी से रिफिल कराया जा सकता है, जिसने उसे जारी किया हो। नई व्यवस्था में अब ये पुरानी लिमिट हटाई जाएगी।

रिफिल में देरी से ग्राहकों को परेशानी

लोकल डिस्ट्रीब्यूटर्स के ऑपरेशनल प्रॉब्लम्स से कस्टमर्स को परेशानी होती है। कई बार रिफिल में हफ्तों की देरी हो जाती है। पीएनजीआरबी का कहना है, कस्टमर को चॉइस की आजादी होनी चाहिए, खासकर जब सिलेंडर की कीमत सबकी एक जैसी हो। अगर लोकल डीलर ठीक से काम न करे, तो दूसरी कंपनी के नजदीकी डिस्ट्रीब्यूटर से रिफिल लेने की सुविधा मिलेगी।

टीम इंडिया नहीं ली नकवी से ट्रॉफी = पाकिस्तानी मीडिया में दिखी बौखलाहाट

बोला- भारत ने नहीं दिखाई खेल भावना, बीसीसीआई के आदेश पर यह सब हुआ

नई दिल्ली,। एशिया कप के फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम को पांच विकेट से हराकर ट्राफी पर कब्जा कर लिया। भारत ने लगातार तीसरे मैच में पाकिस्तान को हराया तो यह बड़ा अवसर था। इससे भी दुर्लभ अवसर तब देखने को मिला जब भारत की टीम ने मोहसिन नकवी के हाथ से एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया जिससे पाकिस्तान बौखला गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी एक अखबार ने मैच को लेकर संपादकीय में लिखा कि मैच में भारतीय टीम ने खेल भावना नहीं दिखाई। इसके अलावा अखबार ने ट्रॉफी देने की जिद पर अड़े रहने के लिए मोहसिन नकवी की तारीफ भी की। अखबार ने भारतीय टीक के कप्तान सूर्यकुमार यादव को लेकर कहा कि वह मुखौटा कप्तान हैं और बीसीसीआई और भारत सरकार के कहने पर उन्होंने ट्रॉफी ना लेने जैसा फैसला किया है। वहीं एक अन्य पाक न्यूज चैनल ने लिखा कि बीसीसीआई के आदेश पर यह सब हुआ है। पाकिस्तानी चैनल की वेबसाइट ने लिखा कि हमारे खिलाड़ियों ने खेल भावना का परिचय दिया और मैच के बाद आयोजित कार्यक्रम में उन लोगों ने पुरस्कार राशि ली। बता दें मैच के बाद करीब 45 मिनट तक भारतीय टीम का इंतजार होता रहा है, लेकिन टीम ट्रॉफी लेने नहीं पहुंची। भारत का विरोध इस बात को लेकर था कि एशियाई क्रिकेट परिषद और पीसीबी के चीफ मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे। वजह यह थी कि नकवी पाकिस्तान के होम मिनिस्टर भी हैं और अकसर आपत्तिजनक बयान भारत के खिलाफ देते रहे हैं।

चीन के पूर्व मंत्री को मौत की सजा

बीजिंग। चीन के पूर्व कृषि तांग रेजजियान को भ्रष्टाचार मामले में मौत की सजा सुनाई गई। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, तांग को 2007 से 2024 तक अलग-अलग पदों पर रहते हुए 317.3 करोड़ रुपए से अधिक की नकदी और संपत्ति रिश्वत के रूप में ली। हालांकि,उन्हें दो साल की मोहलत दी गई है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि तांग को उनके राजनीतिक अधिकारों से वंचित कर दिया गया है। अदालत ने कहा कि तांग की सारी संपत्ति जब्त कर ली जाएगी और रिश्वत से जमा किए धन को वसूल कर राष्ट्रीय खजाने में जमा कर दिया जायेगा। कोर्ट ने कहा कि इस रिश्वत से देश और जनता के हितों को भारी नुकसान हुआ, इसलिए तांग को मौत की सजा दी गई। तांग ने अपने अपराध कबूल किए और पछतावा जताया। यह सजा राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम का हिस्सा है, जिसमें कई बड़े नेता सजा पा चुके हैं। समर्थकों का कहना है कि यह मुहिम स्वच्छ शासन को बढ़ावा देती है, जबकि आलोचक इसे शी के राजनीतिक विरोधियों को हटाने का हथियार मानते हैं। तांग इससे पहले गांसु प्रांत के गवर्नर और गुआंगशी स्वायत्त क्षेत्र के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। उनके बाद पूर्व रक्षा मंत्रियों ली शांगफू और वेई फेंघे भी भ्रष्टाचार के जांच के दायरे में आ गए हैं।

राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी

कांग्रेस ने शाह को लेटर लिखा

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 28 सितंबर को गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी, जिसमें पूर्व एबीवीपी नेता की टीवी पर बहस के दौरान राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी देने का जिक्र है। लेटर में कहा गया कि भाजपा प्रवक्ता के खिलाफ तुरंत कार्रवाई न होना राहुल गांधी के खिलाफ हिंसा में मिलीभगत माना जाएगा।

वेणुगोपाल ने अमित शाह को लिखा कि यह धमकी किसी छोटे पदाधिकारी की लापरवाही भरा रिएक्शन नहीं है। यह जानबूझकर फैलाए गए नफरत के जहरीले वातावरण का असर है। जो विपक्ष के नेता को असुरक्षित बनाता है। अब यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप बताएं आपकी पार्टी और सरकार किस विचारधारा के पक्ष में हैं।

शीतकाल के लिए 22 अक्टूबर को गंगोत्री, 23 अक्तूबर को यमुनोत्री धाम के कपाट बंद होंगे

देहरादून (ईएमएस)। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट बंद होने की तारीख की घोषणा कर दी गई है। शीतकाल के लिए 22 अक्टूबर को गंगोत्री धाम के कपाट बंद होंगे। वहीं यमुनोत्री धाम के कपाट 23 अक्तूबर को बंद होंगे। शीतकालीन में मुखबा गांव में मां गंगा के दर्शन होंगे।

केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री जैसे पवित्र तीर्थस्थलों पर हर दिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस बार यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया को और सरल किया गया था।

मां-बाप के बदले नाम! फर्जी पासपोर्ट से लेकर नकली पहचान तक...स्वामी चैतन्यानंद के खुलने लगे काले कारनामें

नई दिल्ली। छात्राओं से यौन शोषण के गंभीर आरोप झेल रहा स्वयंभू बाबा स्वामी चैतन्यनंद सरस्वती गिरफ्तारी से बचने के लिए क्या-क्या जुगाड़ कर रहा था, यह जानकर पुलिस भी दंग रह गई। जांच में खुलासा हुआ कि उसने न सिर्फ अपनी पहचान बदल डाली बल्कि मां-बाप के नाम तक अलग-अलग दस्तावेज़ों में दर्ज करा रखे थे। यही नहीं, उसके पास दो-दो पासपोर्ट मिले जिनमें नाम, जन्मस्थान और अभिभावकों की जानकारी अलग-अलग दर्ज थी।

गौरतलब है कि 6 अगस्त को दिल्ली के श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट की 17 छात्राओं, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) से जुड़ी लड़कियों ने यौन शोषण की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद चैतन्यानंद को अंदेशा हो गया कि गिरफ्तारी तय है। वह तुरंत दिल्ली छोड़कर फरार हो गया और पुलिस को लगातार चकमा देने लगा। वह कभी वृंदावन, कभी मथुरा और कभी आगरा के सस्ते होटलों में ठहरकर उसने पहचान छिपाने की कोशिश की। दिल्ली पुलिस ने लुकआउट सर्कुलर जारी किया और कई टीमें बनाई, लेकिन बाबा बार-बार ठिकाना बदलता रहा।

दो पासपोर्ट, अलग-अलग पहचान

जानकारी अनुसार पुलिस को उसके पास से दो पासपोर्ट मिले हैं। एक पासपोर्ट में नाम था स्वामी पार्थ सारथी, जन्मस्थान तमिलनाडु और माता-पिता के नाम अलग पाए गए। दूसरे पासपोर्ट पर नाम था स्वामी चैतन्यनंद सरस्वती, जन्मस्थान दार्जिलिंग और इसमें अभिभावकों के नाम भी अलग-अलग मिले। यही नहीं, उसके पैन कार्ड पर भी माता-पिता के नाम बदल-बदलकर लिखे गए थे। पुलिस का मानना है कि उसने पहचान को इतना उलझा दिया था कि असली और नकली में फर्क करना मुश्किल हो जाए।

आखिरकार पुलिस को मिल ही गई कामयाबी

पुलिस को 27 सितंबर को सूचना मिली कि वह आगरा के ताजगंज इलाके के एक होटल में पार्थ सारथी नाम से ठहरा हुआ है। शाम 4 बजे उसने होटल में कमरा नंबर 101 लिया और रातभर वहीं रहा। रविवार तड़के करीब 3ः30 बजे पुलिस टीम ने होटल पर छापा मारा और उसे दबोच लिया। इसके बाद होटल कर्मचारियों ने मीडिया से अनुभव साझा करते हुए बताया कि वह साधारण ग्राहक की तरह पेश आ रहा था, लेकिन कमरे से बाहर न निकलने की वजह से शक गहरा गया। गिरफ्तार करते समय पुलिस ने उसके पास से मोबाइल फोन, आईपैड और कई संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए।

2028 तक पूरी तरह लागू होगा 8वां वेतन आयोग

-2026 से 2 साल का एरियर मिलेगा, बेसिक सैलरी 18,000 से 44,000 हो सकती है

नई दिल्ली। 8वें वेतन आयोग को पूरी तरह लागू होने में 2028 तक का इंतजार करना पड़ सकता है। जनवरी में यूनियन कैबिनेट ने इसे मंजूरी दी थी, लेकिन अभी तक न तो ऑफिशियल नोटिफिकेशन आया, न टर्म्स ऑफ रेफरेंस फाइनल हुए, न ही कमीशन के मेंबर्स की लिस्ट जारी हुई है। नए वेतन आयोग के लागू होने का फायदा 50 लाख से ज्यादा केंद्र सरकार के कर्मचारियों और लगभग 65 लाख पेंशनर्स को मिलेगा। लेवल-1 के केंद्रीय कर्मचारियों की बेसिक सैलरी 18 हजार से बढक़र 44 हजार हो सकती है। आयोग 2.46 फिटमेंट फैक्टर लागू कर सकता है।

बेसिक सैलरी में में कितनी बढ़ोतरी होगी ये फिटमेंट फैक्टर और डीए मर्जर पर निर्भर करता है। 7वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 था। 8वें में ये 2.46 हो सकता है। हर वेतन आयोग में डीए जीरो से शुरू होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि नई बेसिक सैलरी पहले से ही महंगाई को ध्यान में रखकर बढ़ाई जाती है। इसके बाद डीए फिर से धीरे-धीरे बढ़ता है। अभी डीए बेसिक पे का 55 प्रतिशत है। डीए के हटने से टोटल सैलरी में बढ़ोतरी थोड़ी कम दिख सकती है, क्योंकि 55 प्रतिशत डीए का हिस्सा हट जाएगा।

एनसीईआरटी और यूजीसी मिलकर तैयार कर रहे कोर्स मॉड्यूल

स्कूल, कॉलेजों के करिकुलम में जुड़ेगा आयुर्वेद

नई दिल्ली। भारत के प्राचीन आयुर्वेद ज्ञान को अब स्कूल और कॉलेजों के हेल्थ एजुकेशन कोर्सेज में शामिल किया जाएगा। इसके लिए एनसीईआरटी और यूजीसी मिलकर स्कूल एजुकेशन और हायर एजुकेशन के लिए कोर्स मॉड्यूल तैयार कर रहे हैं। ये जानकारी केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने दी है। उन्होंने कहा कि इससे नई पीढ़ी को स्वास्थ्य के प्राचीन भारतीय ज्ञान से जोड़ा जाएगा। कुछ राज्यों जैसे गोवा, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश ने पहले ही भारतीय ज्ञान प्रणाली को स्कूल शिक्षा में शामिल कर लिया है।

जाधव ने बताया कि मंत्रालय एविडेंस-बेस्ड रीसर्च यानी सबूत-आधारित शोध पर ध्यान दे रहा है। केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और अन्य संस्थानों के जरिए उच्च गुणवत्ता वाले क्लिनिकल ट्रायल किए जा रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के साथ मिलकर मानक तय किए जा रहे हैं, ताकि आयुर्वेदिक उपचार की वैज्ञानिक मान्यता को और मजबूत किया जा सके।

नया मॉड्यूल कब बनकर तैयार होगा और सिलेबस में कब शामिल होगा, इसे लेकर अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, ये संभव है कि अगले एकेडमिक सेशन से स्कूली किताबों में आयुर्वेद का ज्ञान जोड़ दिया जाए।

एनसीईआरटी अब हर साल बदलता है सिलेबस

पिछले साल शिक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी थी कि अब एनसीईआरटी की किताबों का सिलेबस हर साल बदला जाएगा। शिक्षा मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी का कहना था, आज तेजी से बदलते वक्त में ये जरूरी है कि किताबें अपडेटेड रहें। इस वजह से एनसीईआरटी को हर साल किताबों का रिव्यू करने और जरूरत के हिसाब से उनमें बदलाव करने को कहा गया है।

नवरात्रि पर्व पर लालबर्रा वासियों को माननीय विधायक
श्रीमती अनुभा मुंजारे ने दी बड़ी सौगात

भूमिपूजन समारोह

मेन रोड़ से विर्सजन घाट की ओर सीमेंट सड़क निर्माण के भूमिपूजन कार्यक्रम में पधार रहे अतिथियों का
स्वागत...वंदन...
अभिनंदन...

श्रीमती अनुभा मुंजारे
विधायक
बालाघाट विधानसभा

स्थान - विर्सजन घाट पांढरवानी-लालबर्रा
दिनांक - 30.09.2025 समय - प्रातः 10 बजे

अनीस खान, सरपंच
ग्राम पंचायत पांढरवानी

निवेदक - अनीस खान सरपंच, उपसरपंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत पांढरवानी (लालबर्रा)।

आज मनाई जाएगी शारदीय नवरात्र की अष्टमी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले सहित ग्रामीण अंचलों में इन दिनों शारदीय नवरात्र की धूम चल रही है तो वहीं शहर की बात करें, तो शहर में भी नवरात्र को लेकर अलग-अलग समितियों द्वारा अपने स्तर पर अलग ही तैयारी की गई है, तो वहीं अब शारदीय नवरात्र कुछ दिन में खत्म भी हो जाएंगे , जिसको लेकर 30 सितम्बर को नवरात्रि की अष्टमी मनाई जाएगी , जिसके लिए अभी से ही मंदिरों में तैयारी कर ली गई है, शहर के काली पाठ मंदिर में भी अष्टमी के एक दिन पहले ही भक्तों की भीड़ नजर आई, जहां हर कोई शाम के समय माता की पूजा अर्चना करने के लिए शहर के काली पाठ मंदिर में पहुंचे , तो वही बताया जा रहा है कि कल नवरात्र की महाष्टमी मनाई जाएगी, जिसमें सुबह से ही मंदिर सहित घरों में हवन पूजन और अष्टमी की महाआरती के साथ महाप्रसाद वितरण किया जाएगा।

आपको बता दे की इन दिनों शारदीय नवरात्र का पर्व पुरे धूम धाम से मनाया जा रहा है और नवरात्रि के हर दिन मां के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा पूरे विधि-विधान के साथ हो रही है। हिंदू धर्म में नवरात्रि के त्योहार का विशेष महत्व होता है। इस बार शारदीय नवरात्र पूरे 9 दिनों तक है। नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा की उपासना और कन्या पूजन का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि पर अष्टमी और नवमी तिथि पर कन्या पूजन का विधान होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि पर कन्या पूजन करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करती हैं। वैसे तो नवरात्रि की हर एक तिथि का विशेष महत्व होता है, लेकिन अष्टमी तिथि सबसे खास मानी जाती है। नवरात्रि के आठवें दिन महाष्टमी मनाई जाती है। यह दिन मां दुर्गा की आठवीं शक्ति मां महागौरी को समर्पित है। इस दिन घरों में बोये गए जवारे और दुर्गा पंडालों में विराजित की गई मां दुर्गा की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। सुबह से ही हवन पूजन का दौर अष्टमी के दिन शुरू हो जाता है और श्रद्धालु शाम के समय महाप्रसाद का वितरण करते हैं। अष्टमी की सुबह श्रद्धालु जल लेजा कर माता को अर्पित करते हैं और पूरे भक्ति भाव से माता की पूजा अर्चना की जाती है , हवन पूजन के साथ महाअष्टमी का पर्व जिले भर में धूमधाम के साथ मनाया जाता है , उसके बाद नवमी को घरों में बोये गए ज्वारों का विसर्जन होता है , इस बार अष्टमी को कुछ लोग दो दिनों तक भी मना रहे हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में सप्तमी और अष्टमी एक दिन की मनाई जा रही है, तो पंचांग अनुसार 30 सितंबर को ही अष्टमी पर्व जिले में मनाया जा रहा है, किंतु ग्रामीण क्षेत्रों में 29 सितंबर को भी अष्टमी की पूजा पाठ श्रद्धालुओं ने अपने स्तर पर की है ।

यह है अष्टमी का महत्व

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार नवरात्रि के आखिरी दो दिन खास माने जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि अष्टमी के दिन ही देवी दुर्गा ने चंड-मुंड का संहार किया था। तो वहीं नवमी को माता ने महिषासुर का वध कर समस्त संसार की रक्षा की थी। इसलिए ये दो दिन खास माने जाते हैं। कहा जाता है कि नवरात्रि में यदि आप नौ दिन तक पूजा और व्रत नहीं कर पाएं हो तो अष्टमी और नवमी के दिन व्रत रखकर माता रानी की पूजा कर सकते हैं। इन दो दिनों में पूजा करने से पूरे 9 दिन की पूजा का फल मिल जाता है।

चार आरोपियों को छः माह का कारावास

कटंगी (पद्मेश न्यूज)। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती नेहा ठाकुर ने तिरोड़ी थाना अंतर्गत ग्राम चंद्रकुआ में छः वर्ष पूर्व घटित मारपीट के एक प्रकरण में आरोपी चार युवकों को छः माह का कारावास एवं दो हजार रू. के अर्थदण्ड की सजा सुनाई। न्यायालयीन प्रकरण ईत्र्मांक 327/2019 में तिरोड़ी थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 275/2019 में धारा 427 भादवि के तहत आरोपी मुन्नालाल पिता नत्थु सोनवाने, धनेश पिता रामदेव सोनवाने, सोनू उर्फ प्रवीण पिता मुन्नालाल सोनवाने, जित्तू उर्फ चितरंजन सोनवाने पिता भोलाराम सोनवाने सभी निवासी चन्द्रकुआ को कोर्ट ने मारपीट के प्रकरण में दोषी पाते हुए यह सजा सुनाई। घटना संक्षेप अनुसार 7 दिसम्बर 2019 को तिरोड़ी थाना अंतर्गत ग्राम चंद्रकुआ में मकान का निर्माण करा रहे ग्रामीण के साथ आरोपियों ने गाली-गलौच करते हुए बुरी तरह मारपीट की थी एवं निर्माणाधीन कार्य को तहस-नहस कर पीड़ित को पचास हजार से अधिक की क्षति पहुँचाई थी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के अपराध प्रकरण क्रमांक 275/2019 धारा 294, 323, 427, 506, 34 भा.द.वि. के तहत प्रकरण दर्ज किया था। न्यायालय ने इनमें से धारा 427 में आरोपियों को दोषी पाया।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0030/ड-154/2025-26
मौजा कंजई, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक भोजलाल धुर्वे पिता दुरूपसिंह धुर्वे जाति गोंड , निवासी ग्राम कंजई, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा कंजई, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता फुल्लोबाई पति दुरूपसिंह का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 18.11.2002 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम कंजई के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 09.10.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 30.09.2025

आकाश अग्रवाल
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कमला नेहरू महाविद्यालय में स्वस्थ जीवन शैली पर संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. मिलिंद चौधरी के मार्गदर्शन में 29 सितंबर को कमल नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में स्वस्थ जीवन शैली पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम आयुष विंग जिला चिकित्सालय व आयुष्मान आरोग्य मंदिर होम्योपैथी द्वारा स्वस्थ जीवन शैली पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में डॉ दीपाली चौके द्वारा आयुष विभाग की गतिविधियों, आयुर्वेदानुसार दिनचर्या, ऋतुचर्या, आहार विहार, स्वस्थ जीवन शैली पर एवं डॉ सिन्धु ठवरे द्वारा पोषण संबंधी जानकारी, होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति पर व्याख्यान दिया गया। इस कार्यक्रम में कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ निधि ठाकुर, प्रोफेसर डॉ सुनील मसूरकर, प्रोफे श्री विजय तुरकर डॉ तनुश्री अगासे, श्रीमती वंदना राजपूत, श्रीमती शशि राउत सहित लगभग 110 छात्राए उपस्थित रहीं।

ग्राम पंचायत हट्टा के सरपंच पर गंभीर आरोप, पंचों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले की जनपद पंचायत बैहर अंतर्गत ग्राम पंचायत हट्टा के सरपंच राजू धुर्वे पर वित्तीय अनियमितताओं और मनमानी का आरोप लगाते हुए पंचों ने सोमवार को दोपहर में जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सरपंच को पद से हटाने और सभी कार्यों व भुगतानों की जांच कराने की मांग की । ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि सरपंच द्वारा पंचों को विश्वास में लिए बिना शासन की राशि का आहरण किया गया। कई निर्माण कार्य अधूरे हैं, तो कई मामलों में बिना काम कराए ही भुगतान कर दिया गया है। इस कारण ग्राम पंचायत में विकास कार्य ठप पड़े हैं और ग्रामवासी परेशान हैं। पंचों ने बताया कि आंगनबाड़ी भवन पण्डरी की राशि आहरित कर ली गई, लेकिन भवन अधूरा है और बिजली फिटिंग तक नहीं हुई। लघु तालाब निर्माण कार्य ऐसे व्यक्तियों के नाम पर दर्शाया गया जिनके पास भूमि ही उपलब्ध नहीं है। फर्जी वेण्डरों के नाम पर भुगतान किया गया, जबकि वास्तविक कार्य नहीं हुआ। पंचायत भवन की मरम्मत हेतु राशि निकाली गई, लेकिन मरम्मत कार्य नहीं कराया गया। पंचों की सहमति के बिना फर्जी कार्यों का टीएस एवं एएस कराया गया। पण्डरी, डुडवा और बेलापाट में सरपंच बनने के बाद से कोई भी विकास कार्य नहीं कराया गया। जॉबकार्ड मजदूरों की मजदूरी खातों में जमा नहीं हो रही। हट्टा में सीसी रोड और नाली निर्माण कार्य बिना पंजीकृत ठेकेदार को दिया गया, जिसमें गुणवत्ता गंभीर रूप से खराब है। ज्ञापन सौंपते समय ग्राम पंचायत के उपसरपंच सुदेश पवार ने भी सरपंच की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई और कहा कि सरपंच की मनमानी के चलते पंचायत में पारदर्शिता खत्म हो गई है। वहीं ग्रामीण महिला कुंवरिया बाई ने भी खुलकर विरोध दर्ज कराया और सरपंच को तत्काल पद से हटाने की मांग की। पंचों का कहना है कि सरपंच की कार्यशैली से 90 प्रतिशत पंच आहत हैं। विकास कार्यों के अभाव में ग्रामीण बेहद दुखी हैं। ग्रामवासी चाहते हैं कि शासन की राशि का सही उपयोग हो और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। कलेक्टर से निवेदन किया गया है कि पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने पर सरपंच को तत्काल पद से हटाकर आवश्यक कार्रवाई की जाए। जब हमारे द्वारा इस प्रकार से ग्रामीणों द्वारा सरपंच पर लगाए गए आरोप को लेकर सरपंच राजू सिंह धुर्वे से दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया।

नाम परिवर्तन सूचना

प्रमाणित किया जाता है कि मैं निखिल सोनी पिता संजय सोनी वार्ड न. 4 बीजाटोला परसवाडा जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हु।

मेरे ड्राईविंग लाइसेंस मे त्रृटिवश निखिल सोनी पिता संजय लिखा गया है जो कि मेरे अन्य दस्तावेजो से भिन्न है।

अतः मुझे मेरे ड्राईविंग लाईसेंस मे मेरा नाम निखिल सोनी पिता संजय सोनी किया जावें। एवं मुझे मेरे नाम निखिल सोनी पिता संजय सोनी के नाम से ही जाना व पहचाना जावें।

निखिल सोनी पिता संजय सोनी
वार्ड न. 4 बीजाटोला परसवाडा
जिला बालाघाट म.प्र

PUBLIC NOTICE

I, Premlata Manohar Ghormare, W/o Manohar Ghormare, R/o Village Bapdi, Post-Karanja, Tahsil Lanji, District Balaghat, State Madhya Pradesh, do hereby declare that I have changed my name from Premlata Manohar Ghormare to Ruplata Ghormare. Henceforth, I shall be known and recognized as Ruplata Ghormare for all purposes in the future.

Old Name: Premlata Manohar Ghormare
New Name: Ruplata Ghormare
Address: Village Bapdi, Post-Karanja, Tahsil Lanji, District Balaghat, Madhya Pradesh

जीत की भावना को लेकर आगे बड़े खिलाड़ी- केसर बिसेन

कटंगी (पद्मेश न्यूज)। शारदीय नवरात्र पर्व के उपलक्ष्य में ग्राम बोरीखेड़ा के पीपरटोला में गत 26 सितम्बर को जय बजरंग क्लब के तत्वाधान् में आयोजित एकदिवसीय कबड्डी प्रतियोगता में चिखलाबांध ने कुरई बिछुआ को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उप विजेता कुरई बिछुआ द्वितीय एवं बिछुआ तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता का शुभारंभ ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती पूर्णिमा चैधरी एवं उप सरपंच भागचंद वरकड़े के मुख्य आतिथ्य में किया गया। समापन अवसर पर जिला पंचायत सभापति केसर बिसेन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुई। श्रीमती बिसेन ने फाईनल मैच की प्रतिद्वंदी टीमों के बीच पहुँचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनकी हौसला आफजाई की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती बिसेन ने कहा कि कबड्डी देश के लोकप्रिय खेलों में से एक है। इस प्रकार के खेलों से संघर्ष करने की क्षमता बढ़ती है। खिलाड़ियों को किसी भी खेल में एकता का परिचय देना चाहिए एवं खेल भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में शिक्षा की तरह खेलों का भी बड़ा महत्व है। शारीरिक स्वास्थ्य में खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। खिलाड़ियों को मन के अन्दर जीत की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। श्रीमती बिसेन ने कहा कि गांव से निकलकर खिलाड़ी जब प्रदेश एवं देश के लिए खेलते हैं तो क्षेत्र का मान बढ़ता है। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त चिखलाबांध को 5001, द्वितीय स्थान प्राप्त कुरई बिछुआ को 3001 एवं तृतीय स्थान प्राप्त बोरीखेड़ा को 2001 रू. की नगद राशि भेंट कर सम्मानित किया गया। श्रीमती बिसेन ने उक्त आयोजन के लिए जय बजरंग क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्यों को बधाई दी एवं प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर समाज सेवी जित्तू उईके एवं हरिचंद भलावी सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत कथा के अमृतपान में सराबोर हो रहा ग्राम जरेरा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय के समीप ग्राम जरेरा में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के आयोजन में जगत-जननी की प्रतिमा विराजित कर मां दुर्गा महापर्व हर्षोल्लास, भक्तिभाव से मनाया जा रहा है। शुभ घड़ी में व्यासपीठ से दुर्ग, छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कथा वाचक, पं. प्रदीप कुमार शर्मा महाराज के मुख-कमल से दोनो पहर श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा एवं महायज्ञ का वाचन हो रहा हैं। साथ ही कथासार का पुरोहित पं. द्वारका प्रसाद का अलौकिक संचालन मंत्रमुग्ध कर रहा है। पुण्य अवसर पर ग्राम जरेरा, आगरवाडा, जोधीटोला, बीजाटोला, जवाईटोला, आवासटोला, उमरदौनी, जागपुर, पाथरवाडा, मंझारा, टवेझरी समेत अनेकों स्थानों के श्रद्धालु भक्त गण श्रीमद् देवी भागवत महापुराण का श्रावण, माता रानी का दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। इस पावन पल में भक्तगण भगवान भागवत और मां भगवती के पावन स्मरण में भावविभोर होकर नाचते- गाते, झूमते भक्ति की लीला में सराबोर दिखाई पढ़ते हैं। आगे पावन नवरात्रि तक यजमान ग्रामवासियों ने माता-रानी के भक्तों से भागवत कथा श्रावण और देवी दर्शन की गरिमामय उपस्थिति का अनुनय किया हैं। व्यासपीठ से पं. प्रदीप कुमार शर्मा महाराज ने श्री हरि भगवद स्मरण में कहा, भागवत महापुराण का महत्व इसे पुराणों का रत्न माना गया है। यह भक्ति योग का सर्वोच्च साधन माना जाता है, जो आत्मा को संसार के बंधनों से मुक्त करके मोक्ष की ओर ले जाता है। इसके श्रवण मात्र से कलियुग के समस्त दोष नष्ट हो जाते हैं। भागवत पुराण के पठन और श्रवण से मन की शुद्धि होती है। यह भक्ति और ज्ञान का भंडार है और परम सत्य के स्वरूप को समझने का एक व्यापक मार्गदर्शक है। भागवत कथा का वातावरण बहुत ही सकारात्मक और पवित्र होता है, जिससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। भागवत का ज्ञान आंतरिक शांति और पूर्णता का मार्ग प्रशस्त करता है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बिरनपुर सोसायटी के संस्था प्रबंधक मानिकलाल नगपुरे मधुमक्खी के हमले में घायल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सेवा सहकारी समिति बिरनपुर के संस्था प्रबंधक, 61 वर्षीय मानिकलाल नगपुरे के साथ 26 सितंबर की सुबह एक दर्दनाक घटना घटी। सुबह करीब 7-30 बजे, वह अपने खेत का जायजा लेने निकले थे कि इसी दौरान, अचानक मधुमक्खियों के एक बड़े झुंड ने उन पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों ने उनके पूरे शरीर पर डंक मार दिए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। दर्द और घबराहट के बीच मानिकलाल किसी तरह अपने घर की ओर भागे। घर से 100 मीटर पहले ही मोहल्ले के लोगों ने उनकी गंभीर हालत देखी और तुरंत उनकी मदद के लिए आगे आए। उन्होंने मानिकलाल को कंबल ओढ़ाकर मधुमक्खियों से बचाने की कोशिश की और उनके पुत्र को इस घटना की सूचना दी एवं तत्काल उन्हें घर पहुंचाया और वहां से गोंदिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने तुरंत उनकी स्थिति को देखते हुए उपचार शुरू किया। मानिकलाल की हालत अब स्थिर बताई जा रही है और उनके स्वास्थ्य में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। चिकित्सकों के अनुसार, मधुमक्खियों के डंक से होने वाली एलर्जी और दर्द को नियंत्रित करने के लिए गहन चिकित्सा दी जा रही है।

मां किरनाई के दरबार मे गरबा कर की जा रही आदिशक्ति की उपासना

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। शारदेय नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर मां किरनाई के दरबार में प्रतिदिन सांध्य बेला में आरती पूजन के पश्चात विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया जा रहा है। बीते दो दिनों से बालिकाओं एवं महिलाओं द्वारा शानदार गरबा नृत्य की प्रस्तुतियो के माध्यम से आदिशक्ति मातारानी की आराधना, उपासना की जा रही हैं।वहीं इस गरबा नृत्य को देखने क्षेत्र के दूर दराज ग्रामीण अंचल से लोग मां किरनाई के दरबार में उमड़ रहे हैं। रंग बिरंगे परिधानों से सुसज्जित महिलाओं द्वारा माता रानी की आराधना की जा रही है। तो विभिन्न देवी भक्ति गीतों में झूमते हुए नाच गाकर आदि शक्ति मां भगवती की आराधना में तल्लीन माताएं ,बहनो द्वारा शानदार एवं आकर्षक गरबा नृत्य की प्रस्तुति दी जा रही है। अपने अपने परिजनों के साथ इस आयोजन में शामिल होकर महिलाएं मां जगत जननी की आराधना की भक्ति मे लीन रहती हैं। वही इस आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के नागरिक उपस्थित होकर पुण्य लाभ कमा रहे हैं। तथा प्रतिदिन सांध्य समय मे मां किरनाई के दरबार मे भंडारे का आयोजन किया जा रहा है जिसमें शामिल होकर श्रद्धालु भक्तों द्वारा पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इन समस्त कार्यक्रमों को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने में मां किरनाई मंदिर नवरात्र उत्सव समिति अध्यक्ष प्रेमकिशोर जांगड़े,उपाध्यक्ष गोपी अग्रवाल, मोनू तारन,सचिव सुरेश रत्नेरे,सह सचिव महेन्द्र तारन, राजेश रत्नेरे,कोषाध्यक्ष संजय चौधरी,संरक्षक कोमल प्रसाद जांगड़े, उगेन्द्र मेश्राम, नन्हें बहेकार, संजय शारडा,निकेश जोशी, आमंत्रित सदस्य,सतीष तारन, राजेन्द्र श्रीवास्तव, संजय तारम, दीपक दाते, पराग मोदी.कमलेश कनोजे, अरविंद अग्रवाल. आशिष सोनी और सभी सदस्यगण किरनाई समिति मंदिर समिति किरनापुर के समस्त ग्रामीणजनो का सराहनीय सहयोग मिल रहा है।

जिले का सनसनीखेज ग्राम टेमनी शराब दुकान अग्निकांड

पांच आरोपी को आजीवन कारावास- प्रत्येक आरोपी को 42 हजार रुपये अर्थदंड, आरोपियों द्वारा शराब दुकान में आग लगाने से दो सेल्समैन की जलने से हो गई थी मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के सनसनीखेज लांजी थाने के ग्राम टेमनी शराब दुकान अग्निकांड में पांच आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। 9 वर्ष पहले हुई इस वारदात में आरोपियों द्वारा शराब दुकान को आग के हवाले करने से इस शराब दुकान के साथ ही शराब दुकान के दो सेल्समैन की दुकान के अंदर ही जलने से मौत हो गई थी। बालाघाट के विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की विद्वान अदालत ने पांच आरोपी जिनमे आरोपी संजय पिता मोतीराम राठौर35 वर्ष, उसके भाई विजय पिता मोतीराम राठौर 33 वर्ष ,पिता मोतीराम पिता जयराम राठौर58 वर्ष के अलावा शंकर लाल पिता किशन लाल राठौर 35 वर्षऔर सुरेश पिता कन्हैयालाल बुरले 35 वर्ष को आजीवन कारावास के अलावा प्रत्येक को 42-42हजार रुपये अर्थदंड से भी दंडित किये है। अभियोजन की ओर से इस मामले की पैरवी जिला अभियोजन अधिकारी कपिल कुमार डहेरिया द्वारा की गई थी।

क्या है ग्राम टेमनी शराब दुकान अग्निकांड

अभियोजन के अनुसार ग्राम टेमनी में जगत राम मिसारे ने अपने घर से लगे एक हाल और एक कमरा शराब ठेकेदार अविनाश चालाना को किराए से दे रखा था। जहां शराब बिक्री की जाती थी और इस शराब दुकान में शराब बिक्री हेतु सेल्समेन रामविलास यादव और हेल्पर अमरेंद्र सिंह बैठते थे। यह घटना 5 जून 2016 की रात्रि लगभग 11:30 बजे की है। ग्राम टेमनी में अंग्रेजी शराब दुकान में सेल्समैन रामविलास यादव और हेल्पर अमरेंद्र सिंह काम कर रहे थे। उसे दिन ग्राम टेमनी में किशन लाल राठौर की लड़की की शादी थी। ग्राम देवरी तुमसर जिला भंडारा से बारात आई थी। रात्रि में संजय राठौर शराब लेने के लिए शराब दुकान गया था। शराब की कीमत को लेकर संजय राठौर का सेल्समेन रामविलास यादव के साथ विवाद हो गया था। संजय राठौड़ ने सेल्समैन रामविलास यादव को अश्लील गलियां देकर दुकान के गेट पर लात मारने लगा था ।तब सेल्समैन रामविलास यादव ने संजय राठौर के सिर में बोतल मार दी थी। जिससे उसका सर फट गया था। संजय राठौर को उसके साथ आए सुरेश बुरले ने घर ले गया। उसे समय संजय राठौर के चाचा की लड़की की शादी हो रही थी। जिस कारण से बहुत सारे लोग बराती और घराती के रूप में वहां उपस्थित थे। इस घटना से आक्रोशित होकर रात्रि 1:30 बजे करीब संजय राठौर एक सैकड़ा से अधिक लोगों को लेकर शराब दुकान पहुंचे। शराब दुकान के अंदर दो सेल्समैन सोये हुए थे । शराब दुकान में तोड़फोड़ कर आग लगा दिए, ।शराब दुकान के बगल में जगतराम मिसारे का घर भी था। भीड़ ने जगत राम मिसारे के घर में तोड़फोड़ की और जगत राम मिसारे और उसकी बहू कुंती मिसारे को लाठी डंडे से मारपीट कर दिए। शराब दुकान में आग लगाने से शराब दुकान

के अंदर सो रहे सेल्समेन रामविलास यादव और सेल्समेन अमरेंद्र सिंह की दुकान के साथ ही जलने से मौत हो गई। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस थाना लांजी थाना के तत्कालीन निरीक्षक राजेश पटेल तुरंत घटनास्थल पहुंचे वहां पर उन्होंने घटनास्थल शराब दुकान जली हुई देखें और दो व्यक्ति की लाश भी जली हुई अवस्था में मिली। जगत राम मिसारे द्वारा लांजी पुलिस थाना में रिपोर्ट की गई थी 6 जून 2016 को इस वारदात में जलने से मृत रामविलास यादव पिता अभय राज यादव 22 वर्ष निवासी बिलरी जिला बिलरी उत्तर प्रदेश और हेल्पर अमरेंद्र सिंह पिता कामता सिंह 25 वर्ष निवासी बसडिहा जिला औरंगाबाद बिहार निवासी की लाश का पोस्टमार्टम किया गया। लांजी थाने में जांच उपरांत 30 नामजक आरोपी तथा अन्य 100 व्यक्ति बारात घराती पक्ष के विरुद्ध अपराध दर्ज किया था। विवेचना अधिकारी के द्वारा संपूर्ण साक्ष्य संग्रहित कर विवेचना जारी रखते हुए अभियोग पत्र धारा 173(8) दंड प्रक्रिया संहिता विद्वान हालत में पेश किया गया था। तथा इस मामले सभी नामजद आरोपियों को गिरफ्तार करने के पश्चात शेष पूरक चालान 29 जून 2018 को प्रस्तुत किया गया था।

विद्वान अदालत ने पांच आरोपी को सुनाई सजा

यह मामला पिछले 9 साल से विद्वान सत्र न्यायाधीश की अदालत में चल रहा था। हाल ही में यह मामला विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत में चला। विद्वान अदालत ने 9 साल से चल रहे इस मामले में पांच आरोपी संजय राठौर ,शंकर लाल राठौर ,विजय राठौर, सुरेश बुरले और मोतीराम राठौर को इस मामले में दोषी पाये। विद्वान अदालत ने इन पांच आरोपियों को धारा 147 भादवि के तहत अपराध में 1 वर्ष का सश्रम कारावास और 1000 रुपये अर्थदंड, धारा148 भादवि के तहत अपराध में1 वर्ष का सश्रम कारावास और 1000 रुपये अर्थदंड, धारा 452/149 भादवि के तहत अपराध में 3 वर्ष का सश्रम कारावास और प्रत्येक काउंट के लिए 1000 रुपये अर्थदंड, 427/149 भादवि के तहत अपराध में 1वर्ष का सश्रम कारावास और प्रत्येक काउंट के लिए 1000 रुपये अर्थदंड, धारा 436/149 भादवि के तहत अपराध में आजीवन कारावास और 12 हजार रुपए अर्थदंड, धारा 302/149 भादवि के के तहत अपराध में आजीवन कारावास और प्रत्येक काउंट के लिए 12हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किये है।

ये आरोपी हुए दोषमुक्त

विद्वान अदालत में इस मामले से 23 आरोपियों को दोष मुक्त किए हैं जिनमे सुनील राठौर ,प्रकाश बुरले, नरेश उर्फ पप्पू सिंहमारे, किशन लाल राठौर, मोतीराम राठौर,विनोद राठौर, विजय भारत, अशोक सोरले, रवि उर्फ रविंद्र बोरले , भूपेंद्र बुरले, कुलदीप दुनाडकर, शैलेश करकड़े , राजेश एरके, रविंद्र राठौर, महेश बुरले, रवि शंकर उर्फ दयाशंकर, गुलशन बेदरे, कोमल राठौर, उमाशंकर जामड़ेवार, अर्जुन बह्ले, नितेश बुरले, मुकेश कुमार बुरले और रमेश बेदरे शामिल है। इस प्रकरण के चलते दो आरोपी की मृत्यु हो चुकी है।

विद्वान अदालत ने मृतक के परिवार को चार-चार लाख रुपए प्रतिकर दिलाए जाने की अनुशंसा

विद्वान अदालत ने अर्थदंड की राशि जमा होने पर 50-50 हजार रुपये राशि क्षतिपूर्ति स्वरूप मृतकों के विधिक वारिसों को देने आदेश देने के साथ ही मृतक रामविलास यादव तथा अमरेंद्र सिंह की मृत्यु जिस प्रकृति की घटना से हुई है। उस पर संवेदनशीलता से विचार करते हुए। विधिक सेवा प्राधिकरण को मध्य प्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना 2015 के तहत मृतकों के विधिक वारसान को 4-4 लाख रुपए प्रति कर दिलाए जाने की भी अनुशंसा की है।

10वे राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर मुख्यमंत्री ने आयुष चिकित्सकों को दी सौगात

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। दसवें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के राजपत्रित आयुष चिकित्सा अधिकारियों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। इन घोषणाओं में चतुर्थ स्तरीय वेतनमान (डीएसीपी) 6600 ग्रेड पे पाने वाले आयुष चिकित्सकों को वरिष्ठ पदनाम और प्रथम श्रेणी अधिकारी घोषित करना, पीजी डिग्री धारक चिकित्सकों को तीन अतिरिक्त वेतन वृद्धि देना, प्रदेश में 12 नए आयुष अस्पतालों की स्थापना तथा आयुष महाविद्यालयों में शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक संवर्ग में नए पदों का सृजन शामिल है। राजपत्रित आयुष चिकित्सा अधिकारी संघ मध्यप्रदेश की बालाघाट इकाई ने मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर प्रसन्नता व्यक्त की। जिला अध्यक्ष डॉ. पंकज मेश्राम ने बताया कि संघ की लंबित मांगों को मान्यता मिलने से आयुष चिकित्सकों में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर जिला सचिव डॉ. दीपाली चौके, जिला संयोजक डॉ. जितेंद्र पंद्रे, जिला कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. सवेदिता कुमरे, उपाध्यक्ष डॉ देवेश चौहान डॉ ललित ठाकरे डॉ रोशनी पारधी सहित संघ के सभी सदस्यों ने मुख्यमंत्री, आयुष मंत्री, प्रमुख सचिव आयुष विभाग, अपर सचिव, आयुक्त महोदया तथा संचालनालय के समस्त अधिकारियों एवं प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम ने प्रदेश में आयुष चिकित्सा क्षेत्र के सशक्तीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में नई उम्मीद जगाई है।

वर्ष 2025 का अंतिम स्थानीय अवकाश 30 सितंबर को

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । कलेक्टर मृणाल मीना ने वर्ष 2025 में जिले में 3 स्थानीय अवकाश घोषित किये थे। जिसमे 14 जनवरी मकर संक्रांति, 27 अगस्त गणेश चतुर्थी और 30 सितम्बर दुर्गाष्टमी के दिन जिले में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई थी। इसी के परिप्रेक्ष्य में 30 सितंबर मंगलवार को दुर्गाष्टमी के अवसर पर जिले में सार्वजनिक अवकाश घोषित रहेगा। यह अवकाश कोषालय, उप कोषालय एवं बैंकों के लिए लागू नही होगा।

हीरापुर में शहीद भगत सिंह का मनाया गया 28वां जन्मोत्सव, कैंडल मार्च और मंचीय कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 28 वर्षो से लगातार शहीदे भगतसिंह जन्मोत्सव भगत सिंह चौक हीरापुर मे मनाया जा रहा है इस वर्ष भी हीरापुर स्थित भगत सिंह चौक मे शहीदे भगत सिंह का जन्मोत्सव बड़े ही धूम धाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, सबसे पहले शहीद भगत सिंह की मूर्ति पर ग्राम की सरपंच शांति गुड्डा दीवान द्वारा माल्यार्पण कर तिलक लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। उसके पश्चात शहीद भगत सिंह चौक से ग्रामीणों के द्वारा एक कैंडल मार्च निकाला गया , जो की बिरसा मुंडा चौक पहुंचा। जहां पर बिरसा मुंडा जी को याद करके श्रद्धांजलि दी गई । तत्पश्चात भगत सिंह चौक पर मंचीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया , जिस पर अतिथियों द्वारा भगत सिंह के जीवन के बारे में और उनके विचारों को उनके किए गए कार्य को याद किया गया । इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ग्राम हीरापुर सरपंच श्रीमती शांति दिवान, पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रशांत मोहारे, वेदप्रकाश दिवान, सामाजिक कार्यकर्ता इमरान खान, पन्नालाल कुतराहे, नत्थूलाल आमाड़ारे, मोंटू शिववंशी, शेरसिंह पंन्द्रे, रामराज पारिमल, अनीश धनेश्वर, ने शहीद भगत सिंह के बारे में अपने विचार रखें। शहीदे भगत सिंह के जीवन के बारे में बताते हुए ग्राम की सरपंच शांति गुड्डा दीवान ने बताया कि शहीद भगत सिंह के बारे में उनकी गाथा उनकी वीरता का बयान करना हमारे लिए इस मुख से कहना संभव नहीं है बहुत ही कम उम्र में उन्होंने देश के लिए जो महान कार्य किए और जिस वीरता के साथ अपना बलिदान दिया देश के लिए वो हमेशा

याद रखा जाएगा। शहीद भगत सिंह के बारे में बताते हुए सामाजिक कार्यकर्ता इमरान खान ने भगत सिंह के बारे में बताया कि भगत सिंह का जन्म 28 सितम्बर 1907 को पंजाब प्रांत के लायलपुर जि़ले में हुआ था। उनका परिवार देशभक्ति और आज़ादी की भावना से भरा हुआ था। बचपन से ही भगत सिंह में देशप्रेम की भावना गहरी थी। जलियांवाला बाग हत्याकांड (1919) और किसानों पर अंग्रेजों के अत्याचार ने उनके मन में क्रांति की आग जला दी। भगत सिंह ने हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन में शामिल होकर क्रांतिकारी गतिविधियों की शुरुआत की।1928 में उन्होंने लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए अंग्रेज अधिकारी सांडर्स की हत्या कर दी। 1929 में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली की सेंट्रल असेम्बली में बम फेंका। उनका मकसद किसी को मारना नहीं था, बल्कि इंकलाब ज़िंदाबाद का नारा बुलंद कर देश को जागरूक करना था। बम कांड के बाद भगत सिंह और उनके साथियों को गिरफ्तार किया गया। जेल में उन्होंने भूख हड़ताल की और कैदियों के अधिकारों के लिए आवाज़ उठाई। उन्हें लाहौर षड्यंत्र केस में फांसी की सज़ा सुनाई गई। शहादत 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को लाहौर जेल में फांसी दी गई। उस समय भगत सिंह मात्र 23 वर्ष के थे ,उनका प्रसिद्ध नारा था इंकलाब ज़िंदाबाद। वे युवाओं के लिए साहस, बलिदान और देशभक्ति के प्रतीक बन गए , उन्होंने आगे कहा कि उस वक्त की महिलाए सोचती थी कि हमारे घर में भी एक भगत सिंह पैदा हो, उन्होंने कहा कि हम ऐसे देशभक्त और देश के लिए अपनी शहादत देने वालों को भूल जाए ऐसा मुमकिन नहीं । इस कार्यक्रम का मंच संचालन एवं आभार शहीद भगत सिंह सेवा समिति के अध्यक्ष जैकी सरभंग के द्वारा किया गया, शहीदे आजम भगत सिंह के जन्मउत्सव के मौके पर शहिद भगत सिंह सेवा समिति के यहां कार्यकर्ता और काफी संख्या में ग्रामीण जन रहे उपस्थित जैकी सरभाग, बीसन कुसराम, धर्मेन्द्र चोपकार, मनोज सोनबिरसे,संजय बघेल,सादिक खान,जानलूईस सरभाग, प्रमोद सिल्लारे, लक्की कुसराम, सतीश गजभिये,मोनू पटेल, सोहेल खान, सोनू मड़ावी,अभयराज मानेश्वर, नयन कुसराम, रंजीत बाहेश्वर, अंकुश सिल्लारे, लल्ला, बिट्टू दीवान, छोटू दीवान, शुभम बघेल, इंद्रजीत सोनबिरसे, आदि, राजेश अजीत, मनोहर भारद्ववाज, शेख सानू,गोपाल उपाध्याय, धनेन्द्र, निरंजन, भावेश, राज बिसेन, इरफान खान, सोनू आदि मुख्य रूप से रहे उपस्थित ।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा की

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना ने 29 सितम्बर को टीएल बैठक में विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम गोपाल सोनी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सभी एसडीएम को धान खरीदी केंद्रों की सघन मॉनिटरिंग के निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान खरीदी के सम्बंध में खाद्य विभाग से जानकारी प्राप्त की। जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले में 01 दिसंबर से धान खरीदी प्रारम्भ की जाएगी, जिसकी सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है। साथ ही बताया गया कि वारासिवनी, कटंगी एवं किरनापुर विकासखण्ड में सबसे ज्यादा धान खरीदी की जाती है। कलेक्टर श्री मीना ने सभी एसडीएम को व्यापारियों के गोदाम एवं उपलब्ध स्टॉक का सघन निरीक्षण करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि अक्सर यह पाया जाता है कि गिरदावरी में अनावश्यक धान रजिस्टर्ड कर लिया जाता है, जिसके लिए एसडीएम सक्रियता के साथ मॉनिटरिंग करेंगे। कलेक्टर श्री मीना ने बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता को इस पर ध्यान केंद्रित रखने के लिए कहा है कि गिरदावरी में किसी तरह की गड़बड़ी न होने पाए। कलेक्टर श्री मीना ने उपसंचालक कृषि फूलसिंह को निर्देश दिए कि वे सभी मंडियों में नियमित रूप से मॉनिटरिंग करवाना सुनिश्चित करे। इसमे यह निश्चित रूप से देखा जाए कि खरीदी केंद्रों पर प्रॉपर सुविधाएं उपलब्ध है या नही, इसके साथ ही नीलामी एवं गोदाम में उपलब्धता की निश्चित रूप से मॉनिटरिंग करना सुनिश्चित करें।

जिले की 500 से 600 बालिकाओं की 5 अक्टूबर को बैंगलोर रवानगी

कलेक्टर श्री मीना ने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, जीएमडीआइसी एवं आईटीआई विभाग को निर्देशित किया है कि टाटा इलेक्ट्रॉनिक कंपनी बैंगलोर में जिले से भेजे जा रहे बच्चों की रवानगी की सम्पूर्ण सुविधाओं का अवलोकन कर ले। इस दौरान बताया गया कि बालाघाट जिले से 1000 लड़कियों की बैंगलोर टाटा इलेक्ट्रॉनिक कंपनी में मोबाईल बनाने के प्रशिक्षण के लिए काउंसलिंग की गई थी। जिसमे फिलहाल 500 से 600 लड़कियां जॉब करने के लिए 05 अक्टूबर को बैंगलोर रवाना की जा रही है। इन बालिकाओं की सम्पूर्ण सुविधाओं पर अमल करने के निर्देश दिए गए है।

आदि कर्मयोगी अभियान की सघन मॉनिटरिंग के दिये निर्देश

कलेक्टर श्री मीना ने आदि कर्मयोगी अभियान की समीक्षा के दौरान सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती डामोर से जिले के 200 चयनित ग्रामो में की जा रही गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। श्रीमती डामोर ने बताया कि संभाग स्तर पर लगभग 348 ग्रामो में जिले में 200 ग्रामो पर काम किया जा रहा है। इसके अलावा दूरस्थ क्षेत्रो से आने वाले बच्चों के लिए छात्रावास के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। कलेक्टर श्री मीना ने निर्देश दिए है कि आदिकर्मयोगी अभियान में तत्परता के साथ कार्य करें, 200 ग्रामों में आयोजित गतिविधियों की लक्ष्य अनुरूप पूर्ति करना आवश्यक है।

अटल पेंशन, पीएम जीवन ज्योति व सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ शिविर के माध्यम से पहुचाए

बैठक में कलेक्टर श्री मीना द्वारा अटल पेंशन योजना, पीएम जीवन ज्योति योजना एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की अपडेट जानकारी ली गई। अग्रणी बैंक प्रबंधक संजीव कुमार ने बताया कि अटल पेंशन, पीएम जीवन ज्योति एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत पंजीयन का कार्य अब भी जारी है। कलेक्टर श्री मीना ने इस पर कहा कि योजना की प्रगति के लिए डिपार्टमेंटली भी शिविर आयोजित किये जायें। उन्होंने अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री कुमार को निर्देशित किया कि वे महिला बाल विकास, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग के साथ भी समन्वय कर शिविर आयोजित करने सुनिश्चित करें।

सेवा पखवाड़े अंतर्गत गतिविधियों की जानकारी पोर्टल पर अपडेट करना अनिवार्य है

सेवा पखवाड़े की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया की वे पखवाड़े के अंतर्गत क्रियांवित गतिविधियों की अपडेट जानकारी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपडेट करे। उन्होंने जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती डामोर को गतिविधियों के क्रियान्वयन में तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही श्रम विभाग के अधिकारी को संबल योजना की अनुग्रह सहायता राशि की पेंडेंसी का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए है।

सीएम हेल्पलाइन की प्रगति खराब होने पर 03 दिन का वेतन काटने के निर्देश

कलेक्टर श्री मीना ने सभी अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये है। उन्होंने निर्देशित किया है कि 50 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें, शिकायत लंबित न रखें। एसडीओ पीएचई लांजी को सीएम हेल्पलाइन में खराब प्रगति के चलते 03 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए है।

भालू के हमले से किसान जगलाल घायल

प्राथमिक उपचार कर घायल किसान को किया गया जिला चिकित्सालय रिफर

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत बहियाटिकुर निवासी 55 वर्षीय किसान जगलाल धुर्वे सोमवार की सुबह खेत घुमने एवं मवेशियों के लिए घास लाने के लिए गया था। तभी वन्यप्राणी भालू (रिछ) ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बहियाटिकुर निवासी 55 वर्षीय जगलाल धुर्वे सोमवार की सुबह 7 बजे खेत गया था जिनका खेत जंगल के समीप स्थित है और खेत पहुंचने के बाद घास काटने के लिए खेत की मेढ़ की ओर रहा था तभी अचानक दो भालू आये और जगलाल पर हमला कर दिये। जिससे वह घबरा गया और बचाव-बचाव कहकर चिल्लाने लगा परन्तु उस समय उसके अलावा आसपास कोई नही थे। जिसके बाद उन्होने तेज आवाज लगाते हुए भालू को धक्का देकर उक्त स्थान से भाग गया और रोड़ की ओर आ गया नही तो भालू उसे गंभीर रूप से घायल कर सकते थे। जिसके बाद जगलाल धुर्वे भालू से अपनी जान बचाकर सीधे घर पहुंचा और परिजनों को घटना की जानकारी दिया। जिसे तत्काल परिजनों ने लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाकर भर्ती किये एवं वन विभाग के अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। अस्पताल में चिकित्सक के घायल घायल किसान का प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। वहीं घटना की जानकारी लगने पर दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के उपवन क्षेत्रपाल पुरूषोत्तम सोनवंशी, वनकर्मियों के साथ अस्पताल पहुंचकर घायल से मुलाकात कर घटना की जानकारी लेकर उपचार हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया एवं उपचार के लिए पुरा सहयोग किये जाने परिजनों को आश्वास्त किया है। वहीं घायल के परिजन एवं ग्रामीणजनों ने वन विभाग से जंगल क्षेत्र की ओर गस्त बढ़ाकर वन्यप्राणी भालू सहित अन्य वन्यप्राणियों को सुरक्षित पकड़कर घने जंगल में छोड़ने एवं घायल को मुआवजा दिये जाने की मांग की है।

वन्यप्राणियों को पकड़कर घने जंगल में छोड़ने की उठी मांग

दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बहियाटिकुर के समीप से जंगल लगा हुआ है। वहीं जंगल से लगकर ग्रामीणजनों की खेती है जहां वर्तमान समय में खरीफ सीजन की धान की फसल किसानों के द्वारा लगाई गई है और हल्की प्रजाति की धान की फसल पकने में आने लगी है। किसान रोजाना अपने खेत की ओर फसल की देख-रेख एवं मवेशियों के लिए चारा लगाने के लिए जाते है किन्तु खेत जंगल से लगा होने के कारण भालू सहित अन्य अन्य वन्यप्राणी गांव के नजदीक व खेतों तक पहुंच जाते है और ग्रामीणों पर हमला कर देते है। वहीं सोमवार को घटित घटना के बाद से ग्रामीणजन दहशत में है। बहियाटिकुर के ग्रामीणजनों ने वन विभाग से गस्त बढ़ाकर भालू सहित अन्य वन्यप्राणियों को पकड़कर घने जंगल में सुरक्षित छोड़ने की मांग की है। रोजगार सहायक गणेश बिसेन ने बताया कि जगलाल धुर्वे सुबह खेत घास के लिए गया था तभी वन्यप्राणी भालू ने हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गया है, जिसका लालबर्रा अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है।

घास के लिए खेत गया था - जगलाल

किसान जगलाल धुर्वे ने बताया कि सोमवार को सुबह 7 बजे के बाद खेत घास के लिए गया था एवं खेत की मेढ़ की ओर जा रहा था तभी अचानक दो भालू आये और हमला कर दिये तो मैंने जोर-जोर से बचाव कहकर आवाज लगाया परन्तु आसपास कोई नही थे। जिसके बाद बड़ी मुश्किल से भालू से अपनी जान बचाकर घर आया और परिजनों को घटना की जानकारी दिया। श्री धुर्वे ने बताया कि भालू के हमले से पैर, हाथ में गंभीर घाव बन गये है, वन विभाग से मांग है कि खेत की ओर गस्त कर भालू सहित अन्य वन्यप्राणियों को पकड़कर घने जंगल में छोड़े ताकि ग्रामीणजन अपने खेतों की ओर बिना डर के जा सके।

जंगल की ओर अकेले न जाये ग्रामीणजन - पुरूषोत्तम

दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के उपवन क्षेत्रपाल पुरूषोत्तम सोनवंशी ने बताया कि बहियाटिकुर के किसान पर भालू ने हमला कर दिया है जिसे उपचार के लिए लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाने की जानकारी मिलने पर तत्काल अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली गई एवं उ'चाधिकारियों को अवगत कर दिया गया है। श्री सोनवंशी ने बताया कि भालू के हमले से जगलाल घायल हो गया है, जिसका लालबर्रा में प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है और वन विभाग के द्वारा घायल के उपचार में पूरा सहयोग किया जायेगा एवं ग्रामीणजनों से भी अपील है कि अकेले जंगल की ओर न जाये।

लालबर्रा अधिवक्ता संघ के पुनः अध्यक्ष बने बाबूलाल सर्राठे

बैठक में नवीन कार्यकारिणी का किया गया गठन, पदाधिकारियों की हुई नियुक्ति

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय में 29 सितंबर को अधिवक्ता संघ लालबर्रा की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक अधिवक्ता संघ लालबर्रा के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में अधिवक्ता संघ का नवीन गठन करने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई और नवीन कार्यकारिणी का गठन कर सर्वसम्मति से बाबूलाल सर्राठे को पुन: अधिवक्ता संघ लालबर्रा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया हैं। इसी तरह आनंद बिसेन, संदेश इंदुरकर को उपाध्यक्ष, जगदीश बोपचे को सचिव, केपी रजवाड़े को सहसचिव, मुकेश नगपुरे को कोषाध्यक्ष, केवल उके को ग्रंथपाल बनाया गया है। वहीं अधिवक्ता अजय कौशल, अधि. पवन गौतम, अधि. अमित अग्रवाल, अधि. विधान सर्राठे, अधि. नितेश श्रीवास, अतुल भारद्वाज को कार्यकारिणी सदस्य मनोनित किया गया है। जिसके बाद सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को उपस्थित अधिवक्ताओं ने शुभकामनाएं देते हुए अधिवक्ता संघ के हित में काम करने की बात कही। वहीं नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर संघ एवं अधिवक्ताओं के हित में काम किया जायेगा। अधिवक्ता संघ लालबर्रा नवनियुक्त अध्यक्ष बाबूलाल सर्राठे ने बताया कि अधिवक्ता साथियों के माध्यम से पत्र मिला था कि नवीन कार्यकारिणी का गठन किया जाना है और गत दिवस बैठक आयोजित कर 29 सितंबर तक विभिन्न पदों के लिए आवेदन कर 9 अक्टूबर को चुनाव होना था परन्तु बैठक में सभी अधिवक्ता साथियों ने 29 सितंबर को ही बैठक आयोजित कर नवीन कार्यकारिणी का गठन कर पुन: मुझे सर्वसम्मति से अध्यक्ष का दायित्व सौंपा है एवं अन्य पदाधिकारियों की भी नियुक्ति की गई है। श्री सर्राठे ने बताया कि आगामी 9 अक्टूबर को शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया है और नवीन पदाधिकारी संघ के हित में काम करेगें। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

आम आदमी पार्टी ने मनाई शहीद भगत सिंह की जयंती

पार्टी के जिलाध्यक्ष सहित कार्यकर्ताओं ने शहीद भगतसिंह को श्रध्दांजली अर्पित कर किया याद

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के हृदयस्थल बस स्टैण्ड स्थित सभामंच में आम आदमी पार्टी लालबर्रा के द्वारा सोमवार को शहीद भगतसिंह की जयंती मनाई गई। यह कार्यक्रम आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष शिव जायसवाल सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने शहीद भगतसिंह के छायाचित्र एवं संविधन निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया तत्पश्चात श्रध्दांजली अर्पित कर शहीद भगत सिंह को याद करते हुए उनके बताये मार्ग पर चलने का सभी ने संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आप के पदाधिकारियों ने शहीद भगत सिंह को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का स'चा नायक बताते हुए कहा कि भगत सिंह ने मात्र 23 वर्ष की आयु में अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी और अपने साथी राजगुरू व सुखदेव के साथ फांसी का फंदा चूम लिया। उनकी शहादत ने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी थी। शहीद भगतसिंह का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत है इसलिए हम सभी को संगठित होकर उनके बताये मार्ग पर चलकर देशहित में काम करना है। आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष शिव जायसवाल ने बताया कि शहीद ए आजम भगत सिंह की जयंती पर पूरे देश में आम आदमी पार्टी के द्वारा पखवाड़ा मनाया जा रहा है और इस पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत जिले स्तर पर रविवार को शहीद भगतसिंह अस्पताल में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती मनाई गई। इसी कड़ी में सोमवार को लालबर्रा बस स्टैण्ड में आम आदमी पार्टी विधानसभा सहप्रभारी फिरोज नियाजी के नेतृत्व में शहीद भगत सिंह की छायाचित्र एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शहीद भगत सिंह की जयंती मनाकर उन्हे याद किया गया है। श्री जायसवाल ने बताया कि शहीद भगत सिंह हमारे आदर्श है जिन्होने देश की आजादी में अपना बलिदान दिया है। साथ ही यह भी बताया कि कुछ लोग आपस में बांटकर लोगों का शोषण कर रहे है इसलिए सभी को संगठित होकर ऐसे नीतियों का विरोध कर देशहित में काम करना चाहिए। इस अवसर पर रजनीश नायडू जिला सचिव आम आदमी पार्टी, अनिल ब्रम्हे जिला कार्यालय प्रभारी, मस्तराम डहारे विधानसभा प्रभारी, फिरोज नियाजी विधानसभा सहप्रभारी, दीपक राहंगडाले किसान विंग, विनोद पारधी किसानविंग, मजहर अली मीडिया प्रभारी, आरिफ अली, सखाराम सराटे, विजय बिसेन, श्याम हल्लूमारे, आशीष बोरकर, खेलचंद बाहेश्वर, प्रदीप देवसरे, राजेश कटरे सहित अन्य कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

सीएलएफ मातृधाम संकुल स्तरीय संगठन का वार्षिक आमसभा का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ ग्राम मानपुर स्थित लॉन में रविवार को रा'य ग्रामीण आजीविका मिशन लालबर्रा के मॉडल सीएलएफ मातृधाम संकुल स्तरीय संगठन का वार्षिक आमसभा संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन के मुख्य अतिथि, ब्राडगेज संघर्ष समिति अध्यक्ष अनुपसिंह बैस, जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, विरेन्द्र अहिरवार के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र%वलित कर माल्यार्पण किया। इस वार्षिक आमसभा के अवसर पर प्रबंधक ममता चौहान के द्वारा मातृधाम सीएलएफ में जुड़े 24 ग्राम संगठन की समस्त कार्यकारिणी एवं ग्राम संगठनों से जुड़े समूहों के सीएलएफ के वार्षिक आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत कर आवश्यक जानकारियां दी गई। वहीं ग्राम जाम, ददिया, नगपुरा से जुड़ी दीदियों ने मिशन से जुड़कर किस प्रकार अपनी स्वयं की आजीविका को बदली उसकी सफलता की कहानी सुनाई एवं बहुत से दीदियों के द्वारा गायन की प्रस्तुतियां भी दी। वहीं स्व%छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया एवं स्व'छता की शपथ भी दिलवाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे ने केन्द्र सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार ने समूह बनाकर ग्रामीण महिलाओं को उनका अधिकार दिलवाने का काम किया है। साथ ही यह भी कहा कि जब समूह (संभवत: स्वयं सहायता समूह) बनने शुरू हुए थे, तब कई ग्रामीण महिलाएं इनसे जुड़ना नहीं चाहती थीं क्योंकि उन्हें लाभ मिलने पर संदेह था। गांव के लोग 1000 रूपये को भी बहुत बड़ी बात मानते थे, लेकिन आज हमारी बहनें करोड़ों में बात कर रही हैं। श्री ठाकरे ने कहा कि सरकार ने अपने नियम में पारित करके नीतियों को आम जनता तक पहुंचाया है, जिसके लिए वह सरकार को धन्यवाद देते हैं और महिलाओं से अपील है कि आजीविका मिशन से जुड़कर स्वलंबी बनकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करें। सीएलएफ मातृधाम संकुल स्तरीय संगठन लालबर्रा प्रबंधक ममता चौहान ने आजीविका मिशन की बहनों को बचत और नियमित बैठकों के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि महिला सदस्यों के बीच आपस में बात करने और एक-दुसरे का साथ देने की भावना होनी चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि हमारे मिशन का उद्देश्य है कि दीदियों को समूह से जोड़ना और अपनी कमाई में से बचत करके रूपये जमा कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है। कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर आजीविका मिशन जिला परियोजना प्रबंधक श्वेता मेहतो, शशांक तिवारी, विकासखंड प्रबंधक सुनील परस्ते, वीरेन्द्र अहिरवार, मॉडल सीएलएफ प्रबंधक ममता चौहान, सीएलएफ पदाधिकारी सुकवंता पचेश्वर, समन्वयक अध्यक्ष श्रीमती मंजू बिसेन, श्रीमती कांति माने सहसचिव, श्रीमती सरिता गौतम कोषाध्यक्ष, रखी सूर्या उपाध्यक्ष सहित 24 ग्राम संगठन अतरी, अमोली, औल्याकन्हार, बबरिया, कटंगा ,घोटी ,जाम, टेंगनीकला, रमपुरी ,खुरपुड़ी ,पाथरशाही, पांढरवानी, बम्हानी, डोरली, ददिया, देवरी, खामघाट, खारी, बेलगाव, बकोडा, मानपुर, पनबिहरी, नगपुरा, मिरेगांव की समूह के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

माँ दुर्गा के नौ रूपों की भक्तिभाव के साथ की जा रही आराधना

भव्य पंडालों में प्रतिमा विराजित कर धूमधाम से मनाया जा रहा शक्ति की भक्ति का महापर्व नवरात्र

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। शक्ति की भक्ति का महापर्व शारदेय नवरात्र पर्व लालबर्रा मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में गत 22 सितंबर को माँ जगदम्बे की प्रतिमा विराजित कर नवरात्र पर्व भक्तिभाव एवं धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस शारदेय नवरात्र पर्व के अवसर पर सार्वजनिक पंडालों एवं देवी मंदिरों में माता-रानी की आराधना भक्तिभाव के साथ की जा रही है। जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय एवं मातारानी के जयकारों के नारों से गुंज उठा है और चहुंओर मातारानी के गीत की ध्वनि सुनाई दे रही है जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। वहीं माता-रानी के दरबार को आकर्षण लाइटिंग से सजाया गया है जो एक आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है और मार्ग से गुजरने वाले लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। इसी तरह नगर मुख्यालय के सबसे पुरानी श्रीगणेश नवदुर्गा उत्सव गंज समिति लालबर्रा, मानपुर बैरियर चौक, अमोली बजरंग मंदिर चौक, ग्राम पंचायत पनबिहरी में भी दो स्थानों पर माँ दुर्गा जी प्रतिमा विराजित कर धार्मिक आस्थाओं के साथ नवरात्र पर्व मनाया जा रहा है और श्रध्दालुजन भी माता-रानी के दरबार में पहुंचकर पूजन-अर्चन कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। इस शारदेय नवरात्र पर्व के अवसर पर विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। साथ ही श्रध्दालुओं की भीड़ भी देखी जा रही है। वहीं 30 सितंबर को अष्टमी पर्व मनाया जायेगा और जगत-जननी माँ दुर्गा को अठवाईयां चढ़ाई जायेगी एवं मंदिरों में हवन-पूजन व भंडारा का भी आयोजन किया गया है।

श्री श्याम भजन का हुआ आयोजन

नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग स्थित राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स गंज परिसर में श्रीगणेश नवदुर्गा उत्सव गंज समिति के द्वारा शारदेय नवरात्र पर्व के अवसर पर रविवार की रात में श्री श्याम भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भजन गायक मनीष परिहार एवं अंकित शर्मा के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दिये। वहीं उपस्थित श्रध्दालुजनों ने भजन सुनकर धर्मलाभ अर्जित किये। इसी तरह अमोली स्थित सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति में गत दिवस माँ दुर्गा जी की प्रतिमा विराजित कर शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है और रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। गत दिवस देवी जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें देवी जागरण के गायकों के द्वारा माँ दुर्गा सहित भक्तिगीतों का गायन किया गया। जिससे पूरा परिसर देवीगीतों से गुंजमान्य उठा। इसी तरह अन्य दुर्गा उत्सव समितियों में भी रोजाना धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है एवं श्रध्दालुजन पहुंचकर माँ दुर्गा जी का दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है।

लालबर्रा विसर्जन घाट पहुंच मार्ग निर्माण के लिए भूमिपूजन आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा के विसर्जन घाट में 30 सितंबर को प्रात: 10 बजे से भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि ग्रामीणजन, धर्मप्रेमी एवं धार्मिक संस्थाओं की मांग पर मेन रोड़ से विसर्जन घाट तक सीसी सड़क निर्माण के लिए 30 सितंबर को प्रात: 10 बजे भूमिपूजन किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य, सरपंच अनीस खान की अध्यक्षता एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, जनपद सदस्य दीपक कावरे, पूर्व सरपंच बसंत हट्टेवार, समाजसेवी किशोर गुप्ता, चैनलाल श्रीवास, पवन नामदेव, बाबूलाल सर्राठे, समिति अध्यक्ष जगदीश शास्त्री, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, सुमित स्वामी के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर समस्त पंचगण एवं नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सरपंच अनीस खान, सचिव रणविजय सिंह, सहायक सचिव कृष्णा पंचेश्वर ने की है।

काली माता मंदिर में मनाया जा रहा शारदेय नवरात्र पर्व

430 मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित कर आराधना जारी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत वारा अंतर्गत मां काली माता मंदिर में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी हर्षोल्लास एवं धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप शारदेय नवरात्र पर्व मनाया जा रहा है। जिसमें २२ सितंबर को शारदेय नवरात्र पर्व की प्रथम तिथि पर विधि विधान से वेद मंत्र के उच्चारण के साथ पूजा अर्चना करने के पश्चात ४३० मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित कर आरती की गई। जिसके बाद से प्रतिदिन सुबह शाम ८.३० बजे दुर्गा पाठ एवं आरती कर मां भगवती के नौ रूपों की आराधना की जा रही है। जिसका समापन १ अक्टूबर को विधि विधान से मां भगवती की पूजा अर्चना हवन पूजन कर जवारे विसर्जन किया जाएगा।

दूर दूर से भक्त पहुंच रहे मंदिर

वारासिवनी नगर व आसपास में मां काली माता मंदिर एक प्रसिद्ध मंदिर है जहां बालाघाट जिला सहित अन्य जिलों के भी लोग मां भगवती के दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। वहीं सुबह शाम मंदिर में माता के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लग रही है जो मां भगवती की पूजा अर्चना कर मनोकामना मांग रहे हैं। ऐसे कई लोग हैं जिनकी मांगी गई मनोकामना पूर्ण भी हुई है।

जिले के बाहर के लोग भी रखते हैं ज्योति कलश

मां काली माता मंदिर में वारासिवनी नगर सहित बालाघाट जिला व अन्य जिले जैसे छिंदवाड़ा, गोंदिया, बिलासपुर, रायपुर, भंडारा व अन्य जिलों के भी लोगों की काली माता मंदिर में खासी आस्था है। जो शारदेय एवं चैत्र नवरात्र पर्व पर मंदिर में ज्योति कलश की स्थापना करते हैं माता के दर्शन के लिए आते हैं। यह वही लोग हैं जिन्हें मंदिर से लाभ हुआ है या वारासिवनी के निवासी है जो अब बाहर रहने लगे हैं इनके द्वारा प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी ज्योति कलश की स्थापना की गई है। जिसमें कुल ४३० ज्योति कलश स्थापित किए गए हैं जिसमें ४५ घी एवं ३८५ तेल के है।

अष्टमी पर हवन नवमी पर विसर्जन

मां काली माता मंदिर में शारदेय एवं चैत्र नवरात्र पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष भी शारदेय नवरात्र पर्व धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। जिसमें मंदिर में ४३० मनोकामना ज्योति कलश २२ सितंबर को प्रज्वलित किए गए है। मां भगवती के नौ रूपों की आराधना की जा रही है जिसमें रोजाना पाठ और आरती की जाती है। ३० सितंबर को विधि विधान से हवन पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। वहीं १ अक्टूबर को नौ कन्या पूजन भोज विशाल भंडारा कर जवारे विसर्जन के साथ पर्व का समापन किया जाएगा।

ब्रह्माकुमारी साधना भवन में सजी चैतन्य देवियों की झांकी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर ७ स्थित प्रजापिता ब्रह्म कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय साधना भवन में नवरात्र पर्व के अवसर पर चैतन्य देवियों की झांकी का आयोजन किया गया है। इस दौरान मां भगवती की साधना को लेकर चैतन्य देवियों की झांकियों के माध्यम से एक संदेश देने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान नगर से क्षेत्र की जनता साधना भवन में उपस्थित होकर भक्ति वातावरण में माता दुर्गा के चैतन्य झांकियों के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण कर रहे हैं। काफी मनमोहक झांकी का निर्माण किया गया है जिसमें मां दुर्गा विराजित है,मां सरस्वती विराजित है और माता काली ,भगवान शिव के पास खड़ी है जो हमें संदेश दे रही है। इस अवसर पर लोगों को बताने का प्रयास किया जा रहा है की कोई बाहरी शक्ति नहीं बल्कि हर आत्मा के भीतर छिपी हुई पवित्रता शक्ति और करुणा की प्रतीक है। हम जब अपने विचारों वाणी और कर्मों को पवित्र बनाते हैं तो तभी हम सच्चे अर्थों में देवी के रूप को जीवन में उतारते हैं। रावण भी बाहर नहीं है वह हमारे भीतर है काम क्रोध मोह लोभ अहंकार ही असली रावण है सच्ची विजयदशमी तब है जब हम इन विकारों पर जीत हासिल करें। आज परमपिता परमात्मा हमें बुला रहे हैं अब समय आ गया है कि हम अपनी भूली हुई दिव्य शक्ति को जागृत करें। क्रोध को शांति में लोभ को संतोष में ईर्ष्या को प्रेम में बदलने का प्रयास करें। यह झांकी के दर्शन से केवल मनोरंजन ना ले बल्कि यह संकल्प करें कि हम अपनी आत्मा की पवित्रता को पहचानेंगे। परमात्मा से योग लगाकर अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाएंगे। समाज को सच्चाई प्रेम और शांति का संदेश देंगे। इस दौरान साधना भवन में क्षेत्र के लोगों से आधिकारिक संख्या में उपस्थित होकर चैतन्य झांकी का आशीर्वाद और संदेश ग्रहण करने की अपील प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने की है।

नवेगांव तीन में देवी जागरण का हुआ आयोजन

डोंगरमाली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत नवेगांव तीन ,कन्हड़गांव, ,नरोडी सहित अन्य ग्रामों में नवरात्र पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों मे प्रियंका राहुल गांधी विचार मंच जिला अध्यक्ष जावेद अली शामिल हुए। इस दौरान नवेगांव तीन ,कन्हड़गांव ,नरोडी में दुर्गा उत्सव समितियों के द्वारा देवी जागरण सहित भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें प्रियंका राहुल गांधी विचार मंच जिला अध्यक्ष जावेद अली ने उपस्थित होकर लोगों का अभिवादन करते हुए माता के दरबार में माथा टेककर नगर सहित क्षेत्र की सुख शांति खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जावेद अली ने कहा कि

यह नवरात्र पर्व नौ शक्तियों का उत्सव है। प्रत्येक दिन अलग अलग शक्तियों की मान्यता है उसी अनुसार पूरे क्षेत्र में दुर्गा उत्सव हर पंडाल में मनाया जा रहा है। देखने में आ रहा है कि लगातार हर समिति भव्य कार्यक्रम करने का कार्य कर रही है क्षेत्र में ऐसे कार्यक्रम होना चाहिए। यही एक माध्यम है जिससे सामाजिक सद्भाव बढ़ता है ,आपस में लोग मिलते हैं एकता के सूत्र में बांधते हैं। हमारी कामना है की माता रानी सभी पर अपना आशीर्वाद बनाए रखें और इसी तरह क्षेत्र प्रगति करता रहे। इस अवसर पर गोविंल चौरे ,पप्पू गोन्नाडे ,अरशद कुरैशी सहित अन्य कांग्रेसी एवं ग्रामीण जन बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

पिंडकेपार, भानपुर, मेंढकी व कोस्ते के सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुये प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के ग्राम पिंडकेपार, भानपुर, मेंढ़की व कोस्ते में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने पिंडकेपार में कवि सम्मेलन में संबोधित करते हुये कहा की प्रभू श्रीराम को भी शक्तिशाली रावण को मारने के लिये मातारानी की नौ शक्ति की आराधना करने पडी थी। हम अपनी भक्ति से जीवन के विपरीत समय में भी जगतजननी की आराधना से विजयश्री प्राप्त कर सकते है। वहीं ग्राम भानपुर में श्री हनुमान मंदिर के पास मातारानी के दरबार में शामिल होकर कहा की हमने यंहा से चौतरफा रास्तों पर सड़को का जाल बिछा दिया है। जल्द घोटी पुल के लिए डोंगरमाली से घोटी तक डबल लेन सड़क नजर आएगी। जनमानस की मांग पर हम प्राचीन श्रीहनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य पर भी विशेष रूप से ध्यान दे रहे है। मातारानी के दरबार में नागपुर की संगीत टीम ने माता काली,राधेकृष्ण की झांकिनुमा नृत्यों की प्रस्तुती। इस दौरान

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल,पवन डहारे,अजय परिहार, श्यामकिशोर ड़हारे, रेखलाल लिल्हारे, रमेश नगपुरे, श्यामू डहारे, शिव प्रसाद कंसमारे,संतोष लिल्हारे, तिलक हरिनखेड़े, अनीश मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मधू शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य गीता हनवत,दिनेश दमाहे , ललिता अटराहे ,लक्ष्मण अटराहे, सीताराम अटराहे, लोकेश अटराहे, आकाश बिरनवार, विशाल नगपुरे, दिनेश अटराहे , बालमुकुंद महाराज, योगराज पटले, सचिन बिसेन ,कांशीराम बिसेन, बेनीराम हनवत, लक्ष्मीनारायण कुंजाम , हिमांशु ठाकरे मौजूद रहे।

धोखाधड़ी करने वाले पर कार्यवाही करने पीड़ितों ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। जिले के विभिन्न स्थानों के पांच व्यक्तियों के द्वारा थाना प्रभारी वारासिवनी को ज्ञापन सौंप कर बीमारी से ठीक करने के नाम पर धोखाधड़ी कर पैसे लेकर भागने वाले आयुर्वेदिक डाक्टर की शिकायत थाने में की है। शिकायतकर्ता धनीराम मेश्राम ,दोसेन्द्र वासनिक ,योगेन्द्र गढ़पाल, हसराज डोंगरे ,निशा खांडेकर ने ज्ञापन में बताया कि आयुर्वेदिक वैद्य नाम एवं पता उपलब्ध नहीं फ ोटो एवं विडियो उपलब्ध है। उसने शिकायतकर्तागण एवं परिवार के सदस्य किसी ना किसी विशेष असाध्य बीमारी से पीडित है जिसके लिए सभी ने दवाईयों के लिए पैसा दिया। पिछले ८ माह से ग्राम बुदबुदा में तथा ३ माह पूर्व से बालाघाट में दवाईयाँ देने आता था। उसमें धनीराम मेश्राम वल्द राघोजी मेश्राम उम्र लगभग ६८ वर्ष वार्ड नं. १३ सुभाष नगर बूढी बालाघाट के द्वारा अपने पुत्र शुभम् मेश्राम के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एवं पत्नी की पथरी पिताशय, पाईल्स की बीमारी के लिए ग्राम बुदबुदा में २०००० रूपये एवं बालाघाट में ३०००० रूपये कुल ५०००० रुपये अनावेदक को दिये। अनावेदक ने मात्र १ बार दवाई दिया दवाईयां समय समय पर नहीं मिलने के कारण शिकायतकर्ता १ ने पैसे वापस मांगे जिस पर अनावेदक ने पैसे वापस दे दूंगा कहा। इसी तरह दोसेन्द्र वासनिक वल्द चैतराम वासनिक उम्र लगभग ३८ वर्ष वार्ड नं. १२ थाना कटंगी जिला बालाघाट को ब्रेन ट्यूमर की बीमारी है जिसके लिए ग्राम बुदबुदा में अनावेदक को १५००० रुपये एवं बालाघाट में २००० कुल १७००० रुपये दिये १ बार अनावेदक ने दवाई लाकर दिया किन्तु दवाई से गैस बनने के कारण सारी दवाई ५ दिन बाद ही वापस कर दी गई। जिस

पर अनावेदक ने ५ सितंबर २०२५ को पैसे वापस देने की बात कही। योगेन्द्र गढ़पाल वल्द दौलतराय गढ़पाल उम लगभग ४८ वर्ष वार्ड नं. १ जानकी बाई धुवारे गेट के अंदर बूढ़ी बालाघाट को इम्यूनिटी डिसआर्डर पेम्फीगस वल्गेरिस नामक बीमारी है। अनावेदक को दिखाये जाने पर उसने कहा यह ओप्स वाईरस है इससे महीने भर के अन्दर में स्कीन खराब हो जायेगी। ऐसा डर दिखाकर ३३००० रूपये ठीक करने के नाम पर मांग लिया। जिसमें से २००० रूपये ग्राम बुदबुदा में और ३१००० रुपये बालाघाट में दिये गये। आयुर्वेदिक डॉक्टर के द्वारा उक्त सभी शिकायतकर्ताओं को कहा कि मैं सभी बीमारियों को ३ महीने के अन्दर १०० प्रतिशत ठीक कर दूंगा और जब तक बीमारी ठीक नहीं हो जाती तब तक दवाईयां देते रहेंगा और यदि कोई भी व्यक्ति ठीक नहीं हुआ तो सभी के पैसे वापस कर दूंगा। सभी से पैसे एक साथ लेता और सभी बीमारियों के लिए एक जैसे ३०० रूपये की दवाईयों लाकर देता था। जो सिर्फ एनर्जी वाली दवाईयाँ होती हैं बीमारी ठीक करने वाली नहीं। उक्त डॉक्टर का नाम और पता पूछने पर वह एक ही बात कहता कि नाम और पते से क्या करना है तुमको ठीक होने से मतलब यह कहकर बात टाल देता या फिर अपना नाम पता गलत बताता हैं।

मेरे पति को ठीक करने के नाम पर लिया एक लाख तीस हजार रूपये-निशा खांडेकर

पीड़ित निशा खांडेकर ने बताया कि पति कि बिमारी को ठीक करने रिश्तेदारों से मुझे जानकारी हुई । बुदबूदा में कोई डॉक्टर है वह वहां के कोटवार के घर में ही ७ महीने से बैठकर दवा देता है मैंने समस्या बताई १.३० लाख रुपये मुझे मांगे । जब मैं इतना रुपये मना किया तो वह आ गए फिर तत्काल ३०००० रूपये अगले दिन १००००० रूपये दी । इसमें मुझे उन्होंने तीन बोतल बैद्यनाथ की दी और कागज में बंदी फक्की की दवा दी बताया कि गला खुलने भूख बढ़ाने की दवा है। नाम नहीं बताया अपना कहा कि मध्य प्रदेश ,महाराष्ट्र ,छत्तीसगढ़ में दवा देता हूं राजू डॉक्टर बोलते हैं।

डॉक्टर ने अपना नाम पता हमें नहीं बताया- दोसेंद्र वासनिक

दोसेंद्र वासनिक ने बताया कि मेरी आंख बाहर है पीछे ट्यूमर है रिश्तेदारों से मुझे पता चला मैं गया तो २०००० में ठीक कर दूंगा कहा तो १५००० हमने दिए। यह डॉक्टर ७ महीने से बुदबूदा में आ रहा है और वहां कई लोगों ने कई बातें बताई कि यह ठीक हो गया वह ठीक हो गया हमें लगा तो हमने उपचार करवाया। गांव वालों के संपर्क में वह डॉक्टर है अपना नाम पता तो हमें नहीं बताया उसने पर फेरी पर घूमता रहता है बालाघाट में भी उसका आना जाना है।

फर्जी डॉक्टर ने 30 लोगों के साथ धोखाधड़ी की है- धनीराम मेश्राम

धनीराम मेश्राम ने बताया कि मेरा बेटा डिस्टर्ब है पत्नी को पथरी है तो इसने बेटे के ३० हजार रुपये और पत्नी के २० हजार रुपये बताया। फायदा नहीं होने पर पूरे पैसे वापसी की बात कही तो हमने दे दिया परंतु दवा से लाभ नहीं मिला तो फोन लगाने पर स्विच ऑफ आया । अचानक नूर होटल में दिखा जहां पूछा तो बताया कि कुएं के पास बैठा है वहां जाकर उसे घर लाया रुपये मांगा तो वापस देने की बात कही परंतु ३ तारीख को कहा। उसके बाद से उसका फोन बंद है करीब ३० लोगों के साथ धोखाधड़ी की गई है। रिश्तेदारों के माध्यम से सभी को जानकारियां लगी है मैंने कोटवार के माध्यम से उसे पैसा दिया हैं।

सिकन्द्रा स्टेडियम के सामने बनेगा नया जनपद पंचायत का भवन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम सिकन्द्रा में नया जनपद पंचायत भवन का निर्माण करने पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल,अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्तिकेय जायसवाल, जं.प. अध्यक्ष श्रीमती माया उइके, जं.प. मुख्य अधिकारी दिक्षा जैन,जं.प. सदस्य श्रीराम गौतम, सरपंच कन्हैया खैरवार सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने पांच करोड़ की लागत से बनने वाले जनपद पंचायत के नये भवन निर्माण स्थल का निरिक्षण कर इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई है। लंबे समय से ग्रामीण क्षेत्रो के विकास के केंद्र बिंदु जं.प. नये भवन की स्वीकृति व टेंडर प्रक्रिया के बाद भी इस कार्य के लिये तीन स्थलो का निरिक्षण किया गया था। जिसमें सिकन्द्रा का स्थल फाईनल कर दिया गया। साथ ही सिकन्द्रा में नये भवन निर्माण से वारासिवनी के पुराने भवन स्थल का उपयोग भी अब जनहित में किया जायेगा। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया की इस स्थल के चयन के लिये पर्याप्त दो एकड़ से अधिक जगह के साथ पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था होना मुख्य वजह रही है। साथ ही सामने के हिस्से में विशाल स्टेडियम होने से जं.प. के सामुहिक विवाह,स्वास्थ्य शिविर आदि कार्य सरलता से संपादित हो सकेंगे। मुख्य मार्ग पर होने के कारण यह हिस्सा भी नगर से निकट होने के कारण सौंदर्यीकरण व विकास की मुख्यधारा में शामिल होने लगेगा।

अनाज गंज में विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र की सबसे पुरानी ८९ वां वर्ष पूर्ण करने वाली अनाज गंज दुर्गा उत्सव समिति में २८ सितंबर को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यह भंडारा कार्यक्रम मां भगवती की विधिवत पूजा अर्चना के उपरांत किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों को बिठाकर भोजन प्रसादी वितरण किया गया। विदित हो कि वारासिवनी की सबसे पुरानी दुर्गा उत्सव समिति अनाज गंज है जहां लगातार दुर्गा उत्सव मनाया जा रहा है। यह आजादी के पहले से समिति का निर्माण हुआ था यह परंपरा निरंतर चली आ रही है । उसमें भी अति विशेष है कि इस दुर्गा उत्सव समिति में क्षेत्र के किसानों की भी भागीदारी रहती है। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य पंडाल का निर्माण करवाकर आकर्षक एवं मनमोहक मां भगवती की प्रतिमा विराजित की गई है जो लगातार लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। ऐसे में नवरात्र पर वह अपने अंतिम दौर में चल रहा है,जिसमें बड़ी संख्या में लोग पंडाल में पहुंचकर माता का आशीर्वाद ग्रहण कर रहे हैं। अनाज गंज परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसादी ग्रहण कर माता का आशीर्वाद लिया।

स्वास्थ्य सेवा को हथियार बनाना

आगामी 1 अक्टूबर से ब्रांडेड एवं पेटेंट दवाओं के आयात पर 100 फीसदी शुल्क (टैरिफ) का एलान करके, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उस अमेरिका में स्वास्थ्य सेवा की सुलभता को हथियार बना दिया है, जहां चिकित्सा संबंधी देखभाल पर होने वाले घरेलू व्यय का लगभग10 फीसदी हिस्सा दवाओं पर खर्च होता है। यूरोपीय संघ और जापान से होने वाले आयात पर 15 फीसदी टैरिफ की सीमा की चेतावनी, जिसके बारे में अमेरिका ने साफ किया है कि वह इसका सम्मान करेगा, इस एलान को कमजोर बनाती है क्योंकि दवाओं (फार्मा) के आयात में इन दोनों देशों का योगदान लगभग तीन-चौथाई का है। इस व्यापार का एक बड़ा हिस्सा पेटेंट प्राप्त दवाओं, मसलन डेनमार्क में निर्मित वजन घटाने वाली और मधुमेह-रोधी दवाएं, वेगोवी और ओजेम्पिक, से बना है। कैंसर या दुर्लभ बीमारियों की खास दवाओं की जरूरत वाले मरीजों पर भी इसका गंभीर असर पड़ सकता है। अमेरिका के स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र पर भी इसका असर पड़ने की आशंका है, क्योंकि कंपनियां खास और पेटेंट प्राप्त दवाओं की बढ़ी हुई कीमतों का बोझ पॉलिसीधारकों पर डालने की कोशिश करेंगी। अर्न्स्ट एंड यंग के एक अध्ययन के मुताबिक, पेटेंट प्राप्त दवाओं पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने से दवाओं की सालना लागत लगभग 51 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़ जाएगी। सबसे ज्यादा प्रभावित वे देश हैं, जो इस छूट से बाहर हैं। ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड और सिंगापुर — जो दवा निर्माण के केंद्र हैं — पर 100 फीसदी टैरिफ का बोझ पड़ने की आशंका है, जिससे उनके उत्पाद महंगे हो सकते हैं।

भारत के विशाल जेनेरिक दवा उद्योग को फिलहाल इससे बख्श दिया गया है। अमेरिका में वितरित दवाओं में जेनेरिक दवाओं की हिस्सेदारी 90 फीसदी है, लेकिन उनपर होने वाला खर्च लगभग 13 फीसदी ही है। भारत ने वित्तीय वर्ष 2025 में अमेरिका को 10.5 अरब डॉलर से ज़्यादा मूल्य के 'फॉर्मूलेशन' निर्यात किए। इसलिए, जेनेरिक या बायोसिमिलर दवाओं को शामिल करने के वास्ते टैरिफ के दायरे में किया गया कोई भी विस्तार भारत के सबसे सफल निर्यात क्षेत्रों में से एक के लिए झटका साबित हो सकता है। इस बात को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है कि सक्रिय दवा सामग्रियां (एपीआई) टैरिफ के दायरे में आयेंगी या नहीं। वैश्विक स्तर पर एपीआई की आपूर्ति में भारत और चीन का दबदबा है। खुद अमेरिका नवीन दवाओं का एक अग्रणी उत्पादक बना हुआ है, जो दुनिया भर में अरबों डॉलर मूल्य की दवाओं का निर्यात करता है। आयातित पेटेंट दवाओं पर नए टैरिफ अमेरिकी निर्यात की मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता पर किस कदर प्रभाव डालेंगे, यह अभी साफ नहीं है। ट्रम्प का यह कदम प्रभावशाली संस्था, पीएचआरएमए के एतराजों के बावजूद आया है। इस संस्था ने चेतावनी दी थी कि संरचनात्मक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी समस्याओं को हल किए बिना टैरिफ लगाए जाने से मरीजों के लिए लागत बढ़ जाएगी। अमेरिकियों के लिए, यह फैसला निश्चित रूप से उन्नत चिकित्सा पद्धतियों की खुदरा दवाओं की कीमतों में इजाफा करेगा। दुनिया के लिए, यह कदम एक चेतावनी है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की व्यवस्था में बनी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं नई राजनीतिक हकीकतों के मुताबिक आकार ले रही हैं। अमेरिक मांग पर अत्यधिक निर्भर रहने वाले देशों को वैकल्पिक व्यापार गठबंधनों के निर्माण में तेजी दिखानी चाहिए और निर्यात से जुड़े बाजारों में विविधता लानी चाहिए। यह अब भारत के दवा (फार्मा) क्षेत्र के लिए भी एक अहम जरूरत है।

भाषाओं के सेतु, संस्कृतियों का संगम और वैश्विक संवाद का आधार

वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता के विकास में भाषा की भूमिका हमेशा ही केंद्रीय रही है। भाषा वह माध्यम है जो विचारों, भावनाओं, ज्ञान और अनुभवों को पीढ़ी दर पीढ़ी तथा राष्ट्र से राष्ट्र तक पहुँचाती है। किंतु विश्व की 7,000 से अधिक भाषाओं के बीच संचार स्थापित करना स्वाभाविक रूप से कठिन है। यहीं पर अनुवादक (ट्रांसलेटर्स), दुभाषिए (इंटरपरेटर्स) और भाषा विशेषज्ञ दुनियाँ को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं। वे भाषाई दीवारों को तोड़कर आपसी समझ, संवाद और सहयोग की नींव रखते हैं। इन्हीं भाषा पेशेवरों के योगदान को सम्मान देने हेतु प्रतिवर्ष 30 सितंबर को 卐अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस卐 (इंटरनेशनल ट्रांसलेशन डे) मनाया जाता है। वर्ष 2025 में इसकी थीम है-卐अनुवाद, एक ऐसे भविष्य को आकार देना जिस पर आप भरोसा कर सकें卐 (ट्रांसलेशन- शेपिंग द फ्यूचर यू कैन ट्रस्ट) मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भाषाओं की जंजीरों को तोड़ने में अनुवादकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। वैश्विक मंचों पर नेताओं की बात को यदि उनकी ही भाषा में समझा पाना संभव न होता,तो अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति कभी सफ़ल नहीं हो पाती। उदाहरणस्वरूप, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप, भारतीय प्रधानमंत्री मोदी, रूसी राष्ट्रपति पुतिन, इज़राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू या ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर किसी वैश्विक शिखर सम्मेलन में बोलते हैं, तो उनकी बातों को विभिन्न भाषाओं में तुरंत अनुवादितकिया जाता है। यही अनुवादक सुनिश्चित करते हैं कि विश्व के हर प्रतिनिधि तक संदेश सही और सटीक रूप से पहुँचे। इस प्रकार अनुवादक सिर्फ शब्दों का नहीं,बल्कि संस्कृतियों, दृष्टिकोणों और विचारों का आदान-प्रदान संभव बनाते हैं।वर्ष 2025 की थीम 卐अनुवाद, एक ऐसे भविष्य को आकार देना जिस पर आप भरोसा कर सकें卐 यह संदेश देती है कि आने वाले समय में विश्व व्यवस्था,शिक्षा,विज्ञान,कूटनीति और सांस्कृतिक संवाद सब अनुवादकों के माध्यम से ही संभव होंगे। इस भविष्य पर भरोसा तभी किया जा सकता है जब भाषा पेशेवर अपनी निष्ठा, सटीकता और मानवीय संवेदनाओं के साथ कार्य करें।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस 2025 भाषाओं के सेतु संस्कृतियों का संगम और वैश्विक संवाद का आधार।

साथियों बात अगर हम अनुवाद- संस्कृतियों को जोड़ने वाला सेतु को समझने की करें तो,अनुवाद केवल शब्दों का परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह संस्कृतियों,परंपराओं और मान्यताओं को जोड़ने की प्रक्रिया है। जब जापान की कोई साहित्यिक कृति हिंदी में पढ़ी जाती है, या भारत का कोई उपन्यास स्पेनिश में पहुँचता है, तो यह सिर्फ भाषाई रूपांतरण नहीं बल्कि सांस्कृतिक आदान- प्रदान भी होता है।यही कारणहै कि अनुवादक सटीक संस्कृति-दूत卐 (कल्चरल अम्बास्साडोर्स) भी माने जाते हैं। भारत और अनुवाद की परंपरा,-भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है जहाँ 22 अनुसूचित भाषाएँ और सैकड़ों बोलियाँ प्रचलित हैं।भारतीय सभ्यता में अनुवाद की परंपरा प्राचीन काल से रही है-चाहे वह संस्कृत ग्रंथों का फारसी और अरबी में अनुवाद हो या फिर उपनिषदों का लैटिन में अनुवाद।आधुनिक भारत में संविधान भी 22 भाषाओं में उपलब्ध है, जो अनुवादकों की भूमिका की महत्ता को और सटीकता से स्पष्ट करता है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक कूटनीति और अनुवाद का संगम तथा संयुक्त राष्ट्र और 2025 की प्रासंगिकता को समझने की करें तो संयुक्त राष्ट्र ,यूरोपीय संघ, ज़ी20, ब्रिक्स या अन्य किसी अंतरराष्ट्रीय संगठन की बैठकों में अनुवादकों की भूमिका आधारशिला की तरह होती है। वे न केवल भाषाई संदेशों का आदान-प्रदान करते हैं, बल्कि शांति, विश्वास और सहयोग की प्रक्रिया को भी जीवित रखते हैं। संयुक्त राष्ट्र की छह आधिकारिक भाषाएँ- अरबी, अंग्रेजी, चीनी, फ्रेंच, रूसी और स्पेनिश,साथ ही अनेक क्षेत्रीय भाषाओं का भी उपयोग किया जाता है। ऐसे में यदि पेशेवर अनुवादक न हों तो संवाद और निर्णय-प्रक्रिया ठहर सी जाएगी।संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को 卐शांति और विश्वास का वर्ष卐 घोषित किया है। इस घोषणा का सीधा संबंध अनुवादकों की भूमिका से है, क्योंकि संवाद और कूटनीति के माध्यम से ही संघर्षों को कम किया जा सकता है।भाषा पेशेवर यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी राष्ट्र या संस्कृति गलतफ़हमी का शिकार न हो, और हर संवाद पारदर्शिता और स्पष्टता से संपन्न हो।आज की दुनिया में बहु भाषावाद शिक्षा,अनुसंधान, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक समावेशन की कुंजी बन चुका है। अनुवादक इस बहुभाषिक दुनिया में सबको जोड़ने का कार्य करते हैं। यूनेस्को और यूएन लगातार इस बात पर बल देते रहे हैं कि बहुभाषावाद न केवल सांस्कृतिक विविधता को बचाता है,बल्कि ज्ञान समाज के निर्माण में भी बहुत हद तक सहायक है।

साथियों बात अगर हम प्रौद्योगिकी और अनुवाद का भविष्य तथा अनुवाद और विश्व शांति को समझने की करें तो,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन ट्रांसलेशन और स्वचालित अनुवाद उपकरणों ने अनुवाद की दुनियाँ में क्रांति ला दी है। गूगल ट्रांसलेट, डीपल जैसे उपकरणों ने आम लोगों के लिए भाषा अवरोध को कम किया है। फिर भी, मशीन कभी भी मानवीय संवेदना, सांस्कृतिक संदर्भ और भावनात्मक सूक्ष्मताओं को पूरी तरह नहीं समझ सकती। यही कारण है कि 2025 की थीम 卐अनुवाद, एक ऐसे भविष्य को आकार देना जिस पर आप भरोसा कर सकें卐 मानवीय अनुवादकों की अपरिहार्यता को रेखांकित करती है।दुनियाँ में अधिकांश युद्ध और संघर्ष गलतफहमियों और संवादहीनता से उत्पन्न होते हैं। जब शब्दों का सही अनुवाद न हो तो गलत संदेश फैल सकता है। अनुवादक इन गलतफहमियों को रोककर राष्ट्रों को आपसी विश्वास और शांति की ओर ले जाते हैं। इस दृष्टिकोण से देखा जाए तो अनुवादक केवल भाषा विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि विश्व शांति के निर्माता भी हैं।

साथियों बात अगर हम अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस क़े इतिहास को समझने की करें तो,30 सितंबर को अनुवाद दिवस मनाने की परंपरा सेंट जेरोम के सम्मान में शुरू हुई थी, जिन्हें बाइबिल का लैटिन भाषा में अनुवादक माना जाता है। लेकिन इसे आधिकारिक मान्यता 2017 में मिली, जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने ए/आरईएस/71/ 288 प्रस्ताव पारित कर 30 सितंबर को आधिकारिक 卐अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस卐 घोषित किया। यह प्रस्ताव सभी पेशेवर अनुवादकों, दुभाषियों और शब्दावलीविदों की मेहनत को वैश्विक स्तर पर मान्यता देने की दिशा में ऐतिहासिक मील का पत्थर था।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस केवल अनुवादकों को सम्मानित करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि यदि भाषाओं के बीच सेतु न बने होते, तो मानव सभ्यता कभी भी वैश्विक नहीं बन पाती।अनुवादकों ने न केवल विचारों का आदान-प्रदान संभव बनाया है, बल्कि उन्होंने शांति, सहयोग और विकास की राह भी प्रशस्त की है। 2025 में जब विश्व 卐शांति और विश्वास卐 का वर्ष मना रहा है, तो यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हम उन अनुवादकों को सम्मान दें, जो हर दिन अपनी निष्ठा और परिश्रम से दुनिया को जोड़ने का कार्य करते हैं।

किशन सनमुखदास भावनानी
संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

मन की बात भारत सहित दुनिया मे चर्चा का विषय

मुख कभी अपने पास भोजन जमा नही रखता।वह पूरे शरीर मे बांटकर उसका पोषण करता है।हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के मुखिया है।भारत के कल्याण का दायित्व प्रधानमंत्री पर है ।प्रधानमंत्री का रेडियो शो मन की बात घर घर का चेहता एपिसोड बन गया है।हर महीने के अंतिम तिथि का लोगो को इंतजार रहता है। अमेरिका के द्वारा लादे गए टैरिफ भारत मे चर्चा का विषय बन गया है। अमेरिका का भारत के साथ किए गए व्यवहार को लेकर लोग काफी नाराज है।यह विश्वास घात है।बहरहाल,भारत की इकोनॉमी मजबूत करने के लिए स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया जा रहा है।प्रधानमंत्री मोदी ने स्वदेशी को रास्ट्रीय मुद्दा बनाकर हर एक व्यक्ति को भारत मे निर्मित चीज वस्तुओं को खरीदने का आग्रह किया है। भारत के साथ अमेरिका का व्यवहार दोषपूर्ण है।अमेरिका शक्तिशाली और समृद्धिशाली देश है।अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है।जिससे भारत से निर्यात होने वाली चीजें महंगी होने के कारण विक्रय नही हो पाती है।इसके बाद भी भारत से निर्यात होने वाली दवाइया को सौ प्रतिशत टैरिफ के दायरे में लाने के लिए डोनाल्ड ट्रंप का विचार है। जबकि भारत को अमेरिका ने चोंका दिया है।प्रधानमंत्री मोदीं ने 126वे एपिसोड में आत्मनिर्भर भारत,वोकल फ़ॉर लोकल और फेस्टिव सीजन पर खुलकर बात की गई।भारत ही नही मोदीं के मन की बात पर दुनिया कायल है।मन की बात की धारणा और विचार सरकारी उपक्रम और योजनाओ को मूर्तरूप देने का काम करती है।मन की बात में मोदी की योजनाएं और उस कार्य के प्रति समर्पण के भाव पैदा करने और कार्ययोजना में ढालने की प्रेरणा मिलती है।मन की बात पर शुरुआती दौर में हंसी ठिठोली कर विपक्ष टाल देता था।लेकिन,अब यह कार्यक्रम धारावाहिक बन गया है,जिसके लिए देश की जनतामोदी की मन की बात सुनने के लिए इंतजार में रहती है।चौक चौराहे पर चर्चा होती है कि मोदी इस मुद्दे को मन की बात में अवश्य उठाएंगे । शब्द को ब्रह्म माना गया है।शब्द स्वयं में अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना शक्तियों को समेटे रहता है ।मोदी के शब्दो मे देश की जनता को तारने वाले और विश्व कल्याण की भावना निहित है।मोदी ने स्वदेशी सामान को खरीदने पर जोर दिया।मोदीं ने मन की बात में कहा कि जो अभी देश मे तैयार हुआ माल है,वही खरीदे।स्वदेशी आत्मनिर्भर भारत का सपना है।घर का माल घर मे और घर का पैसा देश मे रहेगा,तो आर्थिक स्वावलंबन बढ़ेगा।भारत के विशिष्ट और संस्कृति के पर्व पर बात की गई। छठ पर्व भारत ही नही दुनिया मे मनाया जाता है।छठपर्व से आस्था और विश्वास की बुनियाद टिकी हुई है।छठ मैया के इस ऐतिहासिक पर्व कोमोदी ने यूनेस्को की लिस्ट में शामिल करने के लिए भरोसा दिलाया औऱकहा कि सरकार इसके लिए पर्यटनशील है।छठपर्व उतर भारत ही नही,देश की धरोहर है।छठपूजा में सरकार व्यवस्था को मूर्तरूप देने के लिए नवरात्रि के पश्चात देखभालऔर शुरू कर देगी।गौरतलब है कि हजारो की संख्या में छठपूजा कर महिलाएं परिवार के लिए समृद्धि और खुशहाली की कामना करती है।छठपूजा पर्व को मन की बात का हिस्सा बनाते हुए मोदी ने इसको विश्व स्तरीय बना दिया है।स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जन्म जयंती होने से उनको याद किया। मोदी ने कहा कि लताजी के गीतों को सुनकर कोई भी व्यक्ति अभिभूत हुए बिना नही रहता है।

दक्षिण एशिया में ज़ेन ज़ेड का बढ़ता प्रदर्शन -परिदृश्य और भारत पर इसका असर-लद्दाख (लेह) के हालिया घटनाक्रम पर विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर पिछले तीन-चार वर्षों में दक्षिण एशिया के कुछ देशों में युवा-आधारित (अक्सर 卐ज़ेन ज़ेड卐) आन्दोलन तेज़ी से उभरे हैं, श्रीलंका (2022), बांग्लादेश (2024) और हाल ही में नेपाल (सितंबर 2025) में बड़े सार्वजनिक आंदोलनों ने राजनीतिक संतुलन पर प्रभाव डाला है। इन घटनाओं ने यह सवाल जगाया है कि क्या इसी तरह की 卐ज़ेन ज़ेड卐 सक्रियता अब भारत के कुछ संवेदनशील इलाकों में (जैसे लद्दाख/लेह) परिलक्षित होकर हिंसा या बड़े सार्वजनिक अशांतियों का रूप ले रही है?और क्या इसके पीछे कोई व्यवस्थित 卐अंतरराष्ट्रीय साजिश卐 या सीमापार प्रेरणा है? क्या लद्दाख में नेपाल पार्ट-2 करने की कोशिश हो रही थी। आज सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या नेपाल की तरह लद्दाख में बगावत की तैयारी थी? जांच में ये पता चला है कि इसके पीछे एक गहरी साजिश थी और लद्दाख को जलाने के लिए एक पूरा टूलकिट काम कर रहा था। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ने सोशल मीडिया पर देखा कि लद्दाख में जेन-ज़ी प्रोटेस्ट क़ा कई लोगों ने दावा किया कि लद्दाख में प्रदर्शनकारी जेन ज़ेड के लोग थे,सोशलमीडिया पर एक शख्स ने लेह का एक वीडियो शेयर किया, जिसका टाइटल था-जेन ज़ेड लद्दाख की सड़कों पर है एक अन्य यूजर ने आरोप लगाया,लद्दाख में जेन ज़ेड के प्रदर्शनकारियों ने बीजेपी कार्यालय में आग लगा दी, पूरी तरह अराजकता फैल गई,कुछ लोगों ने तो हाल ही में हुए नेपाल प्रोटेस्ट से भी तुलना की, जहां जेन ज़ेड के प्रदर्शनकारियों ने ओली सरकार को गिरा दिया था, इस बीच, एक एक्टिविस्ट ने चिंता जाहिर करते हुए कहा, लेह में हुई घटनाएं बहुत दुखद हैं,शांतिपूर्ण रास्ते का मेरा संदेश आज फेल हो गया, मैं युवाओं से अपील करता हूं कि कृपया यह बकवास बंद करें, इससे हमारे मकसद को ही नुकसान पहुंचता हैअब सवाल उठता है कि क्या ज़ेन ज़ेड की एंट्री भारत में एक साजिश की तरह कराई जा रही है? या फिर वास्तव में आक्रोश उत्पन्न हो रहा है?इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,दक्षिण एशिया में ज़ेन ज़ेड का बढ़ता प्रदर्शन-परिदृश्य और भारत पर इसका असर-लद्दाख (लेह) के हालिया घटनाक्रम पर सटीक विश्लेषण।

साथियों बात अगर हम क्या नेपाल - बांग्लादेश- श्रीलंका की तरह भारत में भी 卐ज़ेड ज़ेन साजिश卐 रची जा रही है? और क्या सरकार को हाई-अलर्ट होना चाहिए? को समझने की करें तो, अब तक उपलब्ध खुली रिपोर्टिंग यह संकेत देती है कि दक्षिण एशिया में उभरते ज़ेड ज़ेन

आंदोलनों की प्रेरणा अधिकतर आंतरिक (स्थानीय असंतोष, बेरोज़गारी, सोशल-मीडिया/नियमों पर आपत्ति, पारंपरिक व्यवस्था से नाराज़गी) से आई है, न कि किसी एक विदेशी- संगठित, निर्देशित 卐साजिश卐 से। फिर भी, क्योंकि युवाओं ने विभिन्न देशों की रणनीतियाँ और चिट-चैट सोशल प्लेटफॉर्मों पर देखा-सीखा है, विचारों का पारस्परिक आदान-प्रदान हुआ है,और सीमापार प्रभाव/प्रेरणा का छोटा-सा रोल काम कर सकता है। इस तरह के क्षेत्रों में केंद्र/राज्य सुरक्षा-तंत्रों के लिए सतर्कता व निगरानी महत्वपूर्ण है,पर मौजूदा रिपोर्टों में कोई निर्णायक ठोस सबूत नहीं मिला कि नेपाल/बांग्लादेश/श्रीलंका के आंदोलनों को किसी एक केंद्रीय विदेशी एजेंसी ने भारत के लिए निर्देशित किया है।विश्लेषकों का कहना है कि दक्षिण एशिया में ज़ेन ज़ेड आंदोलनों के बीच कुछ साझा विषय रहे,अविकसित रोज़गार, करप्शन/निहित-स्वार्थ, सोशल-मीडिया प्रतिबंध या अर्थव्यवस्था से जुड़ी असंतुष्टि। ये साझा कारण युवा- आंदोलन को卐समान रणनीतिक विचार卐 दे सकते हैं। पर यह समानता स्वत: 卐साजिश卐 नहीं बनती;यह सामाजिक - राजनीतिक कारणों का सह-अवतरित होना है। निवारक स्तर पर हाई-अलर्ट होने की जरूरत-किसी संवेदनशील

इलाके में (जैसे सीमाप्रान्त लद्दाख) जहाँ स्थानीय असंतोष पहले से मौजूद है (राज्य-दर्जा, नौकरी, भूमि सुरक्षा आदि), सरकार-प्रशासन का सतर्क रहना, सोशल-मीडिया- स्परशोध, सीमापार वित्त/समर्थन-चैनलों की निगरानी और स्थानीय बोतल-नेक मुद्दों (परमिट/भूमि/पर्यावरण) पर शीघ्र संवाद आवश्यक है,सुरक्षा-मंत्रालयों को तथ्यों-आधारित जांच (फॉरेंसिक वित्त निगरानी, सोशल-मीडिया ट्रैफ़िक विश्लेषण, सीमापार एनजीओ/फंडिंग-रूटे) करनी चाहिए,और मीडिया-रूम में अफ़वाहों पर भी नियंत्रण आवश्यक है।यह सामान्य सुरक्षा- प्रोटोकॉल है,साजिश का प्रमाण नहीं।

साथियों बात अगर हम, क्या वास्तव में लेह (लद्दाख) में ज़ेन ज़ेड युवाओं ने 卐गुस्से में भड़ककर卐 हिंसा की? इसके क्या कारण रहे? इसको समझने की करें तो, 24 सितंबर 2025 को लेह में बड़े प्रदर्शन हिंसक रूप ले गए; प्रदर्शनकारियों ने (रिपोर्ट्स के अनुसार) कुछ सरकारी/पार्टी कार्यालयों पर हमले किए, गाड़ियाँ जलायी गयीं और विरोध तेज़ हुआ;इसके बाद 25 सितंबर को स्थानीय प्रशासन ने कर्फ़्यू और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की। रेउटर्स और एआई जजीरा सहित प्रमुख अख़बारों ने रिपोर्ट किया कि हिंसा में कुछ मौतें/घायलों की खबरें भी आईं और सुरक्षा बल सड़क पर तैनात हुए। यह घटनाक्रम 24-25 सितंबर की रात और अगले दिन तक फैला रहा।इसके मुख्य कारण जो चर्चा में आ रहे हैं-(1)राज्य-दर्जा व वादे का टूटना- लद्दाख के लोगों की प्रमुख मांगें, पूर्ण राज्य का दर्जा और स्थानीयसंवैधानिक सुरक्षा (छठवीं अनुसूची जैसे प्रावधान),लोकल नौकरी आरक्षण,कई वर्षों से चली आ रही हैं। लद्दाख के लोगों ने 2019 में यूनियन टेरिटरी बनने के बाद से कुछ वादों की पूर्ति न होने का अनुभव किया और इसे धोखा समझा। यह श्रोताओं के गुस्से की बुनियाद है। (2)लेह में पर्यावरणीय-सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और अन्य ने हंगर-स्ट्राइक जैसी कार्रवाई की; कुछ हंगर-स्ट्राइक में स्वास्थ्य प्रभावित होने की रिपोर्ट रही और यह स्थानीय युवाओं के भावनात्मक उभार का कारण बना, एक काटल्यस्त के रूप में। सरकारी दबाव/कार्रवाई पर प्रतिक्रियाएँ भड़क गईं।(सरकारी प्रेस रिलीज़ में भी सोनम वांगचुक के हंगर- स्ट्राइक का उल्लेख है)। (3)बेरोज़गारी और स्थानीय रोजगार पर दबाव- स्थानीय युवाओं में नौकरी- अभाव और केंद्र-कम्पनियों/बाहरी निवेश के चलते 卐भावी किसान/पर्यावरण/भूमि-अधिकार卐 खोने का भय था;युवा वर्ग ने इसे अपने भविष्य पर सीधा खतरा समझा।(4) पर्यावरण / संस्कृति पर भय- लद्दाख के लोग अक्सर स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक ज़मीन-हक़ और पर्यावरण के संरक्षण को केंद्र में रखते हैं; बड़े निवेश/पर्यटन-लहर से यह भय तेज़ हुआ। कुछ नेताओं ने कहा कि वे 卐भूमि-हड़प卐 से डरते हैं,और यह भी हिंसा के कारणों में शामिल है। (5) प्रेरणा-संग्रह और सोशल मीडिया- युवा समूहों में तेज़ी से वायरल हुयी फिल्मों/पोस्टों ने आंदोलनों की रणनीति साझा की; ऐसी परिस्थिति में किसी एक घटना (हंगर-स्ट्राइक, किसी की मौत, किसी की गिरफ्तारी) से भावनाएँ भड़क उठीं और प्रदर्शन हिंसक हो गया।

साथियों बात अगर हम क्या पूरे भारत में विदेशी फंड पर कानूनी शिकंजा कसा जाएगा? एफसीआरए (विदेशी योगदान) नियमावली क्या है?और हाल की संशोधन कौन-कौन से हैं? इसको समझने की करें तो, भारत में विदेशी योगदान के नियंत्रण का मुख्य क़ानून फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) एक्ट (एफसीआरए), 2010 और उसके नियम (रूल्स) हैं; हाल के वर्षों (2024-2025) में नियमों/अमल में कड़े संशोधन आए हैं जिनका उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और संभावित विदेशी हस्तक्षेप पर सीमा लगाना घोषित किया गया है। सरकार ने मई-2025 में नियमों (रूल्स) में संशोधन किए,जिनमें रजिस्ट्रेशन व उपयोग-समय-सीमाएँ, 'की पर्सन्स ' की अतिरिक्त ज़िम्मेदारियाँ, और फंडिंग-चैनलों पर कड़ा रिकॉर्डिंग और ऑडिट शामिल हैं। सरकारी एफसीआरए पोर्टल और कई विधिक विश्लेषणों में इन संशोधन उपलब्ध है। मुख्य बिंदु

(1)रजिस्ट्रेशन/रेन्यूअल- एफसीआरए रजिस्ट्रेशन और प्रशासनिक परमिशन पर सख्ती। कुछ मामलों में रजिस्ट्रेशन की वैधता/समय सीमा सीमित करने के प्रावधान आए हैं। (2) की- पर्सन्स की ज़िम्मेदारी- किसी एनजीओ/संस्था के प्रमुखों पर अधिक जिम्मेदारी और नागरिकता/निवास स्थिति का खुलासा अपेक्षित। (3) फंडिंग-उपयोग टाइम-लाइन्स और रिपोर्टिंग-अब फंड रिसीविंग- पीरियड और उपयोग-पीरियड के लिए स्पष्ट समयसीमाएं और ऑडिट/रिटर्न-फाइलिंग की जुर्माना/कम्पाउंडिंग की शर्तें तय की गयी हैं। (4) निगरानी और जांच क्षमता-गृह मंत्रालय / एफसीआरए विभाग को विदेशी योगदान चैनलों पर झट-पटक जांच और संबन्धित संस्थाओं के बैंक/लेन-देन की निगरानी बढ़ाने का अधिकार दिया गया है। प्रशासन ने कहा है कि जो भी संस्थाएँ सामाजिक/राजनीतिक गतिविधियों के अंतर्गत विदेशी फंड पाती हैं, उन पर सख्ती से नियम लागू होंगे।(5) क्या देशभर में नया 卐शिकंजा卐 लगेगा?सरकार पहले से ही 2024-25 के संशोधनों के ज़रिये एफसीआरए/नियमों को कड़ा कर चुकी है; अगर हाल की घटनाएँ (जैसे लेह में हिंसा) यह दिखाती हैं कि किसी गैर-स्थानीय धन/संगठन का निहित-उद्देश्य अस्थिरता भड़काना था तो प्रशासन और गृह मंत्रालय और भी कड़े कदम उठा सकते हैं,जैसे रजिस्टर्ड एनजीओ -रद्द/फंडिंग रोकना कम्पाउंडिंग/आरोपित व्यक्तियों के खिलाफ जांच। पर कानूनी ठोस उपायों के लिए मामला-विवरण और जांच रिपोर्ट मायने रखेगी। (6)सरल सलाह (नीति-नज़रिए से)= एफसीआरए के हालिया संशोधनों ने पहले से ही विदेशी फंड पर निगरानी कड़ी कर दी है,और केंद्र/राज्य दोनों स्तरों पर संवेदनशील घटनाओं के बाद त्वरित कार्रवाई की संभाव्यता बढ़ जाती है।एनजीओस /स्थानीय संस्थाओं को अनुपालन और पारदर्शिता पर तुरन्त ध्यान देना चाहिए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि दक्षिण एशिया में ज़ेन ज़ेड का बढ़ता प्रदर्शन-परिदृश्य और भारत पर इसका असर-लद्दाख (लेह) के हालिया घटनाक्रम पर विश्लेषण,क्या ज़ेन ज़ेड की एंट्री भारत में एक साजिश की तरह कराई जा रही है? या फ़िर वास्तव में आक्रोश उत्पन्न हो रहा है?

किशन सनमुखदास भावनानीं

आरबीआई की एमपीसी की तीन दिनी बैठक शुरू

मुंबई। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक सोमवार से मुंबई में शुरू हो गई है। समिति का मुख्य उद्देश्य मौजूदा आर्थिक हालात का आकलन कर रीपो रेट और अन्य पॉलिसी दरों पर निर्णय लेना है। बैठक के दौरान सदस्य बाजार की स्थिति, महंगाई और आर्थिक विकास के दृष्टिकोण पर विचार-विमर्श करेंगे। इसके बाद बुधवार 1 अक्टूबर को सुबह 10 बजे आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बैठक के फैसले का ऐलान करेंगे। यह निर्णय बाजार और व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इससे उधारी की लागत और आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ता है। पिछली अगस्त की बैठक में रीपो रेट 5.5 फीसदी पर स्थिर रखा गया था। इससे पहले जून में 50 बेसिस पॉइंट की कटौती और फरवरीङ्कअप्रैल में 25-25 बेसिस पॉइंट की कमी की गई थी। मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच रेपो रेट में कुल 250 बेसिस पॉइंट बढ़ोतरी हुई थी। आईक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर के अनुसार, जीएसटी सुधार से अक्टूबरङ्कनवंबर 2025 में महंगाई में गिरावट देखने को मिल सकती है, लेकिन इसके बाद महंगाई का स्तर फिर बढ़ सकता है। नायर का कहना है कि जीएसटी सुधार महंगाई को कम करेगा, लेकिन इससे मांग बढ़ने की संभावना भी है। इस कारण अक्टूबर 2025 की बैठक में रेपो रेट को स्थिर रखने की संभावना अधिक है। सरकार के जीएसटी सुधार के बाद, दिवाली के त्योहार से पहले आरबीआई उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए रीपो रेट में कटौती कर सकती है।

जनधन खातों की केवाईसी 30 सितंबर तक करें, नहीं तो बंद हो सकता है खाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाय) के तहत खोले गए बैंक खातों को अब 10 साल पूरे हो चुके हैं। जिन खातों की शुरुआत 2014-15 में हुई थी, उनके लिए अब री-केवाईसी कराना अनिवार्य हो गया है। सरकार ने इसकी अंतिम तिथि 30 सितंबर तय की है। बिना री-केवाईसी के, ऐसे खाते निष्क्रिय हो सकते हैं, जिससे खाताधारकों को लेन-देन और सरकारी सब्सिडी प्राप्त करने में समस्या आ सकती है। री-केवाईसी प्रक्रिया एकदम आसान है। खाताधारकों को अपनी बैंक शाखा में जाकर पहचान पत्र, पता प्रमाण और फोटो जमा करना होता है। यह प्रक्रिया निःशुल्क है। सरकारी बैंक 1 जुलाई से 30 सितंबर तक ग्राम पंचायत स्तर पर कैंप लगाकर री-केवाईसी करा रहे हैं। अब तक देशभर की एक लाख से अधिक पंचायतों में ऐसे कैंप लग चुके हैं। जन धन योजना के तहत खातों की संख्या तेजी से बढ़ी है। 2015 में जहां 14.72 करोड़ खाते थे, वहीं 2025 तक यह संख्या बढ़कर 56.16 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। सरकार की अपील है कि जिनका खाता 10 साल पुराना है, वे जल्द से जल्द री-केवाईसी कराएं, ताकि सरकारी लाभों का लाभ बिना बाधा जारी रह सके।

भारत का दूध उत्पादन 240 मिलियन टन पहुंचा, दुनिया में नंबर वन पर

नई दिल्ली। भारत वैश्विक दूध उत्पादन में शीर्ष स्थान पर है और वित्त वर्ष 2023-24 में उत्पादन बढ़कर 239.30 मिलियन टन हो गया। आंकड़ों के मुताबिक उत्पादन और संग्रहण में महिलाओं की अहम भूमिका होती है, जो डेयरी को समावेशी विकास का एक सशक्त वाहक बनाता है। पिछले एक दशक में भारत के डेयरी क्षेत्र ने मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है और उत्पादन 63.56 फीसदी बढ़ा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दूध उत्पादन 2014-15 में 146.30 मिलियन टन था। इसका मतलब है कि देश ने पिछले 10 सालों में 5.7 फीसदी की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर बनाए रखी है। खाद्य एवं कृषि संगठन के आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बना हुआ है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, चीन और ब्राजील जैसे देशों से कहीं आगे है।

पिछले एक दशक में भारत में हरेक व्यक्ति के लिए दूध की उपलब्धता में तेजी से वृद्धि हुई है। प्रति व्यक्ति आपूर्ति में 48 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो 2023-24 में 471 ग्राम/व्यक्ति प्रतिदिन से भी ज्यादा हो गई है। यह विश्व औसत करीब 322 ग्राम/व्यक्ति प्रतिदिन से कहीं ज्यादा है। बयान में कहा गया कि देश में 303.76 मिलियन गोजातीय पशु हैं जिनमें गाय, भैंस, मिथुन और याक शामिल हैं। यह डेयरी उत्पादन और कृषि में भार वहन क्षमता दोनों की रीढ़ है। शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में दूध उत्पादन में 74.26 मिलियन की आबादी वाली भेड़ें और 148.88 मिलियन बकरियां भी अहम भूमिका निभाती हैं।

2014 और 2022 के बीच भारत ने गोजातीय पशुओं की उत्पादकता में 27.39 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। यह वृद्धि वैश्विक औसत वृद्धि 13.97 फीसदी से कहीं ज्यादा है। भारत में सहकारी डेयरी क्षेत्र व्यापक और सुव्यवस्थित है। 2025 तक, इसमें 22 दुग्ध संघ, 241 जिला सहकारी संघ, 28 विपणन डेयरियां और 25 दुग्ध उत्पादक संगठन (एमपीओ) शामिल हैं। कुल मिलाकर ये करीब 2.35 लाख गांवों को कवर करते हैं और 1.72 करोड़ डेयरी किसान इनके सदस्य हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक डेयरी फार्मिंग में करीब 70 फीसदी कार्यबल महिलाएं हैं और करीब 35 फीसदी डेयरी सहकारी समितियों में सक्रिय हैं। देश भर में 48,000 से ज्यादा महिला-नेतृत्व वाली डेयरी सहकारी समितियां ग्राम स्तर पर संचालित होती हैं, जो ग्रामीण समुदायों में समावेशी विकास और सशक्तिकरण लाती हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 88.74 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह एशियाई मुद्राओं के सकारात्मक रुख और विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने की वजह से रुपया शुरुआती कारोबार में तीन पैसे की बढ़त के साथ 88.69 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है क्योंकि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण इस पर दबाव बरकरार है। रुपया शुक्रवार को 88.72 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे पहले गुरुवार को घरेलू मुद्रा 88.76 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गई थी। इस बीच छह प्रमुरुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.9 गया।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। भाग्य में वृद्धि होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आप बुद्धि और विवेक से निर्णय लेकर लोगों को हैरान करेंगे। आप किसी लड़ाई झगड़े में ना पड़ें, नहीं तो बाद में आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कोई कानूनी मामला यदि लंबे समय से आपको घेरे हुए थी तो वह खत्म होगी, आप उसमें किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशवरा अवश्य करें, जिसे आप समय से समाप्त करने की पूरी कोशिश करेंगे। आपको संतान के करियर को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना होगा।

वृषभ- आज आपका सामाजिक प्रयास बेहतर रहेंगे। आप कुछ नये प्रयास बेहतर रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको लोगों का पूरा सहयोग मिलेगा। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आपको अपने किसी परिजन को धन देने से बचना होगा, नहीं तो इससे आपके आपसी रिश्ते भी खराब हो सकते हैं। जीवनसाथी आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकती है, जिसे आप पूरा अवश्य करेंगे। आपको नौकरी में मनमुताबिक काम मिलेगा, जिससे आपको खुशी होगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। नौकरी में भी आपको प्रमोशन मिलेगा। आप खुलकर खर्च करेंगे, क्योंकि आपके पास धन की कोई कमी नहीं होगी, लेकिन फिर भी आप बेवजह खर्च करने से बचें। आप संतान को कहीं घुमाने लेकर जा सकते हैं। आपको अपने किसी मित्र की याद सताएगी।

कर्क- आज का दिन आपके लिए नुकसानदायक रहने वाला है। आप जल्दबाजी के कारण कोई गड़बड़ी कर सकते हैं। आपने यदि बिजनेस से संबंधित कोई निर्णय लिया, तो इसके लिए बाद में आपको पछतावा होगा। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। शेयर मार्केट में भी आप थोड़ा सोच समझकर ही इन्वेस्टमेंट करें। आपने यदि किसी से धन उधार लिया था, तो वह भी आपसे वापस मांग सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप अपनी आंख और कान खुले रखकर कामों को करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपको अपनी संतान के मनमानी व्यवहार के कारण समस्या हो सकती है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने साथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आपको किसी दूसरी नौकरी का बुलावा सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए कला कौशल में निखार लेकर आएगा। आपके कामों की सराहना होगी और आपके हुनर को भी लोग पहचानेंगे। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को उनके कामों से एक नई पहचान मिलेगी। आप अपने आसपास रह रहे लोगों से बातचीत बहुत ही संभलकर करें। आपको धन को लेकर किसी के बहकावे में आने से बचना होगा। आप किसी सरकारी मामले में ढील दे सकते हैं, जिसके लिए बाद में आपको पछतावा होगा।

तुला- आज का दिन नौकरी में बदलाव के लिए बेहतर रहने वाला है। आप अपनी वाणी पर कंट्रोल रखें। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। बिजनेस में उतार चढ़ाव रहने से आपको टेंशन बनी रहेगी। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

वृश्चिक- आज आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। जन कल्याण के कार्य में आपकी रुचि रहेगी। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आपको माताजी से किसी किए हुए वादे को पूरा करना होगा। दान धर्म के कार्य में आपका काफी रुचि रहेगी और परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आने से भागदौड़ बनी रहेगी। आप अपने बिजनेस के कामों को कल पर न टाले, नहीं तो पार्टनर इसका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। बिजनेस में दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। आपकी सेहत में उतार-चढ़ाव लगा रहेगा। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है, लेकिन आपको नौकरी से संबंधित किसी काम को लेकर कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। आपकी कोई पुरानी गलती परिवार के सदस्यों के सामने आ सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आप अपनी किसी मनोकामना की पूर्ति के लिए कहीं बाहर जा सकते हैं। वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। माता पिता की सेवा के लिए भी आप कुछ समय निकालेंगे। आपको घूमने-फिरने के दौरान कोई महसूस जानकारी प्राप्त होगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपकी सोच समझ से काम पूरे होंगे और परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। प्रॉपर्टी को लेकर कोई विवाद यदि लंबे समय से घेरे हुए था, तो उससे भी आपको छुटकारा मिलेगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं। आप अपने लिए कुछ शॉपिंग आदि कर सकते हैं। आप किसी से वाद-विवाद में ना पड़ें, नहीं तो इससे आपके आपसी रिश्ते खराब होंगे।

मीन- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आज आप पूरे जोश से कामों को करेंगे। आपकी कार्य क्षमता भी बेहतर रहेगी। आप की कुछ नए लोगों से नजदीकियां भी बढ़ेंगी। लोगों से आप प्रेम से काम निकालने में कामयाब रहेंगे। राजनीति में भी आपको कोई नया पद मिल सकता है। आज आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। पारिवारिक मामलों को आप मिल बैठकर निपटने की कोशिश करेंगे।

शब्दजाल- 8036

शब्दजाल में अर्जुन रामपाल की 10 फिल्मों के नाम छुपिए है. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं।

डॉन, डरना जरूरी है, एक अजनबी, ऐलान, वादा, दिल का रिश्ता, आँखें, दीवानापन, असंभव, दिल है तुम्हारा.

अ	दि	ल	का	रि	श्ता	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	दी	वा	ग्री	ड	इ	ह	ड
वा	व	ना	पू	वा	जी	थ	न	ग	क	र
दा	ची	न	ते	ना	ज	ऑं	म	पा	त	ना
म	त	ई	ड	प	व	खें	न	ग	र्क	ज
र	ए	म	यु	न	दि	पू	न	ड्रॅ	र	रु
ती	जं	क	मे	ता	क	ल	श	न	ज	री
क	ल	ग	अ	सं	भ	व	है	ली	न	है
ब्रे	बो	र्न	य	ज	चि	क	री	तु	प	ला
ऐ	ला	न	न	ज	न	त्र	व	जी	म्हा	त
वे	बी	लो	नि	या	ल	बी	र	रा	त	र

शब्दजाल - 8035 का हल

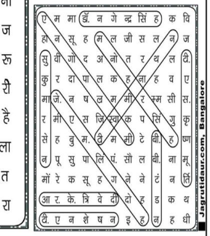

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

30 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.10 बजे से
चंद्र	धनु में	वृश्चिक	09.24 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.40 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	13.46 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.32 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	17.05 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.35 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.15 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.14 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	कर्क	00.27 बजे से
		सिंह	02.43 बजे से
		कन्या	04.55 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 273 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 18.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 06.18 बजे को समाप्त।
योग शोभन 01.03 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 18.07 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 08.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 02° 49'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872483
जूलियन दिन 2460948.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रबी उस्सानी
तारीख 07
विशेष सरस्वती पूजा, दुर्गा अष्टमी, संधि पूजा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6980

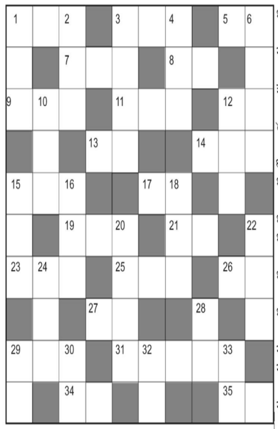

ऊपर से नीचे:-

१. चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५. अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९. चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमृताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6979

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः मनुष्यता का पाठ

यह उन दिनों की बात है, जब अब्राहम लिंकन अमेरिका के राष्ट्रपति थे। अमेरिकी सेना की एक टुकड़ी में एक युवक काम करता था। उसका काम पहरा देना था। वह बहुत ही परिश्रमी और ईमानदार था। सेना की उसी टुकड़ी में युवक का एक करीबी मित्र भी काम करता था। एक बार युवक का मित्र बीमार पड़ गया। मित्र के घर में कोई नहीं था। अब युवक को दो-दो काम संभालने पड़ते थे। दिन में वह बीमार मित्र की सेवा-टहल में लगा रहता और रात में पहरेदारी करता था। एक दिन जब वह पहरा दे रहा था तो अत्यधिक थकान के कारण उसे नींद आ गई और वह ड्यूटी पर ही सो गया। कुछ ही देर में वह सोता हुआ पकड़ लिया गया। युवक को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके खिलाफसैन्य अदालत में मुकदमे की कार्यवाही शुरू हो गई। युवक ने किसी तरह अब्राहम लिंकन के पास प्रार्थनापत्र भेजकर निवेदन किया कि उसे क्षमा किया जाए। उसने अपने प्रार्थनापत्र में लिखा कि मित्र की सेवा में लगे होने के कारण ही ड्यूटी में उदासीनता हुई है। उसके पत्र का लिंकन पर बड़ा प्रभाव पड़ा। उन्होंने उस युवक से मिलने की इच्छा जताई। युवक से मिलकर वह बोले, 'तुम जानते थे, यदि तुम दिन में मित्र की सेवा करोगे, तो रात में पहरे पर जरूर सो जाओगे। फिर भी तुमने अपने मित्र की सेवा क्यों की?' युवक बोला, 'वह मेरा मित्र था श्रीमान्। घर में उसकी देखभाल के लिए कोई नहीं था। एक मनुष्य का यह परम धर्म है कि जब उसका कोई अपना संकट में पड़े, तब वह उसकी सहायता अवश्य करे।' लिंकन युवक के उत्तर से बहुत अधिक प्रसन्न हुए। उन्होंने युवक को क्षमादान देते हुए कहा, 'देखो, जब तक तुम सेना में काम करो, अपनी मनुष्यता को कभी न भूलना। मनुष्य को कभी भी अपनी मनुष्यता को नहीं छोड़ना चाहिए।' लिंकन की क्षमाशीलता ने युवक को सच्चा सैनिक बना दिया।

सूडोकु नवताल- 7289

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7288 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली - 8504

बाएँ से दाएँ

1.साले की पत्नी-4
3.उच्च कुल का -3
5.पाताल-4
8.व्यंग,चुटीली बात-2
10.दुख,कष्ट-2
11.शराब का प्याला-2
13.सत्य,तेज-2
14.जुड़वा-3
15.विश्राम,राहत-3
17.मक्का-मदीना की यात्रा-2
19.झुका हुआ-2
20.टैक्स,हाथ-2
21.होठ,अधर-2
23.सुरक्षित-4
25.नाश,विनाश,विध्वंस-3
26.निश्चित -4

ऊपर से नीचे

1.नदी-3
2.संपति,धन-2
3.वंश,खानदान-2
4.उतमता,परिष्कृतता-4
6.समुद्र,दरिया-3
7.अंधकार-2
9.जो जायज न हो-4
12.संस्कृत में 'मेरा'-2
13.सपाट- 4
16.जांघ-2
17.पैगंबर,महापुरुष-4
18.रनिवास (उर्दू-3)
20.हुनर,फन-2
22.देह,काया-3
23.गलत का विलोम -2
24.निश्चित-2

शब्द पहेली - 8503 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली से बाजार में ये गिरावट आई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 61.52 अंक करीब 0.08 फीसदी नीचे आकर 80,364.94 बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 20 अंकों के नीचे आकर 24,634 के स्तर पर बंद हुआ। आज केवल सरकारी बैंकिंग शेयरों में तेजी रही। निफ्टी पीएसयू बैंक 1.78 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 0.88 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.69 फीसदी, निफ्टी कमोडिटीज 0.69 फीसदी और निफ्टी मेटल 0.35 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी फार्मा 0.15 फीसदी, निफ्टी मीडिया 0.85 फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टाइटन, एसबीआई, ट्रेंट, बीईएल, एनटीपीसी, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस और एमएंडएम के शेयर लाभ में रहे थे। मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, एलएंडटी, आईसीआईसीआई

बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एचयूएल, एचसीएल टेक और कोटक महिंद्रा बैंक टॉप नुकसान में थे वहीं इससे पहले आज सुबह बाजारों ने हल्की बढत के साथ शुरुआत की। आईटी और रियल्टी शेयरों में खरीदारी से बाजार को सपोर्ट मिला। सुबह सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंक चढ़कर 80,588 पर खुला। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 मजबूती के साथ 24,728 पर खुला। हालांकि, कुछ ही देर में बढ़त कम हो गई। ग्लोबल बाजारों की बात करें तो विदेशी निवेशक ब्रिटेन के मनी सप्लाई डेटा, यूरो एरिया की आर्थिक भावना, और जापान के जेजीबी खरीद कार्यक्रम के आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया का रिजर्व बैंक भी आज से अपनी दो दिन की नीति बैठक शुरू कर रहा है। घरेलू मोर्चे पर निवेशक इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन और मैन्युफेक्क्चरिंग डेटा का इंतजार कर रहे हैं। एशियाई बाजारों में सोमवार को मिलेजुले रुख के साथ खुले। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 0.43 फीसदी बढ़ा। दक्षिण कोरिया का कॉपी 1.05 फीसदी बढ़ा। जबकि जापान का इंडेक्स 225 इंडेक्स 0.68 फीसदी गिरा। वहीं अमेरिका के प्रमुख शेयर बाजार शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रास्फीति डेटा के लगभग समान रहने के बाद बढ़त के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.59 फीसदी च?कर बंद हुआ। नेस्डैक कंपोजिट 0.44 फीसदी बढ़ा और डॉव जोन्स 0.65 फीसदी ऊपर रहा।

यूपीआई से अब ईएमआई में कर सकेंगे भुगतान, जल्द आएगा नया फीचर

नई दिल्ली। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) को और अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है। अब जल्द ही यूजर्स को यूपीआई के जरिए किए गए पेमेंट्स को आसान इ ' ए म अ ा इ ' (इक्केटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) में बदलने की सुविधा मिलेगी।

इस सुविधा के तहत यूजर्स अपने क्रेडिट कार्ड या बैंक द्वारा दी गई क्रेडिट लाइन को यूपीआई से लिंक कर सकेंगे। पेमेंट करते समय, जैसे ही क्यूआर कोड स्कैन किया जाएगा, यूजर्स को तुरंत ईएमआई का विकल्प दिखेगा। वे अपनी पसंद के अनुसार 3, 6, 9 या 12 महीने की ईएमआई चुन सकेंगे। जिनके पास क्रेडिट कार्ड नहीं है, वे भी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। हालांकि, यह फीचर फिलहाल लाइव नहीं है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक एनपीसीआइ इसे जल्द लागू कर सकता है। इसका उद्देश्य यूपीआई पर क्रेडिट ट्रांजैक्शंस को बढ़ावा देना है। इससे ग्राहकों को बड़ी खरीदारी करने में आसानी होगी और उन्हें एक साथ बड़ी रकम चुकाने की आवश्यकता नहीं होगी। फिनटेक कंपनियां भी इस फीचर को लेकर तैयारियों में जुटी हैं।

भारत ग्रीन हाइड्रोजन में बन रहा वैश्विक नेतृत्व

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत ग्रीन हाइड्रोजन इंडस्ट्री में दुनिया के अग्रणी देशों में से एक बन रहा है। देश में लो-कॉस्ट हाइड्रोजन उत्पादन की क्षमता इसके प्रतिस्पर्धियों के बीच शुरुआती गति बनाए रखने और ऑफटेक समझौतों को सुरक्षित करने पर निर्भर करती है। भारत के पास ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र के विकास के लिए आवश्यक मजबूत संसाधन और तकनीकी आधार मौजूद है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 4 जनवरी 2023 को नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को 19,744 करोड़ रुपये के बजट के साथ मंजूरी दी है।

इस मिशन का उद्देश्य भारत को 2030 तक वार्षिक 50 लाख मीट्रिक टन हाइड्रोजन उत्पादन और वैश्विक व्यापार में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने वाला वैश्विक केंद्र बनाना है। इसके साथ ही सरकार ने हाइड्रोजन इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप्स को 100 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया है, जिसमें प्रति प्रोजेक्ट 5 करोड़ रुपये तक की सहायता दी जाएगी। 26 सितंबर को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भारत के पहले हाइड्रोजन राजमार्गों का शुभारंभ किया, जिससे लंबी दूरी के हाइड्रोजन-चालित माल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। इसके तहत राष्ट्रीय राजमार्गों पर हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं। भारत की भौगोलिक स्थिति यूरोप, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों को हाइड्रोजन निर्यात के लिहाज से लाभदायक है। भारत ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के नए आयाम स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।

माँ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति द्वारा आकर्षक पंडाल सजाकर की जा रही माता रानी की आराधना

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर में पूरानी गुजरी चौक में माँ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा प्रतिवर्ष शारदेय नवरात्रा पर्व पर ऐतिहासिक साज सज्जा पण्डाल निर्माण कर माता रानी की आराधना की जाती है जो कि संपूर्ण क्षेत्र में आकर्षण का केन्द्र होती है। विगत वर्ष जहां समिति के द्वारा शतचण्डी यज्ञ का अलौकिक कार्यक्रम करवाया गया था। वही इस वर्ष भी समिति के द्वारा एक विशाल दर्शनीय पण्डाल का निर्माण कर मातारानी की प्रतिमा स्थापित की गई है। जो कि माता रानी झुले पर विराजमान है और देवो के देव महादेव मातारानी को झुला झूल रहे है। इस अद्भूत दर्शय को मुर्तिकार ने बड़े ही सुन्दर रूप में निर्मित किया है जिसके दर्शनो के लिये दुर दराज से श्रृद्धालु भक्त दर्शन के लिये पंहुच रहे है।

माता के दरबार में रोजाना महाप्रसाद का आयोजन

माँ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा प्रतिवर्ष जहां भव्य पण्डाल का निर्माण किया जाकर माता रानी की अलौकिक प्रतिमा स्थापित की जाकर भक्ति भाव के साथ आराधना की जा रही है। वहीं समिति के द्वारा रोजाना संध्या आरती के पश्चात महाप्रसाद का आयोजन भी किया जाता है जहां हजारों भक्तगण प्रसाद लेने के लिये पण्डाल स्थल पंहुचकर प्रसाद ग्रहण करते है। समिति के अध्यक्ष मनीष लालू अग्रवाल ने बताया महाअष्टमी की विशेष पूजा अर्चना के पश्चात नवमी को हवन पूजन कर दशहरा पर्व के पश्चात प्रतिमा का विसर्जन किया जायेगा। विसर्जन पर भव्य झांकी का आयोजन किया गया है जो रमणीय एवं दर्शनीय होगा। अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, राजू गोस्वामी, संदीप अग्रवाल, उमाकांत उपराड़े, अमित पाण्डे, संतोष महोबिया, गिरीश अग्रवाल, संतोष भार्गव, मुकेश महोबिया, राजा वानखेड़े, पप्पू पाण्डे, तरूण किरनापुरे, जय श्रीवास्तव, राजा कालबेले, ओपी चोरवाड़े, पंकज महोबिया, अतुल महोबिया, पार्थ पाण्डे, पलाश गोस्वामी, सागर पाण्डे, डॉ सुधांशु कलचुरी, अभय पाण्डे, डॉ हिमांशु कलचुरी, मोनू मिश्रा, विक्कू कालबेले, अरविंद मिश्रा, अनमोल खरगाल, प्रतीक गोस्वामी, अंकित सिंह बैस, हर्ष बक्शी, सचिन मिश्रा, ओम कालबेले, वेदांत पालीवाल, तरूण उपाध्याय, कुणाल गोस्वामी, बादल घोरमारे, सौरभ अग्रवाल, अरविंद दुबे, सम्राट बैस, सागर सोनी, अंकू पाण्डे, आर्यन पाण्डे, यश अग्रवाल, आर्यन उके, कमलेश गुरदे, कार्तिक कचवाहे, मयंक कुशले, तनु दुबे, शांतनु मानकर, बिट्टू दुरूगकर, शानू पाण्डे, देवेश पाठक, संजू यादव, ऋषभ बदरी, दीशांत बडमे, सदानंद चोरवाडे, विजय पाण्डे, राज झा, तेजस बिलगौर, वैभव नगपुरे, हर्ष तिवारी, मोहित यादव, प्रशांत महोबिया, सचिन पाण्डे ने समस्त धर्म प्रेमियो से उक्त कार्यक्रमों में पंहुचने की अपील की है।

अवारीटोला में सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति द्वारा बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा नवरात्र पर्व

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति अवारीटोला में नवदुर्गा पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। 22 सितंबर को मां दुर्गा जी की स्थापना की गई है 23 सितंबर से 26 सितंबर तक प्रतिदिन जस पार्टी व रंगारंग कार्यक्रम सम्पन्न कराये गए। 27 सितम्बर को महिलाओं द्वारा गरबा की प्रस्तुति दी गई। 28 सितंबर को कार्यक्रम स्थल पर बड़ा पर्दा लगाकर भारत एवं पाकिस्तान के हुए एशिया कप का फाइनल मुकाबला दिखाया गया, जिसमें भारत ने शानदार जीत दर्ज की। 29 सितंबर को महिलाओं द्वारा गरबा की प्रस्तुति दी गई। आज 30 सितंबर को झाड़ी पट्टी मराठी नाटक दुख एक यातना कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम के तहत 1 अक्टूबर को जवारा विसर्जन एवं महाप्रसादी वितरण किया जाएगा। 2 अक्टूबर को रावण का दहन होगा तथा 3 अक्टूबर को सुबह माता रानी की झांकी निकाल कर ग्राम का भ्रमण कर प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

ग्राम की सरपंच स्नेहा जितेन्द्र बागड़े, समिति के अध्यक्ष तुषार निमजे, उपाध्यक्ष महेश मेंढे, सचिव दिलीप ब्राम्हणकर, सहसचिव राकेश बागड़े, लोकेश बागड़े, धर्मराज बागड़े, चैतराम सोनवाने, भरतबागड़े, भरतराम महारवडे, गोपीचंद मटाले व सभी सदस्यगणों ने सभी क्षेत्र वासियों से कार्यक्रमों में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

सुभाष चौक में सद्भावना मित्र मण्डल द्वारा स्थापित प्रतिमा बनी आकर्षण का केंद्र

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था सद्भावना मित्र मण्डल लांजी व माँ कालीघाट जनकल्याण समिति के द्वारा विगत 35 वर्षो से लांजी नगर के हृदय स्थल सुभाष चौक में दुर्गा उत्सव कार्यक्रम के आयोजन के तहत माता रानी की प्रतिमा स्थापित की जाती है। नवरात्रि में 9 दिनों तक विशेष पूजा अर्चना सहित नित नये आयोजन भी समिति के द्वारा करवाया जाता है। क्षेत्र में सुप्रसिद्ध है लांजी सुभाष चौक मे स्थापित माता रानी की प्रतिमा जो कि संपूर्ण जिले में मनोकामना पूर्ण करने वाली माता के रूप में प्रसिद्ध है। इस वर्ष लांजी नगर का हृदय स्थल और भी ज्यादा आकर्षण का केन्द्र इसलिये बना हुआ है सद्भावना मित्र मण्डल लांजी के द्वारा दुर्ग स्थित धनोद से मातरानी की प्रतिमा लाई गई है जो कि विशेष आकर्षण का केन्द्र होती है। वहीं समिति के द्वारा भव्य पण्डाल का निर्माण कार्य करवाया गया है जहां भक्तगण आसानी से बड़े आराम से पण्डाल के अन्दर पंहुचकर मातारानी के इतमिनान से दर्शन लाभ ले सकते है। उक्त संपूर्ण आयोजन सद्भावना मित्र मण्डल अध्यक्ष युगेश रामटेक्कर, विधायक राजकुमार करांहे, नितिन पशीने, मधुकर आसटकर, रुपचन्द रामटेक्कर, सचिन अग्रवाल, कैलाशपुरी गोस्वामी, देवानन्द कुर्वे, राजा महिमेहरो, सतीश दुरुगकर, राजु मोहारे, विशाल दुग्गड़, बबलु शिवालिया, हुकुमचन्द जुझार, योगेन्द्र बबली मिश्रा, विशाल दुग्गड़, डॉ.राजेश रणदिवे, मोनु पशीने, अंकित अग्रवाल, मुकेश देवगड़े, गजानन बड़घैया, अंकित शर्मा, रोशन आसटकर, संतोष भार्गव, कमलेश बडगैया, टेकचंद बिहोने, डॉ देवेश ऐड़े, ओमप्रकाश आसटकर, लक्ष्मण किरनापुरे के द्वारा किया जा रहा है। लांजी नगर मे सद्भावना मित्र मण्डल द्वारा स्थापित माता रानी की प्रतिमा संपूर्ण क्षेत्र मे प्रसिद्ध है मनोकामना पूर्ण करने वाली माता के दर्शनो के लिये आस पास के क्षेत्र सहित पडोसी राज्यो के भी भक्त गण दर्शनार्थी लांजी पंहुचते है माता के दर्शनो के लिये, वंही इस वर्ष सुन्दर मनोरम दृश्य के साथ सिंह पर सवार करती मातारानी तथा नंदी बाबा की सवार करते शिवजी की प्रतिमा अपने आप में एक अलौकिक दर्शय है। जिनके दर्शनो के लिये भारी संख्या मे भीड़ उमड़ रही है। वहीं रोजना माता रानी के दरबार में महिला भक्तो के द्वारा गरबा उत्सव का आयोजन कर विशेष आराधना की जा रही है। बतादे कि गरबा भी एक प्रकार से माता रानी की आराधना है जहां गरबा नृत्य के साथ पूजन अर्चन किया जाता है तथा माता रानी को समर्पित गीतो में महिलाऐं गरबा नृत्य करने दिखाई देती है। वहीं इस गरबा उत्सव का आनंद यहां आने वाले दर्शनाथी प्राप्त कर पूण्य लाभ अर्जित करते है।

पुलिस ने अवैध रेत परिवहन के मामले में ट्रेक्टर जप्त कर चोरी की धाराओं में की कार्रवाई

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र में विगत कई दिनों से रेत का धडल्ले से अवैध खनन कर परिवहन किया जा रहा था जिसको लेकर समाचार पत्रो के माध्यम से भी खब प्रकाशित की गई थी कि लांजी क्षेत्र के ग्राम पीपलगांव, पौनी, हरदीटोला परसाटोला, परसोडी, बापड़ी, सर्रा सहित अन्य नदी स्थित घाटो से रेत का खनन एवं परिवहन जा रही है। साथ ही इस संबध में ग्रामीणो के द्वारा लगतार पुलिस को शिकायतें एवं सूचनाऐं भी दी जा रही थी जिसको लेकर लांजी पुलिस सक्रिय होकर 28 सितंबर को रेत से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली को जप्त कर चोरी की धाराओं में कार्यवाही की गई है। इस संबध में लांजी पुलिस के द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा भापुसे के द्वारा थाना क्षेत्र में किसी भी प्रकार से जुआ सट्टा, अवैध शराब, उत्खनन एवं अन्य अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्यवाही हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है। निर्देशो के परिपालन में 28 सितंबर 2025 को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्श कांत शुक्ला भापुसे,एसडीओपी लांजी ओमप्रकाश भापुसे के मार्गदर्शन में थाना लांजी के द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुय अवैध रूप से रेत उत्खनन कर परिवहन कर ट्रैक्टर ट्रॉली को जप्त कर कार्यवही की गई है। 28 सितंबर को थाना लांजी पुलिस को सूचना प्राप्त हुई की सोननदी के पीपलगांव घाट से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर ट्रैक्टर के माध्यम से परिवहन किया जा रहा है सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुये थाना लांजी की पुलिस टीम के द्वारा ग्राम कालीमाटी से आयशर कंपनी के एक ट्रैक्टर को जप्त कर आरोपी चालक के विरूद्ध थाना लांजी में अपराध क्रमांक 303/25 धारा 303-2, भारतीय न्याय संहिता 4/21 खान एवं खनिज विकास और विनिमय अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। प्रकरण में आरोपी विकास पिता कपूरचंद कालबेले उम्र 28 वर्ष निवासी कोसमारा लांजी को हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी कार्यवही पूर्ण कर जेल रवाना किया गया है। उक्त कार्यवाही में सराहनीय भूमिका थाना प्रभारी उनि दीपसिंह परमार, एएसआई तोपसिंह उइके, दिलीप यादव, सूजीत पाल सहित अन्य पुलिस बल की उल्लेखनीय भूमिका रही।

जनपद पंचायत लांजी में लेखापाल दीपलाल शरणागत की सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लांजी में लेखापाल के पद पर कार्यरत दीपलाल शरणागत 30 सितंबर 2025 को अपनी 62 वर्ष की अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उन्होंने जनपद पंचायत लांजी में 38 वर्ष 6 माह तक अपनी सेवाएं दीं। इस अवसर पर 29 सितंबर को जनपद पंचायत के सभाकक्ष में एक भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सरपंचों, सचिवों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों ने श्री शरणागत को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष अर्चना खोंगल, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेंद्र खोंगल, जनपद सदस्य महेंद्र पटले, श्यामलाल बेदरे, नीलकंठ ठाकरे, सरपंच संघ अध्यक्ष ललीत कबीरे, उपाध्यक्ष नेहल तुमेश्वर गौतम, सचिव ताराचंद कुचलाहे, गणेश बागड़े, अरुण कबीरे, चमरूलाल पगवारे, संतोष यादव, खेमराज मच्छिरके, कृष्णा पांचे, लिकेश एड़े, चित्रलेखा अस्तने, डिलेश्वर बसेना, सचिव संगठन अध्यक्ष भुवन कबीरे, उपाध्यक्ष उकराम भगत, पंचायत निरीक्षक लेखराम रामटेक्कर, पंचायत समन्वय अधिकारी राजेंद्र टांडेकर, महेंद्र सिरामे, सुनीता तिवारी, संदीप मर्सकोले, के.के. भालाधरे सहित जनपद के समस्त कर्मचारी, सरपंच और सचिव उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री शरणागत की पत्नी, बच्चे और परिवार के सदस्य भी मौजूद थे।

पूर्व जनपद अध्यक्ष ने की कार्यों की सराहना

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेंद्र खोंगल ने अपने दो कार्यकाल की यादों को ताजा करते हुए श्री शरणागत के समर्पण और कार्यकुशलता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि श्री शरणागत ने अपनी सेवाओं के दौरान न केवल जनपद पंचायत के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित किया, बल्कि अपनी सादगी और कर्तव्यनिष्ठा से सभी के दिलों में जगह बनाई।

सरपंच संघ अध्यक्ष ने व्यक्त किए विचार

सरपंच संघ के अध्यक्ष ललीत कबीरे ने अपने संबोधन में श्री शरणागत के कार्यों को प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि उनकी कार्यशैली और सहयोगी रवैये ने जनपद पंचायत के कार्यों को नई दिशा प्रदान की। सरपंच खेमराज मच्छिरके ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री शरणागत के साथ बिताए पलों को याद किया और उनके स्वस्थ और सुखमय भविष्य की कामना की।

श्री शरणागत ने जताया आभार

इस अवसर पर दीपलाल शरणागत ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनपद पंचायत लांजी उनके लिए एक परिवार की तरह रहा है। उन्होंने अपने 38 वर्ष से अधिक के कार्यकाल में मिले सहयोग और स्नेह के लिए सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह विदाई उनके लिए एक भावनात्मक क्षण है, लेकिन वे हमेशा लांजी के विकास और समृद्धि के लिए शुभकामनाएं देंगे।

सामूहिक सम्मान और शुभकामनाएं

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सरपंचों, सचिवों और कर्मचारियों ने भेंट देकर श्री शरणागत को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में उपस्थित उनके परिवारजनों ने भी इस आयोजन को यादगार बताया। कार्यक्रम का संचालन सुचारू रूप से संपन्न हुआ और सभी ने श्री शरणागत के योगदान को याद करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

नशे की लत है ऐसी,जो कर दे जिंदगी नर्क जैसी

साकेत के छात्र छात्राओं ने दिया नशामुक्ति का संदेश

लांजी (पद्मेश न्यूज)। संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास म.प्र. भोपाल के निर्देशारनुँसार एवं स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर संतोष मोरघड़े के मार्गदर्शन में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा हैं इसी क्रम में नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन जैसे-निबंध,रंगोली, रैली व अन्य कार्यक्रम करने की रूप रेखा पूर्वत: निर्धारित हैं, जिसके तारतम्य में साकेत पब्लिक स्कूल के छात्र/छात्राओं द्वारा "नशामुक्ति अभियान" के अंतर्गत नगर में रैली निकालकर नारों के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया है। तथा नगर के नागरिकों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में अवगत कराते हुये एवं नशा मुक्त प्रदेश एवं नशामुक्त भारत में सहयोग करने की अपील की उक्त रैली में समस्त छात्र/छात्राओं के साथ विद्यालय के प्राचार्य महेन्द्र कुमार दुरूगकर, प्रधान पाठक श्रीमती नेत्रेश्वरी सोनवाने एवं शिक्षक/शिक्षिका कोमल प्रसाद ठाकरे, प्रदीप रामटेके, निर्मल सोलंकी, हेमन्त महोबिया, शिक्षिका श्रीमती मंजु कश्यप, लता मुरकूटे आदि उपस्थित थें।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

गाड़ियों की खरीदी, विदेश यात्रा पर लगाम!

जीएसटी 2.0 से मप्र की जेब खाली...वित्तीय भार कम करने होगी खर्चों में कटौती

भोपाल। मध्यप्रदेश की वित्तीय स्थिति पर जीएसटी 2.0 का बड़ा असर पड़ा है। नए नियमों के चलते राज्य को 12,000 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। नतीजा यह होगा कि अब सरकार को अपने खर्चों में भारी कटौती करनी पड़ेगी। सरकारी दफ्तरों में फिजूलखर्ची रोकने के लिए आदेश जारी किए गए हैं। गाड़ियों की खरीदी बंद कर दी गई है। नए दफ्तरों का निर्माण टल गया है। डायरी और कैलेंडर छपाई रुकी, वहीं विदेश यात्राओं पर ब्रेक और बड़े आयोजनों पर लगाम लगाई जा रही है। वित्त विभाग के अफसरों का मानना है कि अब राज्य सरकार को अपनी प्राथमिकताओं को फिर से तय करना होगा। जरूरी योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों को प्राथमिकता मिलेगी, जबकि बाकी खर्चों पर कैंची चलेगी।

जानकारी के अनुसार, जीएसटी 2.0 के कारण केंद्र के हिस्से में 12-13 प्रतिशत तक की कमी आई है। इसी वजह से राज्य सरकार को गाड़ियों की खरीद, नए दफ्तरों का निर्माण, डायरी-कैलेंडर की छपाई और विदेश यात्राओं जैसे बड़े खर्चों पर रोक लगानी पड़ी है। सरकार ने हाल ही में पुलिस और अन्य विभागों के लिए नई वर्दियां देने की योजना बनाई थी, लेकिन अब इस पर भी रोक लगने की संभावना है। नए प्रोजेक्ट्स और योजनाओं के लिए फंड का इंतजार करना होगा। राज्य सरकार को मिलने वाली जीएसटी भरपाई (कंपनसेशन) घटने से सीधा असर विकास योजनाओं और कर्मचारियों के भत्तों पर पड़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, मध्यप्रदेश को हर साल लगभग 12 हजार करोड़ रुपये की मदद मिलती थी, लेकिन अब इस सहायता में बड़ी कटौती हो चुकी है।

आम आदमी पर कोई बोझ नहीं

जीएसटी में आम आदमी को मिलने वाली टैक्स छूट का असर प्रदेश के खजाने पर भी पड़ेगा पर सरकार आम आदमी पर कोई बोझ नहीं डालेगी बल्कि वह अपने खर्चों में कटौती करेगी। इसके लिए विभिन्न विभागों ने कवायद भी शुरू कर दी है। वित्त विभाग जहां एक अफसर, एक वाहन के फार्मूले पर विचार कर रहा है वहीं नगरीय निकायों में ई वाहन पर जोर दिया जा रहा है। इसके साथ ही सोलर सिस्टम बढ़ाकर बिजली पर होने वाले खर्चों में भी भारी कमी का प्लान तैयार किया गया है। जीएसटी में किए गए टैक्स छूट प्रावधानों का असर एमपी पर भी पड़ेगा। माना जा रहा है कि मध्यप्रदेश को जीएसटी में केन्द्र सरकार से मिलने वाली राशि सालाना 25 सौ करोड़ रुपए की कमी आएगी। इसके लिए सरकार अब मितव्ययता पर गंभीरता से विचार कर रही है। जल्द ही सभी विभागों से कहा जाएगा कि वे अपने अनावश्यक खर्चों को कम करें और इस बात के भी सुझाव लिए जाएंगे कि खर्चों को कैसे कम किया जा सकता है। सूत्रों की माने तो इसमें सबसे पहले एक अफसर एक-एक वाहन पर विचार किया जा रहा है। यह फार्मूला मंत्रियों पर भी लागू किया जा सकता है।

अफसरों के वाहनों में कटौती

सरकार के संज्ञान में आया है कि अभी कई अफसरों के पास दो से चार वाहन है। दरअसल कई आला अफसरों के पास एक से अधिक विभागों समेत निगम मंडलों, बोर्ड आदि के प्रभार भी है। ये अधिकारी कई जगह से गाड़ी लिए हुए हैं। यह बात भी सरकार के ध्यान में लाई गई है कि कुछ अफसर जिन पुराने विभागों में थे, वहां से तबादला होने के बाद भी उस विभाग का एक वाहन अपने पास रखे हुए हैं। अब एक से अधिक वाहन वाले अफसरों की सूची तैयार हो सकती है। इसकी जानकारी अधिकारियों के विभाग से ही बुलवाई जा रही है। अधिकांश विभागों में सरकारी वाहनों के अलावा किराए के वाहन लिए गए हैं। इन पर होने वाले खर्चों का भी अनुमान लगाया जा रहा है। अफसरों को ई वाहन उपलब्ध कराने पर भी विचार हो रहा है। इसके अलावा किस अफसर के यहां कितने कर्मचारी तैनात है इस पर भी ध्यान दिया जा रहा है। सूत्रों की माने तो आउटसोर्स का सिस्टम जबसे लागू हुआ है तब से अनेक विभागों में आला अधिकारी से लेकर प्रथम श्रेणी के अधिकारी तक के पास कई कर्मचारी तैनात हो गए हैं। अब इनमें भी कटौती की जा सकती है।

निकाय में लगेंगे सोलर पावर प्लांट

प्रदेश के नगरीय निकायों में बिजली आदि से होने वाले खर्चों को कंट्रोल किया जाएगा। नगरीय विकास विभाग ने अपने खर्चों को घटाने के लिए प्लान भी तैयार कर लिया है। विभाग ने सभी नगरीय निकायों को मितव्ययता अपनाने के निर्देश दिए हैं। निकायों से कहा गया है कि सबसे पहले अस्थाई बिजली कनेक्शन बंद करें और सोलर माडल को अपनाएं। अब प्रत्येक नगरीय निकाय में सोलर पावर प्लांट लगेगा। इससे बिजली की बचत होगी। इसके अलावा यह भी निर्णय लिया गया है कि कचरे के लिए अब जो भी नए वाहन खरीदे जाएंगे वे सभी ई वाहन होंगे। इसके लिए चार्जिंग पाइंट की भी व्यवस्था की जा रही है। विभाग का मानना है कि यह इन छोटे छोटे उपायों को अपनाकर हर साल 15 सौ करोड़ तक बचा सकता है। नगरीय निकायों से कहा गया है कि उनके पास जहां जगह है वे वहां सोलर प्लांट लगाने का प्रस्ताव संचालनालय को भेजें। गौरतलब है कि बिजली बिल में नगरीय निकायों की बड़ी राशि जा रही है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा जैसे शहरों में यह एक करोड़ से भी अधिक है। अब सबसे पहले इसे कम करने पर विचार हो रहा है।

अब 230 से ज्यादा बीमारियों की जांच एक ही मशीन से

एम्स में हाईटेक जांच सुविधा शुरू...रिपोर्ट मिलेगी तेज

भोपाल। एम्स भोपाल में अब मरीजों को जांच के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अस्पताल के जैव रसायन विभाग में कोबास प्रो एडवांस्ड इंटीग्रेटेड क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री एनालाइज़र के जरिए जांच प्रक्रिया को और ज्यादा आधुनिक व तेज बना दिया गया है। यह मशीन प्रति घंटे 2,000 से अधिक टेस्ट करने की क्षमता रखती है, जिससे बड़ी संख्या में मरीजों को समय पर और सटीक रिपोर्ट मिल सकेगी। लगभग 3 करोड़ की लागत वाली यह मशीन मध्यप्रदेश के किसी भी सरकारी अस्पताल में पहली बार स्थापित की गई है। यह एम्स भोपाल को न सिर्फ प्रदेश में बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी तकनीकी रूप से अग्रणी बनाती है। कोबास प्रो मशीन एक पूरी तरह से एकीकृत, ऑटोमेटेड जैव रसायन विश्लेषक है जो न सिर्फ तेज़ परिणाम देती है, बल्कि उसकी रिपोर्टिंग में सटीकता भी बनी रहती है। मरीजों को कम समय में भरोसेमंद परिणाम मिलना एम्स भोपाल की स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई देगा। एम्स के प्रो. डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि यह मशीन एक बार में 230 से अधिक तरह की जांच करने में संभव हैं। जो अब तक 4 अलग-अलग तरह की मशीनों से होती थी। एक मशीन से यह सभी जांच होने से हम कम समय में रिपोर्ट दे सकेंगे। खास तौर पर क्रिटिकल, इमरजेंसी और आईसीयू में भर्ती मरीजों की रिपोर्ट महज 30 मिनट में ही तैयार हो जाएंगी।

जांच की सटीकता और गति दोनों में बेहद प्रभावशाली

जैव रसायन विभाग के प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि कोबास प्रो ई-800 एक पूरी तरह से एकीकृत, अत्याधुनिक क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री एनालाइज़र है। यह मशीन जांच की सटीकता और गति दोनों में बेहद प्रभावशाली है। अब मरीजों को रिपोर्ट के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा और डॉक्टरों को भी समय पर सटीक जानकारी मिलेगी, जिससे इलाज में देरी नहीं होगी।

मरीजों के लिए एक बड़ी राहत

डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि एम्स भोपाल में शुरू की गई यह अत्याधुनिक जांच सुविधा मरीजों के लिए एक बड़ी राहत है। इससे जहां जांच की गति बढ़ेगी, वहीं इलाज में भी देरी नहीं होगी। यह पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाएगी, बल्कि सरकारी अस्पतालों की क्षमता और भरोसे को भी मजबूत करेगी। यह नई मशीन ब्लड शुगर, लिवर, हार्मोन, थायरॉइड प्रोफाइल और किडनी फंक्शन टेस्ट से लेकर विटामिन और कैंसर मार्कर तक 230 से अधिक तरह की जांचें करने में संभव है। जो अब तेजी और सटीकता से हो सकेंगी। यह मशीन मध्य प्रदेश के किसी भी सरकारी अस्पताल में पहली बार स्थापित की गई है।

बिहार में सक्रिय हुए मप्र भाजपा के दिग्गज

भोपाल। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मप्र के दिग्गज नेताओं को भाजपा ने तैनाती की है। मप्र भाजपा के प्रभारी डॉ महेन्द्र सिंह को बिहार विधानसभा चुनाव में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव के लिए बिहार को 5 जोन में बांटा है। इनमें से दो बड़े जोन मिथिला और तिरहुत की जिम्मेदारी डॉ महेन्द्र सिंह को दी गई है।

एमपी भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ महेन्द्र सिंह और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा मिथिला और तिरहुत जोन में करीब 12 जिलों की 58 विधानसभा सीटें और 10 लोकसभाएं शामिल हैं।

त्योहारी सीजन का तोहफा...

मप्र के साढ़े चार लाख पेंशनरों को मिलेगी 55 फीसदी महंगाई राहत

भोपाल। त्योहारी सीजन में मध्य प्रदेश के साढ़े चार लाख से अधिक पेंशनरों के लिए छत्तीसगढ़ से अच्छी खबर आई है। इन्हें दो प्रतिशत की दर से अधिक महंगाई राहत मिलेगी, यानी वृद्धि के बाद यह 55 प्रतिशत हो जाएगी। यद्यपि, यह जनवरी से नहीं, बल्कि सितंबर की पेंशन से मिलेगी। अक्टूबर में भुगतान बढ़ी हुई दर पर होगा। वित्त विभाग छत्तीसगढ़ से सहमति मिलने के बाद अब महंगाई राहत में वृद्धि के लिए कैबिनेट के समक्ष निर्णय के लिए प्रस्ताव रखेगा।

प्रदेश में कर्मचारियों को एक जनवरी 2025 से 55 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता मिल रहा है, जबकि पेंशनरों को मार्च 2025 से 53 प्रतिशत की दर से महंगाई राहत दी जा रही है। इस दो प्रतिशत के अंतर का कारण वित्त विभाग छत्तीसगढ़ से प्राप्त सहमति को बताता है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि मध्य प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 के तहत पेंशनर व परिवार पेंशनर को दी जाने वाली महंगाई राहत में वृद्धि का निर्णय दोनों राज्यों की सहमति से होता है।

छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से गत 12 मार्च 2025 को सातवें वेतनमान में तीन और छठवें वेतनमान में सात प्रतिशत महंगाई राहत बढ़ाने की सहमति दी। इसके आधार पर वृद्धि की गई। अब 53 प्रतिशत महंगाई राहत को दो प्रतिशत बढ़ाकर कर्मचारियों के महंगाई भत्ते के बराबर करने की सहमति दी गई है। यह सितंबर की पेंशन से लागू होगी यानी अक्टूबर से भुगतान प्राप्त होगा। इसके आधार पर ही प्रस्ताव तैयार किया गया है।

भेदभाव कर रही है सरकार

पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आमोद सक्सेना का कहना है कि मध्य प्रदेश वेतन पुनरीक्षण नियम 2009 के अंतर्गत राज्य के कर्मचारियों के साथ-साथ पेंशनरों को भी एक जनवरी 2006 से छठवें वेतनमान का लाभ देने का निर्णय लिया था, किंतु पेंशनरों को इसका लाभ एक सितंबर 2008 से दिया गया।

बिना प्रोसेसिंग यूनिट मप्र के लोगों को कैसे मिलेगा रोजगार

भोपाल। सिंगरौली, कटनी और अब जबलपुर में सोने का भंडार मिला है। जबलपुर के सिहोरा में 150 एकड़ में यह संपदा मौजूद है। इसके पूर्व कटनी में 16 एकड़ में और सिंगरौली में करीब 100 एकड़ में सोने-चांदी की मौजूदगी मिली है, लेकिन इन खनिजों को निकालने के बाद रिफाइंड के लिए प्रदेश में एक भी प्रोसेसिंग यूनिट नहीं है। इसलिए, इन खनिजों को कर्नाटक भेजा जाएगा। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि सोने के इन भंडारों से मप्र के लोगों को किस तरह रोजगार मिल पाएगा।

खनन और उद्योग से जुड़े जानकारों का कहना है कि जब तक कटनी और जबलपुर में सोने-चांदी की प्रोसेसिंग यूनिट नहीं लगती, तब तक इन खदानों का फायदा आम लोगों को नहीं होगा। न तो रोजगार बढ़ेंगे और न ही व्यापार। हालांकि खनिज विभाग का कहना है कि तीनों जिलों में सोने-चांदी की उपलब्धता को देखते हुए यहां प्रोसेसिंग यूनिट लगाना ही होगा। इन खदानों को लीज पर लेने वाली कंपनी प्रोसेसिंग यूनिट लगाएगी।

खदानों से निकलेंगे कई तरह के मिनरल

कटनी के खनिज विभाग के प्रभारी डा. रत्नेश दीक्षित के मुताबिक खदानों में मौजूद चट्टानों को तोड़कर उसमें से न सिर्फ सोना, बल्कि चांदी, कापर, जिंक और लेट भी अलग-अलग किया जाएगा। इसके लिए प्रोसेसिंग यूनिट होना अनिवार्य है। प्रोसेसिंग यूनिट में धातुओं को शुद्ध करने के लिए रासायनिक और भौतिक प्रक्रिया होती है। अशुद्ध सोने या चांदी को अलग करके उच्च ताप में शुद्ध धातु निकाली जाती है। सोने या चांदी के कणों को पारे में घोला जाता है, जिससे अमलगम नामक मिश्र धातु बनती है। इस तरीके से छोटी मात्रा में धातु को केंद्रित किया जाता है। इसके बाद इसे पिघलाकर अशुद्धियों को हटाते हैं। इसके बाद इसमें सबसे पहले रासायनिक विधियों के उपयोग से सोने और चांदी की मिश्र धातु से चांदी को अलग करने के लिए नाइट्रिक एसिड का उपयोग किया जाता है। प्रोसेसिंग यूनिट लगने से युवाओं और महिलाओं को रोजगार मिलेगा, व्यापारियों को शुद्ध और कम दाम में सोना-चांदी उपलब्ध हो पाएगा।

लीज लेने वाली कंपनी प्रोसेसिंग यूनिट लगाएगी

खनिज अधिकारियों को कहना है कि जबलपुर के सिहोरा से लगे केवलारी में करीब 60 हेक्टेयर में सोने की खदान मौजूद है, लेकिन यहां, यह कितनी मात्रा में किस गुणवत्ता का है इसकी जांच की जा रही है। इसके बाद ही इसे लीज पर दिया जाएगा। यहां पर एक टन खनिज में करीब 21 ग्राम सोना निकलने की संभावना है। लीज लेने वाली कंपनी यहां प्रोसेसिंग यूनिट भी लगाएगी। वहीं व्यापारियों का कहना है कि सोने-चांदी की खदान होने के साथ यदि यहां पर इसकी प्रोसेसिंग यूनिट लगेगी, तभी इसका फायदा सराफा के व्यापारी और सोना-चांदी खरीदने वाले ग्राहक को होगा।

आज महाअष्टमी...कल नवमी... 2 को दशहरा

भोपाल। शक्ति की भक्ति का शारदीय नवरात्र पर्व पर अंतिम दिनों की ओर बढ़ रहा है। नवरात्र की छटा से पूरा शहर आस्था और भक्ति में सराबोर हो उठा है। हर कहीं भक्ति का उल्लास नजर आ रहा है।

दस दिवसीय नवरात्रि पर्व के तहत मंगलवार को महाअष्टमी मनाई जाएगी, वहीं बुधवार को महानवमी और 2 अक्टूबर को बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व विजयादशमी दशहरा मनाया जाएगा। शहर के सभी देवी धामों में सुबह से देर रात तक अनुष्ठानों और दर्शनों का सिलसिला जारी है। शारदीय नवरात्र की छटा से इन दिनों पूरा शहर आस्था और भक्ति में सराबोर हो उठा है। देवी मंदिरों में सुबह-शाम दुर्गा सप्तशती के पाठ, शंख-घंटों की गूंज और भजन-कीर्तन से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया है। हर मोहल्ले, हर पूजा मंडप और लगभग हर घर में देवी गीतों की स्वर लहरियां गूंज रही हैं।

मंगलवार को महाअष्टमी पर घर-घर में कुलदेवी का पूजन किया जाएगा। संधि पूजा संध्याकाल में पूजा का मुहूर्त 5 बजकर 42 मिनट से लेकर शाम 6 बजकर 30 मिनट तक है, वहीं अष्टमी तिथि पर शोभन योग समेत कई शुभ संयोग बन रहे हैं। शोभन योग का संयोग देर रात 1 बजकर 3 मिनट तक है। इसके साथ ही संध्याकाल में 6 बजकर 6 मिनट से शिववास योग का निर्माण हो रहा है। इन योग में देवी मां जगदंबा की पूजा करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी।

एक अक्टूबर से सुरक्षित ढंग से कर सकेंगे डिजिटल भुगतान

धोखाधड़ी पर लगेगी लगाम, सुरक्षित ढंग से कर सकेंगे डिजिटल भुगतान

भोपाल। आगामी एक अक्टूबर से डिजिटल भुगतान करना और अधिक सुरक्षित होगा। क्योंकि आरबीआई ने डिजिटल भुगतान को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है और बैंक व वित्तीय संस्थानों को आरबीआई के इन निर्देशों का पालन एक अप्रैल तक करना है, क्योंकि एक अप्रैल को फिर से नई गाइडलाइन आएगी। नई गाइडलाइन से क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग और एप आदि भुगतान करने में अधिक सुरक्षा मिलेगी।

साथ ही बैंक खाते से आटोमेटिंग पैमेंट भी बिना खाता धारक से पूछे नहीं होगा। इनका सीधा असर उन ग्राहकों और व्यवसायों पर पड़ेगा जो सब्सक्रिप्शन-आधारित सेवाओं का उपयोग करते हैं जैसे ओटीओ प्लेटफार्म, म्यूजिक स्ट्रीमिंग या न्यूज ऐप्स। इसका मतलब है कि कोई भी ऐप या कंपनी आपकी अनुमति के बिना पैसे नहीं काट सकेगी।

ऐसे काम करेगा नया सिस्टम

बैंकों और पेमेंट गेटवे को अब हर रिकरिंग पेमेंट से कम से कम 24 घंटे पहले ग्राहक को नोटिफिकेशन भेजना होगा। इस नोटिफिकेशन में भुगतान की राशि, तारीख और जिस कंपनी को भुगतान किया जा रहा है उसकी जानकारी होगी। ग्राहक को इस नोटिफिकेशन पर अपनी मंजूरी देनी होगी। यदि ग्राहक मंजूरी नहीं देता है, तो भुगतान अपने आप नहीं होगा।

ग्राहकों के लिए फायदे

यह बदलाव उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा। पहले कई ऐप्स एक बार की अनुमति के बाद हर महीने पैसे काट लेते थे और कई बार ग्राहक को इसका पता भी नहीं चलता था। अब हर ट्रांजैक्शन से पहले मंजूरी अनिवार्य होगी, जिससे धोखाधड़ी की संभावना घटेगी और ग्राहक अपने खर्चों पर बेहतर नियंत्रण रख पाएंगे।

व्यापारियों और बैंकों की चुनौती

हालांकि यह कदम ग्राहकों के लिए फायदेमंद है, लेकिन बैंकों और व्यापारियों के लिए इसे लागू करना चुनौतीपूर्ण होगा। उन्हें अपने सिस्टम को इस तरह अपडेट करना होगा कि वे समय पर नोटिफिकेशन भेज सकें और मंजूरी मिलने के बाद ही भुगतान प्रक्रिया पूरी कर सकें। यदि कोई बैंक या कंपनी इन नियमों का पालन नहीं करती है, तो उन पर आरबीआई की ओर से जुर्माना लगाया जा सकता है।

मप्र के किसान परेशान, मुआवजा दिया जाए

भोपाल। शाजापुर जिले के मोहन बड़ोदिया में सोमवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का स्वागत किया गया। पटवारी भोपाल से आगर जिले के नलखेड़ा स्थित मां बगलामुखी मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे, तभी दोपहर करीब 1 से 2 बजे के बीच स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोका। इस दौरान संबोधित करते हुए पटवारी ने प्रदेश सरकार पर किसानों की उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री की भावांतर योजना पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब प्रदेश में सोयाबीन की फसल ही खराब हो रही है, तो किसानों को इस योजना का क्या लाभ मिलेगा। पटवारी ने सरकार से मांग की कि किसानों को प्रति बीघा 20 हजार रुपये का मुआवजा दिया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि तभी किसानों को वास्तविक राहत मिल पाएगी, अन्यथा बाकी सभी दावे झूठे हैं। मीडिया से चर्चा में पटवारी ने बताया कि प्रदेश के किसान लगातार संकट का सामना कर रहे हैं। उन्हें समय पर खाद और बीज नहीं मिल पा रहा है, और प्राकृतिक आपदाओं ने उनकी स्थिति को और बिगाड़ दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव पर किसानों को गुमराह करने और उनकी तकलीफों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। कार्यक्रम के बाद जीतू पटवारी नलखेड़ा स्थित मां बगलामुखी मंदिर के लिए रवाना हो गए।

नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान

भोपाल। देश में इन दिनों पोस्टर वॉर जारी है। आई लव मोहम्मद पोस्टर को लेकर मचे बवाल के बीच मध्य प्रदेश से एक और पोस्टर सामने आया है। जिसमें आई लव इंडिया और आई लव राहुल गांधी लिखा हुआ है। यह पोस्टर कहीं और नहीं बल्कि कांग्रेस कार्यालय के बाहर लगाया गया है। जिसमें आई लव इंडिया, आई लव राहुल गांधी, जय बापू जय भीम जय संविधान और 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान' लिखा हुआ है। यह पोस्टर प्रदेश प्रवक्ता प्रवीण धौलपुरे ने लगवाया है।

बड़वानी में भिंडी-मक्का, खरगोन में कपास की फसलें खराब

15 जिलों में कहीं हल्की, कहीं तेज बारिश; अब तक 122 प्रतिशत पानी गिरा

भोपाल। मानसून ट्रफ और लो प्रेशर एरिया के एक्टिव होने से मध्यप्रदेश में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो रही है। अगले 24 घंटे के लिए पूरे प्रदेश में हल्की बारिश का यलो अलर्ट है। डिंडोरी के ग्रामीण इलाकों में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे तेज बारिश हुई। इससे पहले रविवार को मध्यप्रदेश के 15 जिलों में बारिश हुई। धार और बड़वानी में तेज पानी गिरा। नरसिंहपुर में आधा इंच से ज्यादा बारिश हो गई। बैतूल, नर्मदापुरम, इंदौर, पचमढ़ी, रतलाम, उज्जैन, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, मंडला, सागर, सिवनी में भी पानी गिरा।

बड़वानी जिला मुख्यालय से 11 किलोमीटर दूर तलवाड़ा बुजुर्ग गांव के खेतों में बारिश का पानी घुस गया। स्थानीय किसान राकेश मुकाती ने कहा- तीन हेक्टेयर खेत में लगी भिंडी और मक्के की फसल खराब हो गई है। करीब 80 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं, खरगोन में नमी की वजह से कपास की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। मंडी में नीलामी एक सप्ताह के लिए रोक दी गई है। किसान अपने घरों में तो जिनिंग संचालक फैक्ट्री परिसर में कपास सुखा रहे हैं। केके फायबर्स के संचालक प्रितेश अग्रवाल ने कहा- जिनिंग फैक्ट्री में सूखने के लिए रखा 700 क्विंटल कपास गीला होकर बह गया। बारिश के कारण किसान खेतों से कपास की चुनाई नहीं करा पा रहे हैं। गीला कपास पौधों से टूटकर गिर रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, 1 अक्टूबर से नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इससे 2 अक्टूबर को दशहरे के दिन भी बारिश हो सकती है। मध्यप्रदेश के कुल 12 जिलों से मानसून विदा हो चुका है। इनमें ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, आगर-मालवा, नीमच, मंदसौर और रतलाम भी शामिल हैं। राजगढ़ और अशोकनगर के कुछ हिस्से से मानसून विदा हुआ है। मौसम विभाग की मानें तो अक्टूबर के पहले सप्ताह से मानसून की वापसी के लिए परिस्थिति अनुकूल होगी। बता दें कि इस साल मानसून ने मध्यप्रदेश में 16 जून को दस्तक दी थी। समय से एक दिन बाद मानसून प्रदेश में एंटर हुआ था। मौसम विभाग के अनुसार, 6 अक्टूबर तक प्रदेश के सभी जिलों से मानसून विदा हो जाता है, लेकिन नया सिस्टम बनने से विदाई की तारीख आगे भी बढ़ सकती है।

हाईकोर्ट ने खारिज की परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की जमानत याचिका

भोपाल। एमपी हाईकोर्ट ने परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की जमानत अर्जी खारिज कर दी। यह याचिकाएं प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की गई गिरफ्तारी के खिलाफ दायर की गई थी। जमानत कैंसिल करने का आदेश देते हुए जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने कहा कि आवेदक पर गंभीर आरोप हैं, इसलिए जमानत देना उचित नहीं होगा। कोर्ट ने 22 जुलाई को जमानत अर्जी पर फैसला सुरक्षित कर लिया था। हालांकि सुनवाई के दौरान सौरभ शर्मा के वकील ने कोर्ट में तर्क दिया कि ईडी द्वारा जब्त की गई पूरी संपत्ति सौरभ शर्मा की नहीं है। और जिन संपत्तियों को आरोपी से जोड़कर देखा जा रहा है, वास्तव में वे उसकी नहीं हैं। ईडी की ओर से इसका विरोध दर्ज कराते हुए कहा गया कि सौरभ शर्मा ही वह व्यक्ति है, जिसने अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करने के बाद उन्हें अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के नाम पर ट्रांसफर किया है। यह तरीका आरोपी द्वारा पहचान और संलिप्तता छिपाने के लिए अपनाया गया था।

ईडी ने सौरभ शर्मा के ठिकानों पर 17 दिसंबर 2024 को रेड मारी थी। कार्यवाही के दौरान उसके निवास से करोड़ों की नकदी और लगभग दो क्विंटल चांदी की सिल्लियां जब्त की गईं। जांच के बाद ईडी ने सौरभ शर्मा सहित उसके परिवार के सदस्यों सहित कुल 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इन सभी पर मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई। मामले में इससे पहले भोपाल की जिला एवं सत्र न्यायालय ने, 24 अप्रैल 2025 को सौरभ शर्मा की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी।

पिछले कई विश्व कप की तुलना में इस बार काफी संतुलित नजर आ रही टीम इंडिया

महिला वनडे वर्ल्ड कप कल से, भारत के पास खिताब जीतने का सुनहरा मौका

नई दिल्ली,एजेंसी। महिला वर्ल्ड कप 2025 की शुरूआत कल यानि 30 सितंबर से होने जा रही है। भारत और श्रीलंका में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं।

इस टूर्नामेंट में किसी भी प्रकार का ग्रुप चरण नहीं रखा गया है। सभी टीमें राउंड-रॉबिन फॉर्मेट के तहत सात-सात मुकाबले खेलेंगी। लीग चरण के अंत में अंकतालिका की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी और उसके बाद सेमीफाइनल की विजेता टीम फाइनल में पहुंचेगी। भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी में दोपहर 3 बजे से ओपनिंग मैच खेला जाएगा। 2017 विश्व कप फाइनल तक पहुंचना भारत में महिला क्रिकेट के लिए टर्निंग प्वाइंट माना गया। लेकिन असली लहर 2023 में WPL शुरू होने के बाद पकड़ी। WPL 2025 ने टीवी व्यूअरशिप में 142% उछाल दर्ज किया और 3.1 करोड़ दर्शक जुटाए गए। पिछले कई विश्व कप की तुलना में इस बार की भारतीय महिला टीम काफी संतुलित नजर आ रही है। दिल्ली में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ निर्णायक वनडे सीरीज में मौजूदा विश्व चैंपियन को जिस तरह से कड़ी टक्कर दी, उससे यह पूरी तरह से साफ हो गया कि भारत एक बड़े टूर्नामेंट में एक अच्छी टीम के साथ उतर रहा है।

प्रतिका रावल ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उससे टीम को स्थिरता मिली है। हालांकि उनके स्ट्राइक रेट पर कुछ सवाल भी खड़े हुए हैं। हरलीन देओल को नंबर 3 पर काफी समय से बल्लेबाजी कर रही हैं और जेमिमाह रोड्रिग्स अब नंबर पांच अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं। टीम की उपकप्तान स्मृति मंधना लगातार रन बना रही हैं और कप्तान हरमनप्रीत कौर भी फॉर्म में हैं। गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, राधा यादव, एन श्री चरणी, अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ के पास एकसाथ काफी मैच खेलने का अनुभव भी है।

अमनजोत कौर की फिटनेस चिंता का विषय

अमनजोत कौर किस तरह से वापसी करती हैं, यह भारतीय टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा। इंग्लैंड दौरे के बाद जुलाई में चोटिल हुईं अमनजोत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज से बाहर रहीं। उनकी सीम-बॉलिंग और बल्लेबाजी का संतुलन भारत के लिए अहम है। रेणुका सिंह ठाकुर ने स्ट्रेस इंजरी से वापसी करने के बाद पूरी सीरीज के दौरान अच्छा प्रदर्शन करते हुए, टीम में अपनी अहमियत को फिर से साबित की। कुल मिलाकर यह भारत का पहला महिला वनडे विश्व कप जीतने का सबसे बड़ा मौका हो सकता है।

भारतीय महिला टीम इस प्रकार हैं...

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधना, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, जेमिमाह रोड्रिग्स, रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष, क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, एन श्री चरणी, स्नेह राणा, उमा छेत्री

स्मृति मंधना बेहतरीन फॉर्म में: स्मृति मंधना भारत के लिए विश्व कप की सबसे अहम खिलाड़ियों में से एक हैं। 2022 से अब तक 2100 रन, आठ शतक, मांधना के अहमियत को दर्शाता है। इस दौरान किसी और बल्लेबाज ने 1800 रन भी नहीं बनाए। आंकड़ों से इतर मांधना ने प्रतिका रावल के साथ ओपनिंग में बखूबी आक्रामक भूमिका निभाई है। मंधाना ने 108 वनडे मैचों में 4888 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 13 शतक और 32 अर्धशतक लगाए।

इन भारतीय खिलाड़ियों पर रहेंगी निगाहें

विश्व कप में आग उबलता है हरमन का बल्ला: कप्तान हरमनप्रीत कौर विश्व कप में भारत की ओर से सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज हैं। 2017 के वनडे विश्व कप में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 171 रनों की पारी खेली थी। हरमनप्रीत ने 109 रन की शतकीय पारी न्यूजीलैंड के खिलाफ भी खेली थी। इसके अलावा वह 2013 के वनडे विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ भी 107 रन की शतकीय पारी खेल चुकी हैं। हरमन ने 152 वनडे मैचों में 4149 रन बनाए है। इस दौरान उन्होंने 7 शतक और 20 अर्धशतक जड़े।

युवा क्रांति ने बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम में जगह बनाई: 22 साल की भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने भारत के लिए अभी तक छह वनडे खेले हैं और बेहतरीन प्रदर्शन कर के वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाई। हाल में इंग्लैंड दौरे के दौरान उन्होंने चेस्टर-ले-स्ट्रीट में हुए वनडे मैच में 52 रन देकर 6 विकेट लिए और जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव के बाद इंग्लैंड में एक मैच में भारत के लिए 6 विकेट लेने वाली तीसरी भारतीय बनी।

अपनी मेजबानी में हमें पहली बार विश्वकप जीतने की उम्मीदें - हरमनप्रीत

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि इस बार उनकी टीम के पास विश्वकप जीतते का अच्छा अवसर है। महिला विश्वकप 30 सितंबर से शुरु होगा। इसकी मेजबान भारत कर रह है पर इसके कुछ मुकाबले श्रीलंका में भी होंगे। के हरमनप्रीत का कहना है कि उनकी टीम मेजबान होने के कारण घरेलू मैदानों पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकती है। हरमनप्रीत ने कहा, भारतीय टीम की कप्तानी करना भी उसके लिए सम्मान और गर्व की बात है। साथ ही कहा कि उनकी टीम पहली बार ये ट्रॉफी जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, विश्व कप की तैयारी काफी अच्छी रही है। टीम की सभी खिलाड़ियों ने काफी अभ्यास किया है और वह काफी अच्छे फार्म में हैं। इससे हमारी ट्रॉफी जीतने की उम्मीदें बढ़ी हैं। अब से विश्व कप जीतना चाहते हैं। साथ ही कहा कि विश्वकप हर बार की तरह ही कठिन रहेगा पर हमें अपनी टीम के खेल कौशल के आधार पर जीत की उम्मीद है। घरेलू और बाहरी मैदानों पर हाल के समय में टीम ने जिस प्रकार की सफलता हासिल की है उससे भी वह उत्साहित है। हम विश्व कप में भी इसी लय को बनाये रखने के लिए उतरेंगे।

हरमनप्रीत ने लिखा, ॼहमारी विश्व कप टीम में युवा और अनुभवी सहित सभी विभागों में पारंगत खिलाड़ी हैं। टीम में उपकप्तान स्मृति मंधाना से लेकर जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, प्रतीका रावल, ऋचा घोष और उमा छेत्री जैसी बल्लेबाज। वहीं रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी के अलावा क्रांति गौड़, एन श्री चरणी और राधा यादव जैसी गेंदबाज हैं। इसके अलावा, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा और अमनजोत कौर जैसी ऑलराउंडर भी हैं।

सूर्यकुमार ने मैच फीस पहलगाम हमले के पीड़ितों और सेना को समर्पित की

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप खिताब जीतने के बाद अपनी मैच फीस की राशि पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और सेना को समर्पित कर दी। एशिया कप की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने पाकिस्तान से कोई संपर्क न रखते हुए पाक टीम से हाथ भी नहीं मिलाया। ग्रुप स्तर का मैच जीतने के बाद ही सूर्यकुमार यादव ने उस जीत को सेना और पहलगाम हमले के पीड़ित परिवारों के प्रति समर्पित कर दिया था। वहीं ट्रॉफी जीतने के बाद सूर्यकुमार ने कहा कि हम अपनी मैच फीस पहलगाम हमले के पीड़ितों को समर्पित करते हैं। सूर्यकुमार ने सोशल मीडिया में लिखा, मैंने इस टूर्नामेंट की अपनी मैच फीस हमारी सेना और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए दान करने का फैसला किया है।

अभिनेता टॉम ऑल्टर ने लिया था सचिन का पहला साक्षात्कार

मुंबई। बॉलीवुड और क्रिकेट के बीच गहरा नाता रहा है। बॉलीवुड अभिनेता टॉम ऑल्टर एक खेल पत्रकार भी रहे थे। टॉम ने ही सबसे पहले महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का पहला टीवी साक्षात्कार लिया था। उस समय सचिन को भारतीय क्रिकेट टीम में जगह भी नहीं मिली थी। इससे पता चलता है कि ऑल्टर अभिनय के साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी खासी रुचि रखते थे। साल 1980 और 1990 के दशक में वह खेल पत्रकार के रूप में काम करते थे। इसी दौरान ही उन्होंने सचिन का ये साक्षात्कार लिया था।

टॉम के अनुसार तब उन्हें मुंबई में यह सूचना मिली थी कि दिलीप वेंगसरकर के बाद एक और बेहतरीन बल्लेबाज उभर रहा है। वह 15 साल का सचिन था। इसके बाद ही उनके दिमाग में सचिन से मिलने का ध्यान आया। यह साक्षात्कार क्रिकेट के इतिहास में एक अहम अवसर था। इससे साफ है कि टॉम ने उस सम सचिन की प्रतिभा को पहचान लिया था। इस अभिनेता ने अपने करियर में लगभग 300 फिल्मों में काम किया। टॉम की आवाज ही सबसे अलग थी जिससे वे अंग्रेज अफसर या विदेशी किरदारों में बिल्कुल फिट बैठते थे। टॉम की जिंदगी में खेल पत्रकारिता बेहद अहम रही। एक्टर और पत्रकार के अलावा, टॉम ऑल्टर एक लेखक भी थे। उन्होंने तीन किताबें लिखीं, जो उनके गहरे सोच और कला के प्रति लगन को दर्शाती हैं। उन्हें 2008 में भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया था।

चीन ओपन के तीसरे दौर में पहुंची कोको गॉफ

बीजिंग। अमेरिका की कोको गॉफ चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंच गयी हैं। गॉफ ने महिला एकल के दूसरे दौर के मैच में कनाडा की लेला फर्नांडीज को 6-4, 4-6, 7-5 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनायी। गत विजेता गॉफ ने दूसरा सेट हारने के बाद भी शानदार वापसी करते हुए लेला को 6-4, 4-6, 7-5 से पराजित किया। दूसरा सेट हारने के बाद गॉफ ने तीसरे और निर्णायक सेट में कनाडाई खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर जीत हासिल की।

गॉफ इस जीत के साथ ही डब्ल्यूटीए 1000 सीरीज टूर्नामेंट के अगले दौर में पहुंच गयी हैं। यहां उनका सामना स्विटजरलैंड की बेलिंडा बेनसिच या ऑस्ट्रेलिया की प्रिसकिला होन के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में इवा लिस ने 10वें नंबर की खिलाड़ी एलेना रिबाकिना को 6-3, 1-6, 6-4 से पराजित किया। इसके अलावा अमेरिका की मैकार्टनी केसलर ने बारबरा क्रेसिकोवा को 1-6, 7-5, 3-0 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम के लिए 21 करोड़ रुपये इनाम घोषित किया

मुम्बई । एशिया कप में विजेता भारतीय क्रिकेट टीम पर पैसे की बारिश होती नजर आ रही है। भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर रिकार्ड नौवीं बार खिताब जीता। ऐसे में बीसीसीआई ने भी उसके लिए अपना खजाना खोल दिया है। बोर्ड ने विजेता टीम के लिए 21 करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की है। इस घोषणा के साथ ही बोर्ड ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया - ॼ3 वार, 0 जवाबॼ, जो तुरंत वायरल हो गया। इस आशय था भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में तीनो ही मैचों में पाकिस्तान को हराया। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपने सभी मैच आसानी से जीते। फाइनल में भारतीय टीम की जीत के नायक रहे कुलदीप यादव और तिलक वर्मा। कुलदीप ने जहां 4 विकेट लेकर पाकिस्तान को 146 रनों पर समेटा। वहीं तिलक ने नाबाद 69 रन बनाकर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुचाया। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की जीत में अभिषेक शर्मा की भी अहम भूमिका रही। अभिषेक को सबसे अधिक रनों के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराया

कैनबरा। नकनिका सिवाच के गोल से भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यहां खेले गये तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलियाई अंडर 21 टीम को 1-0 से हरा दिया। इससे पहले हुए दो मैचों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ था। वहीं इस मैच में भारतीय टीम के प्रदर्शन में सुधार आया। इस मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम एक भी गोल नहीं कर पायी। मैच का एकमात्र विजयी गोल 32वें मिनट भारतीय टीम की ओर से नकनिका ने दागा। मैच के पहले हाफ में दोनो ही टीमें गोल करने में असफल रहीं। इसके बाद भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर के शुरूआती मिनटों में सिवाच के गोल से भारत ने बढ़ हासिल की जो अंत तक बनी रही। इस मैच में जीत से भारतीय महिला टीम एक बार फिर लय हासिल करने में सफल रही है। अब भारतीय टीम को क्लब कैनबरा चिल से दो मुकाबले खेलने हैं।

एशिया कप में रनों के मामले में अभिषेक, विकेट के मामले में कुलदीप नंबर वन रहे

दुबई। दुबई में खेले गये एशिया कप में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने इस टूर्नोमेंट में अपने सभी सातों मैच जीते। भारतीय टीम की जीत में अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती के साथ ही अन्य सभी खिलाड़ियों का अहम योगदान रहा। भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर खिताब जीता।

सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे अभिषेक शर्मा = भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस इस टूर्नामेंट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कई रिकार्ड तोड़ दिये। वह एशिया कप टी20 के इतिहास में एक सत्र में 300 रन से अधिक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने। उन्होंने 7 मैचों में 44.86 की औसत और 200 के स्ट्राइक रेट से 314 रन बनाये। वह एशिया कप 2025 में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लबाज रहे। वहीं दूसरे नंबर पर श्रीलंका के पथुम निसांकाने रहे निशंका ने 261 रन बनाये।

सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे कुलदीप यादव

भारतीय टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव एशिया कप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। कुलदीप ने फाइनल में चार विकेट लिए। इस टूर्नामेंट में वह 17 विकेट के साथ इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उनके बाद दूसरे नंबर पर 10 विकेट लेकर पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी रहे।

सूर्यकुमार एसीसी पर बरसे , जीत के बाद भी भारतीय टीम को ट्रॉफी नहीं दी गयी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उसके अड़ियल रुख के कारण ही जीत के बाद भी भारतीय टीम को ट्रॉफी नहीं दी गयी। भारतीय टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराने के बाद एसीसी अध्यक्ष और पाक बोर्ड के प्रुमख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। इसके बाद नकवी ट्रॉफी को अपने साथ ही लेकर चले गये। जिसकी सूर्यकुमार ने कड़ी आलोचना की है। सूर्यकुमार ने कहा कि जिस प्रकार से उनकी टीम को जीत के बाद भी ट्रॉफी नहीं दी गयी, ऐसा उन्होंने पहले कभी भी नहीं देखा था। सूर्यकुमार ने कहा, यह एक ऐसी चीज है जो मैंने पहले कभी नहीं देखी। जब से मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया है, मैं क्रिकेट पर नजर रख रहा हूं। एक चैंपियन टीम को कड़ी मेहनत से हासिल की गयी ट्रॉफी से दूर रखा गया। हम 4 तारीख से यहां हैं और आज एक मैच खेला। दो दिनों में लगातार दो अच्छे मैच जीते। मुझे लगता है कि हम इसके अधिकारी थे। मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। मुझे लगता है कि मैंने इसे वास्तव में अच्छी तरह

से व्यक्त किया है। उन्होंने आगे कहा, अगर आप मुझे ट्रॉफियों के बारे में बताएं, तो मेरी ट्रॉफियां मेरे ड्रेसिंग रूम में रखी हैं। सभी 14 खिलाड़ी मेरे साथ हैं। पूरा सहयोगी स्टाफ भी मेरे साथ है। ये असली ट्रॉफियां हैं। एशिया कप के इस पूरे सफर में मैं इन खिलाड़ियों का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। जब से हम यहां आए हैं, हमने यह टूर्नामेंट खेला है। हमने अपनी तैयारी शुरू कर की है। मुझे लगता है कि ये असली ट्रॉफियां हैं। असली पल जिन्हें मैं प्यारी यादों के रूप में अपने साथ ले जा रहा हूं, जो आगे भी हमेशा मेरे साथ रहेंगी।

जीतने के बावजूद टीम इंडिया ने नहीं ली नकवी के हाथों से ट्रॉफी

दुबई। एशिया कप फाइनल किसी फिल्मी ड्रामें से कम नहीं रहा, टीम इंडिया ने पाकिस्तान को मात दी, लेकिन इसके बाद दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में जो कुछ भी हुआ वो इस वक्त चर्चा का विषय बना हुआ है। मैच रात 12 बजे खत्म हो गया लेकिन सवा एक बजे तक भी पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन नहीं शुरू हो सकी। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट टीम ने पीसीबी और एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों से एशिया कप की ट्रॉफी लेने से ही इनकार कर दिया। मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी का मंच सजकर तैयार था। उस पर मोहसिन नकवी पहले ही चढ़कर बैठ गए। बस फिर क्या था टीम इंडिया प्रेजेंटेशन सेरेमनी के लिए पहुंची ही नहीं। जिसके चलते करीब डेढ़ घंटे तक प्रेजेंटेशन सेरेमनी अटकी रही।

फाइनल से पहले ही अटकलें लगाई जा रही थी कि भारतीय खिलाड़ी जीतने पर नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष और अपने देश के गृहमंत्री भी हैं और भारत विरोधी रवैये के लिये जाने जाते हैं। मौजूदा वक?त में वो एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध?यक्ष भी हैं। एसीसी अध्यक्ष होने के नाते उन्हें विजयी टीम को ट्रॉफी देनी थी और दोनों टीमों से हाथ भी मिलाना था। भारतीय टीम ने हालांकि पाकिस्तान की ओर से किसी से भी हाथ नहीं मिलाने और मैदान से इतर कोई बातचीत नहीं करने की नीति अपनाई।

पाक टीम ने खुद ड्रेसिंग रुम में किया कैद

बीती रात दुबई के क्रिकेट मैदान में पाकिस्तान की जमकर बेइज्जती हुई। यहां पाकिस्तान टीम को भारत ने जमकर धोया और उन्हे मुंह दिखाने के लायक नहीं छोड़ा तब मारे शर्म के पूरी टीम मैदान से भागी और सीधे ड्रेसिंग रुम में चली गई और भीतर से कुंदी लगा दी। करीब एक घंटे टीम ने खुद को कैद रखा। पाकिस्तान की टीम जीत नहीं पाई तो पीसीबी बोर्ड चीफ मोहसिन नकवी ने ट्रॉफी और मेडल लेकर चले गए। पाकिस्तानी टीम की वजह से पोस्ट-मैच प्रजेंटेशन में देरी हुई। दर्शक इंतजार करते रहे प्रजेंटेशन का लेकिन हार से टूटी पाकिस्तानी टीम एक घंटे तक ड्रेसिंग रूम में ही खुद को कैद रखे रही। जब भारतीय क्रिकेटरों और कोचिंग स्टाफ ब्रॉडकास्टर्स से बातचीत कर रहे थे तब पाकिस्तानी टीम ड्रेसिंग रूम से बाहर निकली।

नकवी के हाथों ट्रॉफी नहीं लेने का फैसला

इधर भारतीय टीम ने दो टूक कह दिया था कि वह एसीसी चेयरमैन मोहसिन नकवी के हाथों ट्रॉफी किसी भी हालत में नहीं लेगी। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के भी चेयरमैन हैं और वहां की शहबाज शरीफ सरकार में मंत्री भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय टीम ने मांग रखी कि उन्हें एमिरेट्स बोर्ड के वाइस-चेयरमैन खालिद अल जरूनी के हाथों ट्रॉफी दिलाई जाए। लेकिन यह मांग ठुकरा दी गई। मोहसिन नकवी इस पर अड़े रहे कि ट्रॉफी और मेडल तो वही देंगे। भारतीय टीम ने बिना ट्रॉफी के जश्न मनाया। पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा का फ्रस्टेशन प्रजेंटेशन में दिखा और उन्होंने रनर-अप चेक को फेंक दिया।

आगा ने चेक फेंक दिया

नकवी जब प्रजेंटेशन के लिए स्टेज पर पहुंचे तो स्टेडियम ने भारत माता की जय के गगनभेदी नारों से उनके जख्मों पर और नमक छिड़क दिया। भारतीय समर्थकों ने नकवी के साथ-साथ शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ की जमकर हूटिंग की। तभी साइमन डल ने ऐलान किया कि पाकिस्तानी टीम नकवी के हाथों रनर-अप का मेडल लेगी। बेइज्जती से लाल हुए नकवी ने पाकिस्तानी टीम को अपने हाथों से मेडल देने से इनकार कर दिया। उसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमिनुल इस्लाम ने उन्हें मेडल सौंपा। जब पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा को रनर-अप चेक दिया गया तो उन्होंने उसे फेंक दिया। उनकी हरकत में कुंठा और हताशा साफ दिख रहा था।तभी ऐलान होता है कि भारतीय क्रिकेट टीम आज रात अवॉर्ड कलेक्ट नहीं करेगी, इसलिए पोस्ट-मैच प्रजेंटेशन यही खत्म किया जाता है। उसके बाद नकवी और एसीसी के बाकी अधिकारी स्टेडियम से बाहर चले जाते हैं।

बिना ट्रॉफी के ही जश्न मनाना पड़ा

भारतीय टीम ट्रॉफी का इंतजार करती रही लेकिन पीसीबी चीफ की शर्मनाक हरकत की वजह से उसे बिना ट्रॉफी के ही जश्न मनाना पड़ा। बाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एसीसी चीफ की टुच्ची हरकत की तीखी आलोचना की। बीसीसीआई के सेक्रटरी देवाजीत सैकिया ने मोहसिन नकवी की हरकत को दुर्भाग्यपूर्ण और स्पोर्ट्समैनशिप के खिलाफ बताया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत को जल्द से जल्द ट्रॉफी और मेडल सौंपे जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि नवंबर में दुबई में होने वाली आईसीसी कॉन्फ्रेंस में बीसीसीआई इसके खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराएगा।

ऑपरेशन तिलक बौखलाई पाक टीम

एशिया कप के फाइनल में भारतीय टीम के ऑपरेशन तिलक से पाकिस्तान के होश उड़ गए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए तिलक वर्मा ने एक छोर संभाले रखा और टीम इंडिया को नौंवी बार एशिया कप का चैंपियन बनाकर ही लौटे। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम अजेय रही और पाकिस्तान को फाइनल समेत 3 बार पीटा। जीत के लिए 147 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत का शीर्ष क्रम बुरी तरह लड़खड़ा गया। 20 रन पर ही तीन विकेट गिर चुके थे। अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल पवैलियन लौट चुके थे। यहां से तिलक वर्मा ने संजू सैमसन के साथ चौथे विकेट के लिए 57 रन जोड़कर भारत की वापसी कराई। सैमसन के आउट होने के बाद वर्मा और शिवम दुबे के बीच पांचवें विकेट के लिए 60 रन की अहम साझेदारी हुई। उसके बाद तिलक वर्मा ने रिंकू सिंह के साथ मिलकर भारत को 5 विकेट की यादगार जीत दिलाई। वर्मा को उनकी 53 गेंदों में 69 रनों की नाबाद पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।भारतीय टीम के सख्त तेवरों को देखते हुए नकवी ने ट्रॉफी ही चुरा लेने का फैसला किया। जिस ट्रॉफी को पाकिस्तान जीत नहीं पाया, उसे पीसीबी चीफ ने चुरा लिया। नकवी ने एसीसी अधिकारियों को निर्देश दिया कि विजेता ट्रॉफी को प्रजेंटेशन तक न ले जाया जाए।

प्रधानमंत्री ने भारतीय टीम को एशिया कप जीतने की बधाई दी, खेल के मैदान में भी सफल रहा ऑपरेशन सिंदूर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम की शानदार जीत पर उसे बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि खेल के मैदान पर भी भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराकर ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाया है। प्रधानमंत्री ने पाक के खिलाफ भारतीय टीम को मिली पांच विकेट से जीत पर कहा कि खेल के मैदान पर भी ऑपरेशन सिंदूर का परिणाम भारत के पक्ष में ही रहा। भारतीय टीम ने कुलदीन यादव के चार विकेट के बाद तिलक वर्मा के नाबाद 69 रनों की सहायता से पाक के खिलाफ जीत दर्ज की। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने नौवीं बार एशिया कप अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में सभी मैच जीती भारतीय टीम ने तीनों ही मुकाबलों में पाक को हराया।

प्रधानमंत्री ने कहा,'' आपरेशन सिंदूर खेल के मैदान में। परिणाम समान है भारत की जीत। हमारे क्रिकेटरों को बधाई। दोनों टीमों के बीच टूर्नामेंट में काफी तनाव भी रहा पर अंत में जीत भारत की हुई। भारतीय टीम ने इस मैच में भी टॉस के समय और खेल के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिला। इसके अलावा जीत के बाद एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख पाक के मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया। भारतीय टीम ने तीनों ही मैचों में पाक से कोई बात नहीं करते हुए हुए कहा था कि वह पहलगाम हमले के पीड़ितों और भारतीय सेना के साथ खड़ी है।

सीजेआई गवई की मां कमलताई आरएसएस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, क्या हैं इसके मायने?

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में इस बार विजयादशमी कार्यक्रम के लिए एक खास आमंत्रण दिया है। संघ ने भारत के मौजूदा चीफ जस्टिस (सीजेआई) भूषण रामकृष्ण गवई की मां कमलताई गवई को मुख्य अतिथि बनाया है। महाराष्ट्र के अमरावती में होने वाले इस आयोजन को संघ की रणनीतिक सोच से जोड़कर देखा जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार संघ का यह आमंत्रण ऐसे समय आया है, जब हाल ही में सीजेआई गवई की एक टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। खजुराहो स्थित जावरी मंदिर से जुड़ी याचिका पर उनकी टिप्पणी की आलोचना हुई और उन पर हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप लगे। मामला सोशल मीडिया पर जातीय बहस में भी बदल गया। इसके बाद गवई ने स्पष्ट किया कि वे सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। ऐसे में उनकी मां को आरएसएस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया जाना महत्वपूर्ण संदेश माना जा रहा है।

गौरतलब है कि कमलताई गवई, पूर्व राज्यपाल और अंबेडकरवादी आंदोलन के वरिष्ठ नेता आरएस गवई की पत्नी हैं। विदर्भ क्षेत्र में उन्होंने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर स्मारक भूमि, दीक्षाभूमि के विकास और बौद्ध मेमोरियल के निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी। गवई परिवार लंबे समय से दलित राजनीति और अंबेडकरवादी आंदोलन से जुड़ा रहा है।

आरएसएस की परंपरा रही है कि वह अपने बड़े आयोजनों में ऐसे लोगों को जगह देता है, जो उसकी विचारधारा से सीधे तौर पर नहीं जुड़े होते, लेकिन समाज में प्रभावशाली हैं। इससे संघ खुद को समावेशी और व्यापक स्वीकार्यता वाला संगठन बताने की कोशिश करता है।

यही कारण है कि इससे पहले भी कई बार संघ ने ऐसी शख्सियतों को अपने मंच पर आमंत्रित किया जिससे सभी चौंक गए थे। ऐसे ही नामों में प्रणब मुखर्जी (पूर्व राष्ट्रपति), डॉ. कोप्पिल्लील राधाकृष्णन (पूर्व इसरो प्रमुख), शंकर महादेवन (गायक-संगीतकार), संतोष यादव (एवरेस्ट पर दो बार चढ़ने वाली पहली महिला पर्वतारोही, आरएसएस कार्यक्रम में पहली महिला मुख्य अतिथि), जनरल रूकमंगुड कटवाल (नेपाल के पूर्व सेना प्रमुख), जेपी राजखोवा (असम के पूर्व मुख्य सचिव) और प्रमुख उद्योगपति डॉ. गंगा राजू शामिल हैं।

इस बार नागपुर मुख्यालय में होने वाले विजयादशमी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद होंगे, जबकि अमरावती में कमलताई गवई का मुख्य अतिथि बनना राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

मेलोनी की आत्मकथा की प्रस्तावना में पीएम मोदी ने लिखा- ये तो मेरे मन की बात...

नई दिल्ली। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की आत्मकथा का भारतीय संस्करण जल्द ही आने वाला है। इसे रूपा पब्लिकेशंस प्रकाशित करने वाली है। पीएम मोदी ने मेलोनी की आत्मकथा आई एम जॉर्जिया - माई रूट्स, माई प्रिंसिपल्स की प्रस्तावना लिखी है। उन्होंने लिखा है कि ये आत्मकथा उनके मासिक रेडियो शो मन की बात से प्रेरित है। पीएम मोदी ने यह भी लिखा है कि प्रस्तावना लिखना उनके लिए बहुत बड़ा सम्मान है और वह मेलोनी के प्रति सम्मान, प्रशंसा और मित्रता के साथ ऐसा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस पुस्तक की प्रस्तावना में अपने सकक्ष को एक देशभक्त और उत्कृष्ट समकालीन नेता बताया है।

प्रस्तावना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा है, प्रधानमंत्री मेलोनी का जीवन और नेतृत्व हमें इन शाश्वत सत्यों की याद दिलाता है... भारत में उन्हें एक उत्कृष्ट समकालीन राजनीतिक नेता और देशभक्त की ताज़ा कहानी के रूप में सराहा जाएगा... दुनिया के साथ समान स्तर पर जुड़ते हुए अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने में उनका विश्वास हमारे अपने मूल्यों को दर्शाता है। पीएम मोदी ने इस बात का उल्लेख करते हुए याद दिलाया है कि कैसे पिछले 11 वर्षों में उन्होंने विश्व के कई नेताओं से बातचीत की है, जिनमें से हरेक की जीवन यात्रा अलग-अलग रही है और कैसे उनकी यात्राएँ व्यक्तिगत कहानियों से आगे बढ़कर किसी बड़ी बात को व्यक्त करती हैं।

पीएम मोदी ने प्रस्तावना में कई बार मेलोनी की प्रशंसा की है और बताया है कि कैसे उनकी प्रेरणादायक और ऐतिहासिक यात्रा भारतीयों के दिलों में गहराई से उतरी है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि यह पुस्तक निश्चित रूप से भारतीय पाठकों को प्रभावित करेगी। बता दें कि इस आत्मकथा का मूल संस्करण 2021 में लिखा गया था, जब मेलोनी इटली में विपक्ष की नेता थीं। एक साल बाद ही वह देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं।

पहले ट्रंप ने लिखी थी प्रस्तावना

इससे पहले जून 2025 में, इस पुस्तक का अमेरिकी संस्करण लॉन्च हो चुका है, जिसकी प्रस्तावना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर ने लिखी है। उन्होंने उस प्रस्तावना में जॉर्जिया मेलोनी की मजदूर वर्ग की पृष्ठभूमि का दो बार जिक्र किया था और उनकी आत्मकथा को देशभक्ति की उस लहर की अनछुई कहानी बताई, जिस पर मेलोनी सवार थीं।

करूर में भगदड़ में मरने वालों की संख्या हुई 41, राहुल गांधी ने की सीएम से बात

34 शवों की पहचान कर उनके परिवारों को सौंपा गया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तमिलनाडु के करूर में भगदड़ की घटना के बाद सीएम एमके स्टालिन और टीवीके पार्टी के अध्यक्ष विजय से फोन पर बात की है। बता दें तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की चुनावी रैली में हुई भगदड़ में अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है। एक महिला की रविवार देर रात मौत हो गई। इससे मृतकों की संख्या बढ़कर 41 हो गई।

रैली के बाद महिला लापता हो गई थीं। बाद में उनके रिश्तेदारों को पता चला कि उन्हें करूर सरकारी अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया था, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। बता दें यह हादसा शनिवार शाम को हुआ था, जहां विजय का भाषण सुनने हजारों लोग जमा हुए थे। चश्मदीदों ने बताया कि भीड़ बहुत ज्यादा थी और जैसे ही लोग टीवीके नेता विजय की एक झलक पाने के लिए आगे बढ़े, अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि थोड़ी देर के लिए बिजली गुल होने से अफरा-तफरी और बढ़ गई।

चिदंबरम का बड़ा दावा

26/11 मुंबई हमले के बाद पाकिस्तान पर कार्रवाई करने से रोक दिया था विदेश मंत्रालय ने

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने दावा किया है कि 26 नवंबर 2008 के मुंबई हमले के बाद वे पाकिस्तान के खिलाफ तत्काल जवाबी कार्रवाई के पक्ष में थे, लेकिन तत्कालीन विदेश मंत्रालय ने ऐसा करने से रोक दिया था। चिदंबरम का कहना है, कि तब मंत्रालय के अधिकारियों ने उन्हें समझाया कि इस समय कूटनीति और बातचीत ही दोनों देशों के बीच तनाव को सुलझाने का बेहतर तरीका है।

इस आशय का दावा पी चिदंबरम ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू के दौरान किया, जिसमें उन्होंने बताया कि जब मुंबई हमले के बाद तत्कालीन गृह मंत्री शिवराज पाटिल मीडिया और जनता के निशाने पर आए, तो उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया। इसके बाद वित्त मंत्री चिदंबरम को गृह मंत्रालय भेजा गया। चिदंबरम ने बताया, कि वह इस तबादले के लिए तैयार नहीं थे, क्योंकि उन्होंने वित्त मंत्रालय में पांच बजट पेश किए थे और अगले साल चुनाव होने वाला था। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री ने उन्हें फोन कर सूचित किया कि गृह मंत्रालय में उन्हें स्थानांतरित करने का सामूहिक फैसला लिया गया है।

चिदंबरम ने कहा, कि मंत्रालय के अधिकारी बार-बार कहते थे कि दोनों देशों के बीच तनाव को सैन्य कार्रवाई से नहीं, बल्कि रचनात्मक कूटनीतिक प्रयासों से ही सुलझाया जाना चाहिए। इस कारण तत्काल जवाबी कार्रवाई नहीं हो सकी। गौरतलब है कि 26/11 मुंबई हमले में पाकिस्तान से आए लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने मुंबई के विभिन्न स्थानों पर हमला किया। इन हमलों में 166 लोगों की जान गई थी और सैकड़ों लोग घायल हो गए थे। इन हमलों के चौथे दिन, यानी 29 नवंबर 2008 को भारतीय सुरक्षा बल आतंकियों का पूरी तरह खात्मा करने में सफल रहे। इन 10 आतंकवादियों में अजमल कसाब एकमात्र ऐसा आतंकी था जिसे जिंदा पकड़ा गया और अदालत के आदेश से उसे फांसी दी गई।

भ्रष्टाचार छिपाने 1975 में हुई पूर्व रेल मंत्री मिश्रा को बम से उड़ा दिया

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने लगाए कांग्रेस पर गंभीर आरोप

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने पूर्व रेल मंत्री ललित नारायण मिश्रा की हत्या को लेकर कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इसे आयात लाइसेंस मामले में भ्रष्टाचार को छिपाने की साजिश बताया है। दुबे ने दिसंबर 1974 में संसद में लाए गए विशेषाधिकार प्रस्ताव के दस्तावेज एक्स पर शेयर किए और कांग्रेस पर मिश्रा की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निशिकांत ने सोमवार को पोस्ट में लिखा- क्या कांग्रेस ने तत्कालीन रेल मंत्री ललित नारायण मिश्रा की हत्या की साजिश रची थी ताकि कमीशन के रैकेट को छिपाया जा सके? भारत सरकार ने 1972-73 में फर्जी आयात-निर्यात लाइसेंस जारी किया था। मिश्रा उस समय विदेश व्यापार मंत्री थे और पैसे का लेनदेन शुरू हुआ। उस समय हर महीने 1 लाख 20 हजार रुपये?

दुबे ने कहा कि पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने सीबीआई की ओर से दायर भ्रष्टाचार मामले की चार्जशीट के आधार पर तत्कालीन कांग्रेस सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने लिखा- संसद में हंगामा हुआ और 1973 में जांच शुरू हुई। ललित बाबू का मंत्रालय बदल दिया गया और उन्हें रेल मंत्री बनाया गया। सितंबर 1974 में सीबीआई ने चार्जशीट दाखिल की थी। आरोप सिद्ध हुए कि फर्जी कंपनी बनाकर लेनदेन हुआ था। 9 दिसंबर 1974 को अटल बिहारी ने ललित नारायण मिश्रा पर निशाना साधा। उन्होंने सीबीआई चार्जशीट के आधार पर पैसे के लेनदेन का सबूत पेश किया। इसके बाद विशेषाधिकार प्रस्ताव लाया गया।

दुबे ने आरोप लगाते हुए कहा कि 3 जनवरी 1975 को क्या इस भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए ललित नारायण मिश्रा को बम विस्फोट में उड़ा दिया गया? क्या काला युग था। बता दें मिश्रा 1970 के दशक में बिहार के कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में से एक थे। 1975 में समस्तीपुर जिले के एक रेलवे स्टेशन पर बम विस्फोट में उनकी मौत हो गई थी। दिसंबर 2014 में सीबीआई कोर्ट ने संतोषानंद, सुदेवानंद, रंजन द्विवेदी उर्फ राम जनम द्विवेदी और गोपालजी मिश्रा को हत्या का दोषी पाया था।

अब निशिकांत दुबे ने मिश्रा की हत्या के पीछे कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। हालांकि, सीबीआई कोर्ट ने पाया था कि दोषियों ने आध्यात्मिक नेता प्रभात रंजन सरकार उर्फ आनंद मूर्ति को जेल से रिहा करने के लिए यह साजिश रची थी। ललित नारायण मिश्रा को मिथिलांचल का सपूत कहा जाता था। वह 1973 से 1975 तक देश के रेल मंत्री रहे थे। इस पद पर रहते हुए उन्होंने मिथिलांचल के पिछड़े क्षेत्रों में रेलवे नेटवर्क का विस्तार किया। उनकी दूरदर्शिता ने कोसी क्षेत्र को रेलवे से जोड़कर आवागमन को सुगम बनाया। 5 जनवरी 1975 को समस्तीपुर में बम विस्फोट में उनकी असामयिक मृत्यु ने मिथिलांचल को स्तब्ध कर दिया।

ईएफटीए देशों के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता एक अक्टूबर 2025 से प्रभावी होगा

नई दिल्ली। केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को बताया कि भारत का मुक्त व्यापार समझौता ईएफटीए देशों (आइसलैंड, लिक्टेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड) के साथ 1 अक्टूबर 2025 से प्रभावी होगा। उन्होंने यह जानकारी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के समापन सत्र में जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विकसित देश भारत के साथ एफटीए करने के इच्छुक हैं, और भारत पहले ही यूएई, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ ऐसे समझौते कर चुका है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार अब 700 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली के साथ भी व्यापार वार्ता में है, जबकि कतर और बहरीन ने भी रुचि दिखाई है। यूरेशिया के साथ टर्म्स ऑफ रेफरेंस (ज्ञक्त्र) अंतिम रूप में हैं, जो भारत की मजबूत वैश्विक स्थिति को दर्शाता है। पीयूष गोयल ने हाल ही में लागू जीएसटी सुधारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवरात्रि के अवसर पर देश को ऐतिहासिक सुधार दिया है। उन्होंने कहा, फ्र22 सितंबर का दिन इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। मुझे लगता है कि यह स्वतंत्रता के बाद का सबसे बड़ा सुधार है, जिसका असर दशकों तक महसूस होगा।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री की अगुवाई में भारत 2014 में कमजोर अर्थव्यवस्था से आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अगले दो वर्षों में 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के आकार के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत है, जो पिछले दशक में सबसे कम है, जबकि जीडीपी वृद्धि पिछली तिमाही में 7.8% रही। उन्होंने बैंकिंग क्षेत्र की मजबूती और ब्याज दरों में कमी पर भी जोर दिया।

वोट चोरी और मतदाता सूची में हेराफेरी ने लोगों का विश्वास डगमगा दिया- वेणुगोपाल

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा है कि 'वोट चोरी' भारत की अखंडता के लिए खतरा है और उन्होंने केंद्र पर ''मतदाता सूची में हेराफेरी'' करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि वोट चोरी और मतदाता सूची में हेराफेरी ने लोकतंत्र की बुनियाद में लोगों का विश्वास डगमगा दिया है। वेणुगोपाल इस मुद्दे पर पार्टी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी 'वोट चोर, गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान में शामिल हुए। उन्होंने रविवार को वार्ड कैथवना में आयोजित अभियान में हिस्सा लिया। अलप्पुझा के सांसद ने एक्स पर पोस्ट में आरोप लगाया कि वोट चोरी कोई मामूली अपराध नहीं है। यह हमारे संविधान, हमारी अर्थव्यवस्था, सामाजिक न्याय और भारत की अखंडता के लिए, एक बड़ा खतरा है। रिपोर्ट के मुताबिक वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस पूरे भारत में पांच करोड़ हस्ताक्षर एकत्र करेगी। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि यह अभियान एक जन आंदोलन के रूप में गति पकड़ रहा है और उन्होंने लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले हरेक नागरिक से संविधान की रक्षा करने और भारत की आत्मा को बचाने के लिए इस संघर्ष में शामिल होने का आह्वान किया।

जीएसटी रेट्स में कटौती के बाद रिटेलरों के मिसलीडिंग डिस्काउंट्स और अनुचित मूल्य निर्धारण प्रथाओं की लगभग 3,000 शिकायतें मिलीं

नई दिल्ली । उपभोक्ता मामले विभाग (डीओसीए) की सचिव ने कहा कि जीएसटी रेट्स में हालिया कटौती के बाद सरकार को उपभोक्ताओं से रिटेलरों द्वारा मिसलीडिंग डिस्काउंट्स और अनुचित मूल्य निर्धारण प्रथाओं को लेकर लगभग 3,000 शिकायतें मिली हैं। रोज़ाना मिल रही शिकायतें मंत्रालय सीबीआईसी को कार्रवाई हेतु भेज रहा है। एक कार्यक्रम में सचिव ने कहा कि हर दिन शिकायतें प्राप्त हो रही हैं और मंत्रालय आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) को भेज रहा है। कई शिकायतों में प्राइसिंग से जुड़े डार्क पैटर्न का ज़िक्र है, जहां रिटेलर पर जीएसटी दर घटने का लाभ ग्राहकों को न देने का आरोप है।

लेह हिंसा के बाद तनाव में पांचवें दिन भी कर्फ्यू जारी, 44 गिरफ्तार

लेह। लद्दाख में चल रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बीच 24 सितंबर को भड़की हिंसा के बाद हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। इसके चलते जिले में लगातार पांचवें दिन भी कर्फ्यू जारी है। प्रशासन ने बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी है, जिसके तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध है। इसके अलावा, बिना पूर्व अनुमति किसी भी तरह के जुलूस, रैली या मार्च निकालने पर रोक लगी है। तनाव के बीच पूरे लेह में सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। लेह में हुई हिंसा के दौरान अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 90 लोग घायल बताए गए हैं। पुलिस ने उपद्रव और हिंसा फैलाने के आरोप में अब तक 44 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक प्रमुख हैं, जिन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लेकर जोधपुर जेल भेजा गया है। यहां बताते चलें कि प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता वांगचुक लंबे समय से लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किए जाने की मांग उठा रहे थे। जानकारी के अनुसार, वांगचुक को उनकी भूख हड़ताल समाप्त होने के बाद हिरासत में लिया गया था। प्रशासन का आरोप है कि उन्होंने हिंसा को भड़काने में भूमिका निभाई। इस बीच, जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि लद्दाख का यह आंदोलन सरकार के पिछले पांच साल के 'धोखे और अधूरे वादों' का परिणाम है। मीडिया से बातचीत में कर्रा ने कहा, कि सरकार ने उन्हीं लोगों का इस्तेमाल अनुच्छेद 370 हटाने के समय किया था, जो आज विरोध प्रदर्शनों में शामिल हैं।

सेवा पखवाड़ा में लगे आजीविका मेले में महिला उत्पादकों को हुआ भारी नुकसान, आयोजन बना औपचारिकता मात्र

मेले में सुरक्षा व्यवस्था रही ना काफी, समूह की महिला का खाद्यान्न हुए चोरी, मायूस होकर लौटी समूह की महिलाएं

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। स्थानीय लॉन में लगाया गया तीन दिवसीय आजीविका फ्रेश मेला, आजीविका मिशन की महिलाओं को काफी नुकसानदायक साबित हुआ । यहां मेले में पहुंची कुछ समूह की महिला दीदी ने बताया कि जिस प्रकार से मेले का प्रचार प्रसार किया जाना था, उस प्रकार से मेले का प्रचार प्रसार नहीं किया गया । जिस कारण यह तीन दिवसीय मेला अपने उद्देश्य को पूर्ण नहीं कर पाया। कुछ महिला समूह की दीदीयों ने तो यह भी बताया कि मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए थे, जिस कारण उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा और उनके खाद्य सामग्री को यहां बंदरों ने खाया ,तो कुछ खाद्य सामग्री की चोरी भी मेले से हो गई । जिसका उन्हें बहुत अधिक नुकसान उठाना पड़ेगा। जबकि समूह की महिलाओं का मानना है कि मेले का भरपूर प्रचार प्रसार होना था और यहां सुरक्षा के पुक्ता इंतजाम किए जाने थे, मेले में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने थे, किंतु ऐसा कुछ नहीं हुआ महज यह मेला औपचारिकता की भेंट चढ़कर रह गया । यहां आने वाली समूह की महिलाएं मायूस होकर अपने घर लौटी जबकि मेला का आयोजन करवाने वाले जिम्मेदार अधिकारी मिले को सफल बता रहे हैं।

आपको बता दे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत लगाए गए आजीविका फ्रेश मेला, आयोजक और महिला उत्पादक समूहो के लिए आमदानी अठ्ठनी और खर्च रूपया जैसा रहा। हजारों रूपए किराए का भवन और डेकोरेशन करके, आयोजित किए गए तीन दिवसीय आजीविका फ्रेश मेले में ग्राहको के नहीं पहुंचने से समूह उत्पादकों की स्वदेशी सामग्री का विक्रय नहीं हो सका। जिससे, महिला उत्पादकों में मायुसी है। हालांकि दिल बहलाने के लिए लघु उद्यमिता विकास के प्रबंधक मुकेश कुमार बिसेन, मेले का अच्छा और विक्रय की दृष्टि से सफल बता रहे है, लेकिन महिला उत्पादकों की बयानी, मेले के आयोजन की असफलता की पोल खोल देती है। लालबर्रा क्षेत्र से सुमन उईके और ललिता बावने के स्वदेशी जैविक दाल के पैकेट को बंदर खा गए तो सुमन उईके का दाल से भरा थैला ही गायब हो गया। स्वदेशी पत्तल, बांस की टुकनी दोना, जैविक खाद और कीटनाशक दवा लेकर, आदिवासी अंचल के परसवाड़ा से पहुंची विमला परते का कहना है कि तीन दिनो में केवल 4 सौ रूपए का सामान बिका। इसमें तो आने जाने का खर्च तक नहीं निकला। नवरात्र का पर्व है, गांव में रहती तो तीन दिनो में वह पांच हजार रूपए का सामान बेच देती। तीन दिवसीय आजीविका फ्रेश मेला में आयोजक बताते है कि लगभग 36, आजीविका समूह की महिलाएं, अपने उत्पादको को लेकर मेले में फायदा होने की सोच से पहुंची थी, लेकिन यहां आकर उन्हें घाटा उठाना पड़ा। कुल मिलाकर देखा जाए तो तीन दिवसीय मेले के प्रचार और ग्राहकों को स्वदेशी सामान खरीदने, मेले तक लाने में आयोजक असफल रहे, जिसके कारण सेवा पखवाड़ा में आयोजित यह मेला, महिला समूह के लिए फायदा कम, नुकसान ज्यादा जैसा रहा। सोमवार को समापन कार्यक्रम से पहले ही मेला पूरी तरह से खाली हो गया।

मेला अपने लक्ष्य को पूरी तरह से पूर्ण कर पाया है - मुकेश बिसेन

लघु उद्यमिता विकास के जिला प्रबंधक मुकेश बिसेन बताते हैं कि सेवा पखवाड़ा के तहत आजीविका मिशन की महिलाओं के रोजगार को विस्तार और वृद्धि देने के लिए यह मेले का आयोजन किया गया था । वह मानते हैं कि मेला अपने लक्ष्य को पूरी तरह से पूर्ण कर पाया है । लोगों के नहीं पहुंचने को लेकर उन्होंने बताया कि बारिश का मौसम होने के कारण आमजन मेले तक नहीं पहुंच पाए हैं । उन्होंने समूह की महिलाओं के खाद्यान्न चोरी होने के विषय को लेकर कहा कि इस विषय में उन्हें कोई जानकारी नहीं है और यदि सुरक्षा व्यवस्था की बात कर रहे हैं तो आगामी समय में वह मेलों में और अधिक सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम करेंगे ।

देसी रंग में रंगा ढीमरटोला का दुर्गोत्सव, मिट्टी-घास और बांस से सजी मां की चौकी

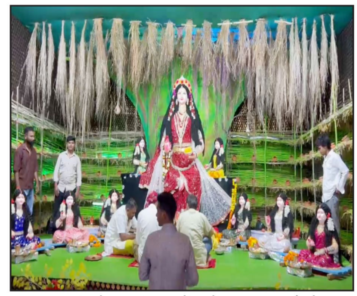

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर में शारदेय नवरात्र का पर्व, पूरे उत्साह और उमंग के साथ भक्तिभाव से मनाया जा रहा है। नगरीय क्षेत्र में दो दर्जन से ज्यादा स्थानो में मां दुर्गा की प्रतिमा विराजित की गई है। सार्वजनिक दुर्गोत्सव समितियो ने मां दुर्गा की मनोहारी प्रतिमा के साथ ही, मां के दरबार को आकर्षक रूप से सजाया है।

बालाघाट नगर के ढीमरटोला में जनशक्ति दुर्गोत्सव समिति ने इस बार ग्रामीण परिवेश की थीम दी है। जिसमें बताया गया है कि मां दुर्गा गांव के घर में नौ-कन्याओं को भोज करा रही है। जिसके आसपास की गई साज-सज्जा में पूरी तरह से समिति के लोगों ने स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया है। समिति अध्यक्ष महेन्द्र चौहान ने बताया कि मातारानी के बैठक स्थल की साजसज्जा में मिट्टी के 150 मटके, 15 से 20 पेंडी घास, दो से तीन बेट पैरा और 50 बांस की चटाई का उपयोग किया गया है। जिसमें तकरीबन उन्हें 60 से 70 हजार रूपर्य का खर्च आया है। उन्होंने बताया कि दुर्गोत्सव के पूरे कार्यक्रम में प्लास्टिक का उपयोग प्रतिबंधित है। मां दुर्गा के कन्या भोज में प्रतिदिन समिति, घरेलु भोजन की थाल का प्रसाद चढ़ाते है, जो प्रतिदिन, भक्तों को प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है और शेष प्रसाद को वह गौमाता को खिला देते है। आपको बताते चले कि यहां विगत 41 सालों से दुर्गोत्सव पर्व मनाया जा रहा है। मलीन बस्ती वाले इस क्षेत्र में पहले समिति के लोग, खुद से ही डेकोरेशन करते थे। शनै-शनै, लोगो ने नवरात्र में दुर्गोत्सव मनाने, सहयोग करना शुरू किया। बात करें बीते सालों की तो दुर्गोत्सव समिति ने बीते वर्षो में झूलो में मां दुर्गा की 9 स्वरूप, ज्वारा में मां दुर्गा, रंगोली बनाती मां दुर्गा सहित अन्य स्वरूपो में मां दुर्गा की प्रतिमा को विराजित किया था। जिसे देखने आने वाले भक्तो ने खासा पसंद किया था।

65 वर्षीय वृद्ध की अपने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

गोमा जी द्वारा शराब के नशे में फांसी लगाने की संभावना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर 5 बैहर चौकी मरारी मोहल्ला में एक 65 वर्षीय वृद्ध गोमा जी पिता बारकु जी पांचे ने अपने घर में फांसी लगा ली ।जिसकी मोके पर ही मौत हो गई। 28 सितंबर की रात यह घटना उस समय हुई, जब इस वृद्ध के परिवार के लोग नगर में दुर्गा देखने गये हुये थे। कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वृद्ध का फांसी पर लटका हुआ शव नीचे उतरवाये। 29 सितंबर को शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। इस वृद्ध के द्वारा शराब के नशे में फांसी

लगाकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोमा पांचे बकरी चराने का काम करता था। जिसके परिवार में पत्नी श्यामा बाई और दो बेटे एक बेटी है, । सभी की शादी हो चुकी है। गोमा जी पांचे के दोनो बेटे अपने परिवार के साथ अलग-अलग रहते हैं। जिनमे छोटा बेटा पवन पांचे अपने परिवार के साथ मकान के ऊपर कमरे में रहता है और सब्जी मंडी बालाघाट में काम करता है। बड़ा बेटा हरिश्चंद्र पांचे के परिवार के साथ गोमा जी पांचे अपनी पत्नी श्यामा बाई के साथ में रहता था। हरिचंद पांचे उकवा में डायल 112 का पायलट है। बताया गया है कि गोमाजी पांचे शराब पीने का आदि था। 28 सितंबर को ही गोमा जी पांचे का बड़ा बेटा हरिश्चंद्र पांचे घर आया था। शाम को गोमाजी शाम को गोमा जी अपने घर में था और वह शराब के नशे में था। पत्नी श्यामा बाई पांचे पड़ोस में दुर्गा उत्सव में चली गई थी और दोनों लड़के पवन पांचे और हरिचंद पांचे अपने परिवार के साथ नगर में दुर्गा देखने के लिए चले गए थे। रात्रि 11:30 बजे जब दोनों भाई घर लौटे देखें, मकान के सामने का दरवाजा अंदर से बंद था। आवाज देने पर भी गोमा जी ने दरवाजा नहीं खोला। शंका होने पर हरिश्चंद्र पांचे ने दरवाजे को जोर से धक्का दिया। दरवाजा खुला अंदर जाकर लाइट जलाये और कमरे में देखे गोमा जी ने वेंटीलेशन में नायलॉन की रस्सी बांधकर फांसी लगा ली थी और उसकी मौत हो चुकी थी। खबर मिलते ही मोहल्ले के लोग भी पहुंच गए हरिश्चंद्र पांचे ने 112 को सूचना दिए। कोतवाली से सहायक उप निरीक्षक अजय डहेरिया अपने स्टाफ के साथ मरारी मोहल्ला बैहर चौकी पहुंचे और गोमा जी का फांसी पर लटका हुआ शव नीचे उतरवाये। जिसे रात्रि में ही घर में रखवा दिया गया था।29 सितंबर को सहायक उप निरीक्षक श्री डहेरिया ने मृतक गोमा जी पांचे का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिए हैं। संभावना व्यक्त की गई है कि गोमा जी पांचे ने शराब के नशे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कोतवाली पुलिस द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट